@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

सोमवार, 28 जुलाई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 258 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

तीन शतकों से भारत ने टाली हार, जडेजा-सुंदर ने लगाया पार, मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ

नई दिल्ली।भारत-इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ हो गया। चट्टान की तरह अड़े जडेजा-सुंदर ने नाबाद 203 रन की साझेदारी करके पारी की हार से बचाया, दोनों के शतक ऐतहासिक बन गए। इससे पूर्व इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने भारतीय बैटर्स को मैच बीच में ड्रॉ पर समाप्त करने का प्रस्ताव दिया, लेकिन जडेजा और सुंदर ने इससे इनकार कर दिया और बैटिंग जारी रखने की बात कही, क्योंकि दोनों शतक के करीब थे। रविवार को मैच के 5वें दिन भारत के केवल दो विकेट गिरे। टीम इंडिया ने लंच ब्रेक से पहले कप्तान शुभमन गिल (103) और केएल राहुल (90 रन) के विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में टीम इंडिया पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा था। आज भारतीय टीम ने 174/2 के स्कोर दिन की शुरुआत की। इंग्लैंड ने पहली पारी में 311 रन की बढ़त ली। टीम 669 रन पर ऑलआउट हुई, जबकि भारतीय टीम 358 रन पर ऑलआउट हुई। कप्तान शुभमन गिल ने इस सीरीज में चौथा शतक लगाया है। उन्होंने एक सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले कप्तानों की लिस्ट में सर डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर के 4-4 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। शुभमन गिल बतौर कप्तान डेब्यू सीरीज में 4 शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले वार्विक आर्मस्ट्रॉन्ग, डॉन ब्रैडमैन, ग्रेग चैपल, विराट कोहली और स्टीव स्मिथ ने बतौर कप्तान अपनी पहली टेस्ट सीरीज में 3-3 शतक लगाए थे। रवींद्र जडेजा के इंग्लैंड में 1000 रन पूरे हो गए हैं। इतना ही नहीं, वे 34 विकेट भी ले चुके हैं। जडेजा विदेशी पिचों पर ऐसा करने वाले तीसरे प्लेयर हैं। उनसे पहले इंग्लैंड के बिल फर्ड रोड्स और वेस्टइंडीज के गैरी सोवर्स यह उपलब्ध हासिल कर चुके हैं।

रेव पार्टी में पूर्व मंत्री के दामाद गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे पुलिस ने शनिवार देर रात एक रेव पार्टी पर छापेमारी में एनसीपी(एसपी) नेता और पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर को गिरफ्तार किया है। अपार्टमेंट से गांजा, शराब और हुक्का जब्त किया गया है। कुल 7 लोगों की गिरफ्तार हुई है, जिसमें 2 महिलाएं शामिल हैं। दामाद की गिरफ्तारी पर खडसे ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई के पीछे कोई राजनीतिक मकसद तो नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे ने कहा कि यह छापा उन लोगों के लिए संदेश है, जो सरकार के खिलाफ बोलते हैं। प्रांजल, एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे के पति हैं। रोहिणी एनसीपी(एसपी) की महिला यूनिट की प्रदेश अध्यक्ष हैं।

फूड पॉइजनिंग से 64 छात्राएं अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुरनूल में एक सरकारी बालिका आवासीय स्कूल की 64 छात्राओं को फूड पॉइजनिंग के कारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि छात्राओं को उल्टी, दस्त और पेट दर्द के लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उनमें से 50 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अब इस मामले की जांच की जा रही है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी

-अपराधी ने कहा- 24 घंटे में गोली मार दूंगा

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौघरी को हत्या की धमकी दी गई है। अपराधियों ने उनके समर्थक के नंबर पर मैसेज भेजा। इसमें अपराधी ने डिप्टी सीएम को अगले 24 घंटे के अंदर गोली मारने की धमकी दी है। घटना के बाद सियासी गलियारे में हडकंप मच गया। फौरन पुलिस को इस मामले की जानकारी दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इधर, इस मामले में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जिसको जो करना है कर लें। मैं इस तरह की धमकी से डरने वाला नहीं हूं। बिहार की जनता के लिए काम करता हूं और करता रहूंगा। बिहार की जनता जानती है कि मैं राज्य के विकास में लगा हूं और लगा ही रहूंगा। बताया जा रहा है कि डिप्टी सीएम के समर्थक के व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इसमें लिखा है कि हेलो सर। 24 घंटे के अंदर सम्राट चौधरी को मैं अंदर गोली मार दूंगा। सच बोल रहा हूं। समर्थक ने इस बात की जानकारी फौरन डिप्टी सीएम और उनके सुरक्षाकर्मियों को दी। सुरक्षाकर्मी ने मोबाइल नंबर (6367263657) की जांच की तो पता चला कि उसका नाम ट्रूकॉलर में विक्रम यादव नाम आ रहा है। इधर, पटना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पटना पुलिस का कहना है कि पुलिस मोबाइल नंबर की डिटेल खंगाल रही है और धमकी देने वाले के लोकेशन का पता लगाने में जुटी है।

सीमा विवाद सुलझाने मलेशिया में शांति वार्ता करेंगे थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री और कंबोडिया के प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हन मैनेट सोमवार, 28 जुलाई 2025 को मलेशिया में अपनी सीमा विवाद को सुलझाने के लिए शांति वार्ता करेंगे। यह वार्ता मलेशिया के प्रधानमंत्री और आसियान अध्यक्ष अनवर इब्राहिम द्वारा आयोजित की जाएगी। थाई प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को इसकी पुष्टि की। इस वार्ता में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता की भूमिका भी शामिल है। यह कदम चार दिनों से चल रहे घातक सीमा विवाद को समाप्त करने के लिए उठाया गया है, जिसमें अब तक कम से कम 34 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,68,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

पीएम मोदी ने सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर स्मारक सिक्का जारी कर कहा-

चोल साम्राज्य ने भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाया

चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के अरियालुर जिले स्थित गंगैकोंडा चोलपुरम में चोल वंश के महान शासक सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर आयोजित ऐतिहासिक आदि तिरुवथिरई उत्सव के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने राजेंद्र चोल के सम्मान में एक स्मारक सिक्का जारी किया।

पीएम मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन रविवार को तमिलनाडु के अरियालुर जिले में गंगैकोंडा चोलपुरम पहुंचे थे। वे यहां चोल वंश के महान सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम के जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऐतिहासिक आदी तिरुवथिरई उत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भाल लेने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने हेलीपैड से बृहदीश्वर मंदिर तक रोड शो भी किया। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर उपस्थित लोगों ने झंडे लहराकर और नारे लगाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। गांव को फूलों, पारंपरिक बैनरों और चोल-युग के प्रतीकों से सजाया गया था। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, कि यह भूमि राजराजा की आस्था की भूमि है और इलैयाराजा ने हम सभी को शिव भक्ति में डुबो दिया। उन्होंने कहा कि मैं काशी से सांसद हूं। और जब मैं ऊं नमः शिवाय सुनता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इसी के साथ चोल वंश के संदर्भ में पीएम मोदी ने कहा कि इतिहासकारों का मानना है कि चोल साम्राज्य का दौर भारत के स्वर्णिम-काल में से एक रहा। भारतीय परंपरा को भी चोल साम्राज्य ने आगे बढ़ाया था। यह साम्राज्य सिर्फ भारत तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने समुद्र पार भी भारतीय संस्कृति और शक्ति को पहुंचाया। ऐसे राजा राजेंद्र चोल को मैं नमन करता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि मैंने आज इस ऐतिहासिक मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की है। मेरी यही कामना है कि सभी को भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त हो।

सम्राट राजेंद्र चोल की विरासत

गंगैकोंडा चोलपुरम का अर्थ है- गंगा को जीतने वाले चोल का शहर। इसे सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम ने गंगा के मैदानों तक अपनी विजयी सैन्य यात्रा के बाद स्थापित किया था। उन्होंने इसे राजधानी बनाया और बृहदीश्वर मंदिर व चोलगंगम झील का निर्माण कराया, जो उनकी शक्ति और दूरदर्शिता के प्रतीक हैं।

स्मारक सिक्के का महत्व

गंगैकोंडाचोलपुरम विकास परिषद ट्रस्ट के अध्यक्ष आर. कोमागन के अनुरोध पर यह सिक्का जारी किया गया। यह सिक्का, राजेंद्र चोल के शासनकाल, स्थापत्य उपलब्धियों,और दक्षिण-पूर्व एशिया तक उनके साम्राज्य के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मानित करता है।

आज बच्चों में विज्ञान और अंतरिक्ष को लेकर नई जिज्ञासा पैदा हुई

- पीएम मोदी ने मन की बात में इंस्पायर मानक योजना का किया जिक्र

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 124वें एपिसोड में अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की वापसी को गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों में विज्ञान, अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में, चाहे वह खेल हो, विज्ञान हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है जिस पर हर भारतीय को गर्व है। हाल ही में अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला धरती पर उतरे, लोग खुशी से उछल पड़े। पूरा देश गर्व से भर गया। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है जब अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग हुई थी, तो देश में एक नया माहौल था। बच्चों में भी विज्ञान और अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई थी। छोटे-छोटे बच्चे अब कहते हैं कि हम भी अंतरिक्ष में जाएंगे, चांद पर उतरेंगे और हम वैज्ञानिक बनेंगे। इंस्पायर मानक योजना का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इस अभियान का नाम तो सुना ही होगा। यह बच्चों में नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पांच बच्चे चुने जाते हैं। हर बच्चा एक नया विचार लेकर आता है। अब तक लाखों बच्चे इससे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान-3 के बाद इनकी संख्या दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि देश में अंतरिक्ष स्टार्टअप भी तेजी से बढ़ रहे हैं। पांच साल पहले, 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज सिर्फ अंतरिक्ष क्षेत्र में ही 200 से ज्यादा स्टार्टअप हैं। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि अगले महीने 23 अगस्त को नेशनल स्पेस-डे है। आप इसे कैसे मनाएंगे? क्या आपके पास कोई नया आइडिया है? अगर है तो मुझे नमो ऐप पर संदेश जरूर भेजें। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में विज्ञान नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले हमारे छात्रों ने इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में पदक जीते। देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्त प्रियदर्शी और उज्ज्वल केसरी ने देश का नाम रोशन किया। गणित की दुनिया में भी भारत ने अपनी छवि मजबूत की है। ऑस्ट्रेलिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में हमारे छात्रों ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीता है। उन्होंने कहा कि अगले महीने मुंबई में खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड होने वाला है। इसमें 60 से ज़्यादा देशों के छात्र भाग लेंगे। वैज्ञानिक भी होंगे। यह अब तक का सबसे बड़ा ओलंपियाड होगा। एक तरह से भारत अब ओलंपिक और ओलंपियाड दोनों के लिए आगे बढ़ रहा है।

मंशा देवी सीढी पैदल मार्ग पर करंट फैलने की अफवाह से मची भगदड, 06 की मौत

हरिद्वार (एजेंसी)। मंशा देवी सीढी पैदल मार्ग पर आज सुबह करंट फैलने की अफवाह के दौरान भगदड मच गयी। इस दौरान मंशा देवी मन्दिर दर्शानार्थ जा रहे श्रद्धालुओं की भीड बेकाबू हो गयी। और अपनी जान बचाने के जदोहद में श्र)ालु एक के ऊपर गिरते चले गये, जिनको उठने का मौका नहीं मिला। घटना से वहां पर चिख पुकार मच गयी। घटना से मंशा देवी परिसर में अफरा-तफरी मच गयी। सूचना पर मन्दिर परिसर समेत आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर दबे लोगों को बाहर निकाल कर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना पर प्रशासन में हड़कम्प मच गया। सूचना पर डीएम, एसएसपी, एसपी सिटी समेत तमाम आलाधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे। जिन्होंने घटना की जानकारी जुटाते हुए घायलों के उपचार के चिकित्सकों को निर्देश दिये। भगदड की घटना में 06 लोगों के मौत हो जाने और 28 लोगों के घायल होने की प्रशासन की ओर से पुष्टि की गयी है। जिनमें 05 घायलों की हालत गम्भीर देखते हुए उनको हॉयर सेंटर एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंशा देवी मन्दिर सीढी पैदल मार्ग पर आज सुबह करीब 9 बजे बिजली की तारों में स्पार्किंग होने से करंट फैलने की अफवाह से भगदड मच गयी। बताया जा रहा हैं कि उस वक्त सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड मां मंशा देवी मन्दिर जाने के लिए लाइन में लगे थे। करंट फैलने की अफवाह से अपनी जान बचाने के जद्दोजहद के चलते एक के ऊपर एक श्रद्धालु गिरते चले गये। जिनको उठने का मौका नहीं मिला। घटना से मौके पर चीख पुकार मच गयी। भगदड की सूचना पर मन्दिर परिसर में अफरा-तफरी मच गयी। मन्दिर परिसर में मौजूद और आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। जिन्होंने दबे हुए लोगों को बामुश्किल बाहर निकाल कर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कम्प मच गया। डीएम मयूर दीक्षित, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल समेत तमाम आलाधिकारी और आसपास के थानों की फोर्स जिला अस्पताल पहुंची। वहीं एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को भी घटना स्थल पर रवाना किया गया, जोकि रेस्क्यू में जुट गयी। प्रशासन की ओर से भगदड की घटना में 06 लोगों की मौत और 28 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। चिकित्सकों ने 5 गम्भीर घायलों को उपचार के लिए हॉयर सेंटर ऋषिकेश रेफर किया गया है। मृतकों में आरूष पुत्र पंकज ऊर्फ प्रवेश उम्र 12 वर्ष निवासी सौदा बरेली यूपी, शकल देव पुत्र बेचान उम्र 18 वर्ष निवासी अररिया बिहार, विक्की पुत्र रिक्का राम सैनी उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम विलासपुर रामपुर यूपी, विपिन सैनी पुत्र रघुवीर सिंह सैनी उम्र 18 वर्ष निवासी वसुवाखेरी काशीपुर उत्तराखण्ड, वकील पुत्र भरत सिंह निवासी मौहतलवाद बाराबंकी यूपी और श्रीमती शांति पत्नी राम भरोसे निवासी बदांयू यूपी शामिल है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्ट मे पश्चात उनके परिजनों के सुपूर्द कर दिया।

उत्तराखंड में भारी बारिश बनी आफत, रुद्रप्रयाग में बादल फटने से तबाही

- मौसम विभाग ने तीन जिलों को किया अलर्ट, मचने वाला है हाहाकार

देहरादून (एजेंसी)। (ईएमएस)। उत्तराखंड में इस बार की बारिश राहत के बजाय भारी आफत लेकर आई है। पर्वतीय जिलों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। विशेष रूप से रुद्रप्रयाग जिले के रुमसी गांव में शुक्रवार देर रात बादल फटने की गंभीर घटना ने प्रदेश के संवेदनशील मौसम की सच्चाई को एक बार फिर सामने ला दिया है। इस आपदा से बेडुबगड़ क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां मलबे ने कई आवासीय मकानों को अपनी चपेट में लिया और छह से अधिक वाहन मलबे में दब गए। तेज आवाज के साथ बादल फटने की घटना ने ग्रामीणों में भय और दहशत फैलाई। मौसम विभाग ने रविवार 27 जुलाई को नैनीताल, चंपावत और बागेश्वर जिलों के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसका मतलब है कि मौसम की स्थिति गंभीर हो सकती है और प्रशासन को सतर्क रहने की आवश्यकता है। वहीं, देहरादून, टिहरी, पौड़ी और पिथौरागढ़ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में भी तेज गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। देहरादून में आंशिक बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। तापमान 24 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में बारिश से भूस्खलन, सड़क बंद होना और जनजीवन प्रभावित होने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। प्रशासन ने सभी जिलों के आपदा प्रबंधन केंद्रों को अलर्ट पर रखा है और जनता से अपील की है कि वे बिना अत्यावश्यक काम के पहाड़ी इलाकों की यात्रा न करें। साथ ही, नदी-नालों के किनारे जाने से बचें और मौसम विभाग की ताजा सूचनाओं पर नजर बनाए रखें।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीतमपुरा और शालीमार बाग के पार्कों का किया निरीक्षण

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 27 जुलाई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को पीतमपुरा डिस्ट्रिक्ट पार्क और शालीमार बाग स्थित करनेल वाला बाग का निरीक्षण किया। इस दौरे का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और शहरी हरियाली को बढ़ावा देना है। इस निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने दोनों पार्कों में सौंदर्यीकरण और नागरिकों की सुविधाओं के विस्तार के अलावा सभी संबंधित विभागों को विकास कार्य शीघ्र और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने दोनों पार्क के निरीक्षण के दौरान जल निकाय (वॉटर-बॉडी) के पुनर्जीवन पर विशेष जोर दिया, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जा सके और प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ावा मिले। उन्होंने पार्क में लगे जिम उपकरणों की मरम्मत, विशेषकर दो यूनिटों को तुरंत दुरुस्त करने और म्यूजिकल फाउंटेन को दोबारा चालू करने के निर्देश भी दिए। पार्क की सुरक्षा और संरचनात्मक मजबूती के दृष्टिकोण से उन्होंने मुख्य द्वार के पुनर्निर्माण, बाउंड्री वॉल की मरम्मत, सुरक्षा ग्रिल और लाइटिंग के नवीनीकरण के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही परिसर की स्वच्छता और आगंतुकों की सुविधा के लिए पार्कों में अनावश्यक अतिक्रमण हटाने, वाशरूम की मरम्मत और नियमित देखभाल, पेयजल की व्यवस्था, शॉपिंग स्टॉल्स के पुनर्विकास और पर्याप्त संख्या में बेंच और टेबल लगाने जैसे सुधारात्मक कार्य के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पार्क में योगा प्लेटफॉर्म की मरम्मत, सुरक्षा के लिए सघन पुलिस गश्त और पार्क की लाइटिंग प्रणाली का सुदृढ़ीकरण जल्द से जल्द सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही, साइनबोर्ड और दिशासूचक संकेतों की व्यवस्था करके आगंतुकों को सुगमता से मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री ने %दिल्ली को कूड़े से आज़ादी% महाअभियान को जन-जागरूकता के साथ जोड़ते हुए इस अभियान को पार्कों में प्रभावशाली रूप से लागू करने की बात कही। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्क की दीवारों पर संदेशात्मक चित्रांकन किया जाए, जिससे स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों में संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़े। मुख्यमंत्री ने इस अभियान को केवल सफाई का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जनांदोलन बताया, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक जनमानस में स्वच्छता एक आदत न बन जाए, तब तक दिल्ली को पूर्णतः स्वच्छ राजधानी नहीं बनाया जा सकता।

शेष पृष्ठ 3 पर

मौजूदा दौर में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते : राजनाथ सिंह

- रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन %सिंदूर% की सफलता के पीछे विभिन्न एजेंसियों की भूमिका को सराहा

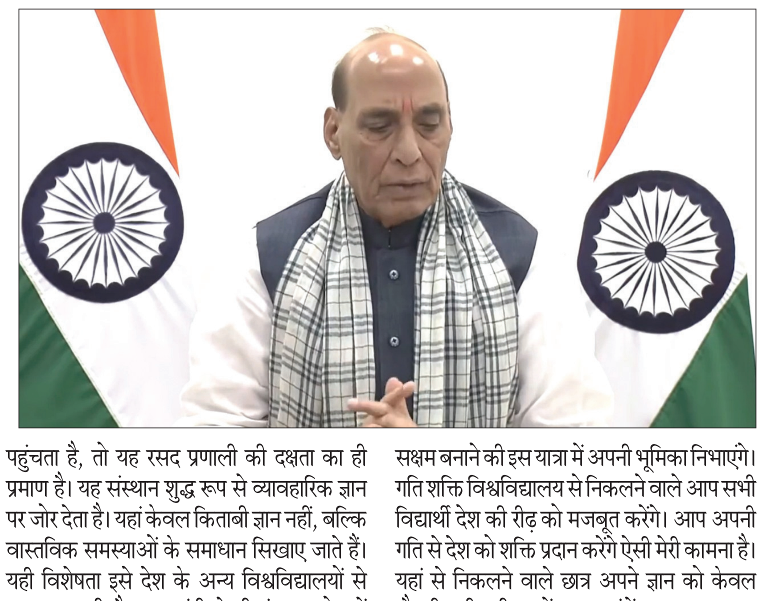

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि मौजूदा दौर में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते, बल्कि विभिन्न रणनीतियों से जीते जाते हैं। ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता के पीछे विभिन्न एजेंसियों की भूमिका के बारे में उन्होंने कहा कि इस दौरान रसद प्रबंधन करके हमारी सेनाओं को जुटाने से लेकर उनके प्रशिक्षण के साजो-सामान को समय और स्थान पर सलाह दी गई। रसद प्रबंधन को केवल सामान पहुंचाने की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि इसे एक रणनीतिक महत्व के रूप में देखा जाना चाहिए। चाहे हम सीमा पर लड़ रहे सैनिकों की बात करें या आपदा प्रबंधन में जुटे कर्मियों की, अगर आपसी तालमेल नहीं होगा, अगर संसाधन का सही इस्तेमाल नहीं होगा, तो मजबूत से मजबूत इरादे भी कमजोर पड़ जाएंगे।

रक्षा मंत्री वडोदरा (गुजरात) में गति शक्ति विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में अभूतपूर्व बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है। इस बदलाव की बुनियाद में एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण के साथ महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार और मिशन-मोड परियोजनाएं चल रही हैं। इसका प्रभाव केवल भौतिक कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक उत्पादकता में वृद्धि हुई है, लॉजिस्टिक लागत में कमी आई है और सेवा वितरण भी बेहतर हुआ है। पिछले 11 वर्षों में भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्र में एक युगांतकारी परिवर्तन देखा है। पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विकास के सात शक्तिशाली स्तंभ समूह भारत की अर्थव्यवस्था को एक मजबूत नींव दे रहे हैं।

उन्होंने यह गति शक्ति विश्वविद्यालय के बारे में कहा कि यह सिर्फ एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि यह अपने आप में एक विचार है, एक गति है, एक मिशन है। यह भारत को तेज, संगठित और समन्वित रूप से आगे बढ़ाने की राष्ट्रीय आकांक्षा को मूर्त रूप दे रहा है। यह विश्वविद्यालय अपने नाम की तरह ही 'गति' और 'शक्ति' दोनों का सजीव उदाहरण है। आज देश में यदि कोई उत्पाद उत्तर पूर्व में तैयार होता है और वह समय पर दिल्ली या मुंबई के बाजार तक पहुंचता है, तो यह रसद प्रणाली की दक्षता का ही प्रमाण है। यह संस्थान शुद्ध रूप से व्यावहारिक ज्ञान पर जोर देता है। यहां केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान सिखाए जाते हैं। यही विशेषता इसे देश के अन्य विश्वविद्यालयों से अलग बनाती है। रक्षा मंत्री ने दीक्षांत समारोह में शामिल छात्रों से कहा कि यह केवल आपके डिग्री लेने का क्षण नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प लेने का भी क्षण है कि आप देश को अधिक सुरक्षित और अधिक सक्षम बनाने की इस यात्रा में अपनी भूमिका निभाएंगे। गति शक्ति विश्वविद्यालय से निकलने वाले आप सभी विद्यार्थी देश की रीढ़ को मजबूत करेंगे। आप अपनी गति से देश को शक्ति प्रदान करेंगे ऐसी मेरी कामना है। यहां से निकलने वाले छात्र अपने ज्ञान को केवल नौकरी की सीमा में मत बांधें। आप समस्या समाधानकर्ता बनिए। भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना है, उसके लिए हमें स्मार्ट लॉजिस्टिक सिस्टम की भी जरूरत है।

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का संदेश दुनिया को दिया है: शाह

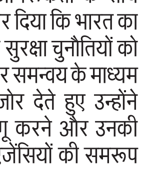

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत ने पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का स्पष्ट संदेश दिया है। आज के परिवेश में भारत में भारत अब नई और उभरती प्रौद्योगिकियों, स्टार्ट-अप्स, हरित ऊर्जा और नवाचारों में विश्व में अग्रणी है। भारत सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके साथ ही देश के सामने चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। हमें और अधिक सतर्क रहना होगा और समस्याओं का समाधान अधिक जागरूकता के साथ करना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का बढ़ता कद आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ाएगा। इन चुनौतियों से बेहतर समन्वय के माध्यम से निपटने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने रणनीति विकसित करने, उन्हें लागू करने और उनकी निगरानी के लिए केंद्र और राज्य एजेंसियों की समरूप टीमों के गठन का निर्देश दिया।

अमेरिकी ने फिर पढ़े पाक की तारीफ में कसीदे, इशाक डार से मिले रुबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से स्टेट डिपार्टमेंट में मुलाकात की। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर चर्चा की। रुबियो ने आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान की भूमिका और क्षेत्रीय शांति में उसके योगदान की सराहना की, जिसे कूटनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बैठक के दौरान, रुबियो ने पाकिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों और आर्थिक संभावनाओं पर विशेष जोर दिया। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका पाकिस्तान के खनिज भंडारों और ऊर्जा संसाधनों में निवेश की संभावनाओं पर नजर रखे हुए है। रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना समय की मांग है, और पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति इसे क्षेत्रीय व्यापार का केंद्र बनाती है।

रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज मैंने पाकिस्तानी उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से मुलाकात की और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने तथा महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। मैंने आतंकवाद का मुकाबला करने और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में पाकिस्तान की साझेदारी के लिए उनका धन्यवाद किया। इस मुलाकात में दोनों पक्षों ने आगामी

अमेरिका-पाकिस्तान आतंकवाद विरोधी संवाद पर भी चर्चा की जो अगस्त में इस्लामाबाद में आयोजित होने वाला है। इस संवाद का उद्देश्य आईएसआईएस-के जैसे आतंकी समूहों के खिलाफ सहयोग को और गहरा करना है।

पाक के प्राकृतिक खजाने : पाकिस्तान के प्राकृतिक खजाने देश की आर्थिक और रणनीतिक क्षमता का आधार हैं। हिमालय, काराकोरम और हिंदू कुश पर्वत श्रृंखलाओं से लेकर थार मरुस्थल और अरब सागर के तट तक, पाकिस्तान प्राकृतिक संसाधनों की विविधता से समृद्ध है। यहां कोयला, प्राकृतिक गैस, तांबा, सोना, लौह अयस्क और बेशकीमती रत्नों जैसे खनिजों के विशाल भंडार मौजूद हैं, जिनमें बलूचिस्तान का रेको दिक तांबा-सोना खनन क्षेत्र विश्व स्तर पर चर्चित है। इसके अलावा, सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियां जलविद्युत उत्पादन और कृषि के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन संसाधनों का दोहन, यदि प्रभावी ढंग से किया जाए, तो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है, जिसने हाल के वर्षों में वैश्विक निवेशकों, विशेष रूप से अमेरिका और चीन जैसे देशों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका अब इसी को भुनाना चाहता है।

पाकिस्तान की भूमिका और क्षेत्रीय स्थिरता पर बात : रुबियो ने पाकिस्तान की उस भूमिका की भी प्रशंसा की, जिसमें उसने ईरान के साथ मध्यस्थता में रचनात्मक योगदान दिया और क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दिखाई। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बताया कि रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच आपसी लाभकारी व्यापार को बढ़ाने और महत्वपूर्ण खनिज और खनन क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने की आवश्यकता है। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनावों को कम करने में अमेरिका की भूमिका पर भी चर्चा की। इशाक डार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में भारत-पाकिस्तान तनाव को कम करने में की गई मध्यस्थता की सराहना की। डार ने कहा, हम अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा क्षेत्रों में और गहरा करना चाहते हैं। पाकिस्तान क्षेत्र और विश्व में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए, एक विश्वसनीय साझेदार बना रहेगा। यह मुलाकात उस समय हुई है, जब हाल ही में अमेरिका ने द रेसिस्टेंस फ्रंटको एक विदेशी आतंकवादी संगठनऔर विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी के रूप में घोषित किया। टीआरएफ को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा माना जाता है, जिसने अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। हालांकि, इशाक डार ने ञ्ञ्रक्र को लश्कर-ए-तैयबा से जोड़ने पर असहमति जताई और कहा कि लश्कर-ए-तैयबा को कई साल पहले खत्म कर दिया गया था और इसके सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि ञ्ञ्रक्र का इससे कोई संबंध नहीं है।

गिस्लेन ने 100 लोगों से जुड़े सवालों के दिए जवाब, 20 साल की सजा काट रही है एपस्टीन की पूर्व साथी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इन दिनों जेफ्री एपस्टीन की मौत का मामला लगातार से चर्चा में है। इसी बीच जेफ्री एपस्टीन की पूर्व प्रेमिका और अब जेल में बंद गिस्लेन मैक्सवेल ने अमेरिकी न्याय विभाग के अधिकारियों के साथ लगभग डेढ़ दिन तक चली पूछताछ में करीब 100 लोगों से जुड़े सवालों के जवाब दिए। उनके वकील डेविड ऑस्कर मार्कस ने बताया कि मैक्सवेल ने पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से जवाब दिए, किसी भी सवाल से बचने की कोशिश नहीं की और किसी कानूनी विशेषाधिकार का हवाला नहीं दिया।

बता दें कि मैक्सवेल इस समय 20 साल की सजा काट रही हैं और फ्लोरिडा की एक लो-सेक्योरिटी जेल में बंद हैं। उन्हें तीन साल पहले इस आरोप में सजा हुई थी कि उन्होंने करोड़पति जेफ्री एपस्टीन की नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण में मदद की थी। मामले में शुक्रवार को जब उनसे गिस्लेन मैक्सवेल को माफी (पार्डन) देने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कोई सीधा जवाब नहीं दिया। मैक्सवेल के वकील ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप से किसी प्रकार की सौदेबाजी नहीं की, लेकिन उम्मीद जताई कि ट्रंप सही और न्यायसंगत फैसला लेंगे। इस बीच, न्याय विभाग ने स्पष्ट किया है कि कोई एपस्टीन क्लाइंट लिस्ट मौजूद नहीं है, और फिलहाल इससे जुड़ी कोई और जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी। गिस्लेन मैक्सवेल ने अपने दोषसिद्धि के खिलाफ अपील भी दायर की है, जिसमें दावा किया गया है कि सरकार ने पहले ही यह वादा किया था कि एपस्टीन के किसी भी सहयोगी पर दोबारा केस नहीं चलेगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सेना ने आईएस के बड़े आतंकी अल-हरदान को मार गिराया

वाशिंगटन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी सीरिया में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेना ने इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह के एक बड़े नेता को मार गिराया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से जारी बयान में कहा कि उसने सीरिया के अलेप्पो प्रांत के अल-बाब शहर में शुक्रवार तड़के आईएस नेता धिया जौबा मुस्लीह अल-हरदान और उसके दो वयस्क बेटों को मार गिराया, जो इस समूह से जुड़े थे। बयान के अनुसार घटनास्थल पर मौजूद तीन महिलाओं और तीन बच्चों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। मारे गए लोग अमेरिकी और गठबंधन सेनाओं के साथ-साथ नई सीरियाई सरकार के लिए भी खतरा पैदा कर रहे थे। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि यह अभियान हवाई बलों के जरिये किया गया, जो इस साल आईएस के खिलाफ अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा किया गया।

मधेश प्रदेश में जल संकट, आपदा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने मधेश प्रदेश को जल संकट के कारण तीन महीनों के लिए आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित किया है। पीएम केपी शर्मा ओली ने शुक्रवार को हेलिकॉप्टर से बारा और महोत्तरी जिलों के सूखा प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मंत्री शरद सिंह भंडारी भी शामिल थे। ओली ने संकट दूर करना प्राथमिकता बताया।

यूरोप जा रही नाव लीबिया तट पर पलटी 15 लोगों की मौत

त्रिपोली , एजेंसी। लीबिया के तट के पास शुक्रवार तड़के 2 बजे एक प्रवासी नाव पलट गई। इसमें सवार मिस्र के 15 लोगों की मौत हो गई। नाव यूरोप जा रही थी। चालक दल के सदस्य दो सूडानी चालक दल के सदस्यों को बचाने में सफल रहे, लेकिन तीसरा लापता है। नाव पलटने का कारण नहीं पता चला है।

बाजार से लौट रहे 14 लोगों की बंदूकधारियों ने की हत्या

अबुजा, एजेंसी। मध्य नाइजीरिया के बोक्कोस क्षेत्र में साप्ताहिक बाजार से लौट रहे वाहन पर घात लगाकर सशस्त्र हमलावरों ने हमला कर दिया, जिसमें महिलाओं और शिशुओं सहित 14 लोगों की मौत हो गई। हमला बृहस्पतिवार दोपहर उस समय हुआ, जब हिंसाग्रस्त पठारी राज्य के लोकप्रिय बोक्कोस बाजार से लोग गाड़ी से लौट रहे थे। बोक्कोस सांस्कृतिक विकास मंच के अध्यक्ष फार्मासुम फुडांग ने कहा कि हमलावरों ने वाहन को रोका और फिर गोलीबारी शुरू कर दी। बता दें कि नाइजीरिया में हथियारबंद हमलावरों के द्वारा आम नागरिकों की हत्या के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं।

स्टारलिंक नेटवर्क बाधित वैश्विक सेवाएं प्रभावित, 140 देशों के उपयोगकर्ता परेशान

वाशिंगटन, एजेंसी। अरबपति कारोबारी एलन मस्क की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलिंक के सर्वर को सबसे बड़े व्यवधान का सामना करना पड़ा। इसकी एक आंतरिक सॉफ्टवेयर नाकामी ने हजारों उपयोगकर्ताओं (यूजर्स) को ऑफलाइन कर दिया। यह मस्क के शक्तिशाली उपग्रह इंटरनेट प्रणाली के लिए एक दुर्लभ रुकावट रही। इसकी वजह से 140 देशों में इंटरनेट सेवा बाधित हो गई। क्राउडसोर्स्ड आउटेज ट्रैकर डाउनडिटेक्टर के अनुसार, अमेरिका-यूरोप रुकावट का अनुभव करने लगे। उस वक्त साइट पर 61,000 लोगों को शिकायत आई, जो धीरे-धीरे बढ़ती गई। स्टारलिंक के 140 देशों और क्षेत्रों में करीब 60 लाख से ज्यादा यूजर्स हैं। इसके इंजीनियरिंग उपाध्यक्ष माइकल निकोल्स ने कहा, सेवा करीब 2.5 घंटे बाद फिर शुरू हुई। उन्होंने बाधा के लिए माफी मांगी।

इजरायल ने सैनिकों के लिए इस्लाम और अरबी सीखना जरूरी कर दिया

तेलअवीव, एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्स ने खुफिया विभाग के सैनिकों और अधिकारियों के लिए अरबी भाषा व इस्लामी स्टडी की ट्रेनिंग जरूरी कर दी है। रिपोर्ट में बताया गया कि 7 अक्टूबर, 2023 को हुई खुफिया विफलता को देखते हुए यह फैसला लिया गया। माना जा रहा है कि इस पहल से खुफिया अफसरों की जांच का दायरा और बढ़ेगा। अगले साल के अंत तक ,ऋ (इजरायल के सैन्य खुफिया निदेशालय का हिब्रू में नाम) के सभी कर्मियों से इस्लामी अध्ययन कराया जाएगा। साथ ही, 50 प्रतिशत कर्मियों को अरबी भाषा सिखाई जाएगी। यह आदेश अमन के प्रमुख मेजर जनरल श्लोमी बाइंडर ने जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ के इस कार्यक्रम में हूती और इराकी बोलियों पर भी ध्यान दिया जाएगा। खुफिया कर्मियों को फिलहाल हूती में बातों को समझने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में बताया गया कि यमन और अन्य अरब क्षेत्रों के ज्यादातर लोगों को कात (हल्का नशीला पौधा) चबाने की आदत है। इससे साफ बोलने में दिक्कत आने लगती है। सीनियर अधिकारी ने आर्मी रेडियो को बताया, अब तक हम संस्कृति, भाषा और इस्लाम के क्षेत्रों में सक्षम नहीं रहे हैं।

सीमा पर गोलाबारी जारी, मौत का आंकड़ा 32 तक पहुंचा यूएनने भी जताई चिंता

बैंगकॉक , एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर जारी तनावपूर्ण हालात अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच गए हैं। कंबोडिया के अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी दी कि सीमा पर संघर्ष के चलते 12 नई मौतें हुई हैं। इस तरह अब तक दोनों देशों में कुल 32 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में सैनिकों के साथ-साथ आम नागरिक भी शामिल हैं। संघर्ष के चलते दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। थाईलैंड के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 58,000 से ज्यादा लोग प्रभावित जिलों से निकाले गए हैं। वहीं, कंबोडिया के अधिकारियों का कहना है कि करीब 23,000 लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बंद कमरे में आपात बैठक बुलाई और दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। कंबोडिया के संयुक्त राष्ट्र राजदूत ने संघर्ष को लेकर यूएन से तत्काल संघर्षविराम की अपील की और कहा कि उनकी ओर से आक्रामकता नहीं की गई। उधर, आसियान की अध्यक्षता कर रहे मलेशिया ने भी इस तनाव को खत्म करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने बताया कि दोनों देशों ने संघर्षविराम की सैद्धांतिक सहमति दे दी है।

हवा में टला बड़ा विमान हादसा-टेकऑफ के तुरंत बाद जमीन पर गिरने लगी साउथवेस्ट की फ्लाइट, दो क्रू मेंबर घायल

लास वेगास, एजेंसी। अमेरिका में शुक्रवार को एक बड़ा हवाई हादसा टल गया, जब साउथवेस्ट एयरलाइंस की एक फ्लाइट टेकऑफ के कुछ ही मिनट बाद अचानक हवा में नीचे गिरने लगी। फ्लाइट नंबर 1496 कैलिफोर्निया के हॉलीवुड बरबैंक एयरपोर्ट से लास वेगास जा रही थी। इस घटना में दो फ्लाइट अटेंडेंट घायल हो गए हैं और उन्हें इलाज के लिए भेजा गया है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के अनुसार, विमान को हवा में एक अन्य विमान के नजदीक आने की चेतावनी मिली थी। एफएए ने बताया कि विमान को टक्कर से बचाने के लिए पायलट को पहले विमान को ऊंचाई पर ले जाना पड़ा और फिर अचानक नीचे लाना पड़ा ताकि टक्कर टाली जा सके। एयरलाइन ने बताया कि क्रू को दो बार अलर्ट मिला और उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए ऊंचाई में बदलाव किया। इस दौरान प्लेन में तेज झटका लगा और फ्लाइट अटेंडेंट चोटिल हो गए। विमान में सवाल कॉमेडियन जिमी डोर ने साझा किया अनुभव इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की तरह-तरह की प्रतिकियाएं सामने आने लगी। इसी में एक फ्लाइट में सवार कॉमेडियन जिमी डोर ने अपना डरावना अनुभव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। उन्होंने बताया कि टेकऑफ के कुछ ही देर बाद विमान को टक्कर

से बचाने के लिए पायलट को अचानक नीचे की ओर तेजी से लाना पड़ा। उन्होंने कहा कि पायलट ने हमें सूचना दी कि विमान की टक्कर होने की चेतावनी दी गई है और सामने से आ रहे एक विमान से बचने के लिए ऐसा करना जरूरी था। लोगों ने साझा किया डरावना अनुभव डोर ने बताया कि विमान की नीचे आने की गति इतनी तेज थी कि वे खुद और कई यात्री सीटों से उछलकर छत से टकरा गए। एक फ्लाइट अटेंडेंट को चोट लगी और उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता की ज़रूरत पड़ी। वहीं कुछ यात्रियों ने यह भी बताया कि प्लेन में सवार सभी लोग डर के मारे सहम गए थे। हालांकि डरावने अनुभव के बाद फ्लाइट ने लास वेगास में सुरक्षित लैंडिंग की। एयरलाइन ने बयान जारी कर कहा कि वह एफएए के साथ मिलकर मामले की पूरी जांच कर रही है। क्या है अब तक की जानकारी? जानकारी के अनुसार हादसा टेकऑफ के कुछ मिनट बाद हुआ। पायलट ने टक्कर से बचने के लिए तुरंत रिएक्शन दिया। घटना में दो फ्लाइट अटेंडेंट घायल हुए। फ्लाइट बाद में लास वेगास में सुरक्षित उतरी। हालांकि मामले में एफएए ने जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में हवाई सुरक्षा को लेकर पहले से ही चिंता जताई जा रही है।

किसी तीसरे की जरूरत नहीं, युद्ध के बीच थाइलैंड ने अमेरिका-चीन को दे दिया टका सा जवाब

बैंकॉक , एजेंसी। थाइलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद को लेकर दो दिनों से चल रही जंग उग्र और भीषण हो गई है। अब तक 14 लोगों की जान जा चुकी है और मृतकों में ज्यादातर आम नागरिक हैं। दोनों देशों के सैनिकों ने सीमा पर एक दूसरे के खिलाफ गोलीबारी की। दोनों ने छोटे हथियारों से फायरिंग करते हुए तोप से गोले दागे और रॉकेट हमले किए। जंग बढ़ती देख अमेरिका, चीन और मलेशिया ने मध्यस्थता के लिए ऑफर दिया था, जिसे थाइलैंड जैसे छोटे से देश ने चीन और अमेरिका को टका सा जवाब दे दिया। थाइलैंड ने साफ कर दिया कि उसे किसी तीसरे की जरूरत नहीं है। हालांकि, बाद में मलेशिया का ऑफर स्वीकार कर लिया है। थाइलैंड के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने कंबोडिया के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए अन्य देशों की मध्यस्थता के प्रयासों को अस्वीकार कर दिया है और इस बात पर जोर दिया है कि नोम पेन्ह हमले बंद करे और स्थिति का समाधान केवल द्विपक्षीय वार्ता के जरिए ही हो। थाइलैंड के विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता निकोर्नडेज बालनकुरा ने रॉयटर्स को बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और मलेशिया (जो आसियान क्षेत्रीय ब्लॉक का वर्तमान अध्यक्ष है) ने बातचीत को सुविधाजनक बनाने की पेशकश की है, लेकिन बैंकॉक संघर्ष का द्विपक्षीय समाधान चाहता है। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निकोर्नडेज बालनकुरा ने रॉयटर्स को बताया, मुझे नहीं लगता कि हमें अभी किसी तीसरे देश की मध्यस्थता की जरूरत है। निकोर्नडेज ने कहा, हम अपने इस रुख पर कायम हैं कि द्विपक्षीय व्यवस्था ही सबसे अच्छा समाधान है, यह दोनों देशों के बीच टकराव है। उन्होंने आगे कहा कि कंबोडियाई पक्ष को पहले सीमा पर हिंसा रोकनी चाहिए। हमारे दरवाजे अभी भी खुले हैं। हालांकि, पहले ऑफर को ठुकराने के बाद थाइलैंड सरकार युद्धविराम का समर्थन करने के मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार हो गई है। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, कोई भी युद्धविराम उचित जमीनी परिस्थितियों पर आधारित होना चाहिए। थाईलैंड नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और इस समय, कंबोडिया की कार्रवाइयां सद्भावना की कमी को दर्शाती हैं और नागरिकों को खतरे में डाल रही हैं। शाही थाइ सरकार का दायित्व है कि वह अपनी संप्रभुता और अपने लोगों की पूरी तरह से रक्षा करे। वहीं, थाईलैंड के अधिकारियों ने कंबोडिया की सीमा से लगे आठ जिलों में मार्शल लॉ लागू कर दिया क्योंकि झड़पें दूसरे दिन भी जारी रहीं।

बातों से नहीं मानने वाले, हमास पर भड़क उठे डोनाल्ड ट्रंप, इजरायल को दी खुली छूट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आतंकी संगठन हमास को लेकर कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। ट्रंप ने इजरायल को खुली छूट देते हुए साफ कह दिया है कि वह गाजा में अपने सैन्य अभियान को तेज कर दे। असल में हमास ने अमेरिका समर्थित शांति वार्ता के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। इसके बाद ही डोनाल्ड ट्रंप भड़क उठे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यहां तक कह डाला कि यह आतंकी संगठन शांति का इच्छुक नहीं है। स्कॉटलैंड से निकलने से पहले ट्रंप ने कहाकि हमास को किसी भी बातचीत में रुचि नहीं है। मुझे लगता है कि वह मरना ही चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में बहुत ज्यादा बुरा है।

अमेरिकी प्रयासों को झटका : अमेरिकी गाजा पट्टी में शांति स्थापित करने के लिए प्रयासरत था। इसके लिए स्टीव विटकॉफ के नेतृत्व में मिडिल ईस्ट में शांति वार्ता के लिए एक दल भी भेजा गया था। लेकिन अब स्टीव विटकॉफ ने कह दिया है कि अमेरिका इस बातचीत से पीछे हट रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अब किसी अन्य विकल्प के बारे में विचार करना चाहिए। इसके बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति की यह चेतावनी आई है। बता दें कि ट्रंप ने हमास के चंगुल में फंसे अंतिम अमेरिकी-इजरायली नागरिक एडन एलेक्जेंडर की रिहाई में अहम भूमिका निभाई थी। ट्रंप ने कहा कि बातचीत की अंतिम स्टेज पर हमास का

इस तरह इनकार करना दिखाता है कि वह हिंसा करने पर उतारू है। गाजा में हालात काफी ज्यादा खराब हैं। वहां पर बच्चे भूख से बेहाल हैं। इन सबके बीच ट्रंप ने संकेत दिया है कि अब डिप्लोमेसी से बात नहीं बनने वाली है। ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि लड़ें। इजरायली सैन्य अभियान में अमेरिका पूरी तरह से उसके साथ है। उन्होंने कहा कि अब हमास की खैर नहीं। इस बीच इजरायली प्रधानमंत्री ने भी अपनी बात कही है। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में नेतन्याहू ने विटकॉफ की बात दोहराते हुए कहा कि हमास बंधक रिहाई समझौते में बाधा है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि हम अपने अमेरिकी सहयोगियों के साथ मिलकर अब अपने बंधकों को घर वापस लाने, हमास के आतंकवादी शासन को समाप्त करने तथा इजरायल और हमारे क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के वैकल्पिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

ट्रंप और फेड प्रमुख पॉवेल के बीच कैमरे पर बहस, क्या कदम उठाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति?

वाशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन डीसी में फेड की निर्माणाधीन इमारत के दौरे के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के बीच तीखी बहस का वीडियो सामने आया है। ये बहस फेड की बिल्डिंग के नवीनीकरण खर्चों को लेकर हुई, जो कैमरे पर लाइव रिकॉर्ड हुई। वीडियो में देखा गया कि ट्रंप ने अधिक खर्च का दावा किया, तो पॉवेल ने कहा कि ट्रंप ने एक पुरानी इमारत को भी जोड़ा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फेडरल रिजर्व (अमेरिका के केंद्रीय बैंक) के प्रमुख जेरोम पॉवेल के बीच बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार सामने आ रहा है। यह बहस फेड की बिल्डिंग के नवीनीकरण खर्चों को लेकर हुई, जो कैमरे पर लाइव रिकॉर्ड हुई। यह पूरी घटना गुरुवार को उस समय हुई जब ट्रंप और पॉवेल वॉशिंगटन डीसी में फेड की निर्माणाधीन इमारत का दौरा कर रहे थे। वीडियो में देखा जा सकता है कि इमारत के दौरे के दरमियान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जेरोम पॉवेल दोनों ने सफेद हेलमेट और सूट पहन रखे थे। बता दें कि यह पहली बार है जब बीते दो दशकों में कोई मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति फेडरल रिजर्व के मुख्यालय पहुंचा।

रेनोवेशन की बजट को लेकर हुई तीखी बहस : इस दौरान ट्रंप ने कहा कि फेड की इमारत का रेनोवेशन बजट से काफी ज्यादा लगभग 3.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इस पर पॉवेल ने आपत्ति जताते हुए

कहा कि ट्रंप ने एक तीसरी इमारत को भी जोड़ लिया है, जो 5 साल पहले ही बन चुकी है। इसके बाद ट्रंप ने जेब से एक कागज निकालकर दावा किया कि यह जानकारी फेड से ही मिली है। फेड का कहना है कि असली खर्च 2.5 अरब डॉलर है। पॉवेल ने कागज पढ़ा और कहा कि ट्रंप ने इसमें एक तीसरी बिल्डिंग भी जोड़ दी है जो पांच साल पहले ही बन चुकी है। ट्रंप ने जवाब में कहा कि वो बिल्डिंग बन रही है, जिस पर पॉवेल ने कहा कि नहीं, वो पांच साल पहले बन चुकी है ये नई नहीं है। इसके बाद ट्रंप ने दौरा खत्म करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि फेड का निर्माण जल्दी पूरा हो और फेड ब्याज दरों में तेजी से कटौती करे।

ट्रंप ने जल्दी काम पूरा करने की बात पर दिया जोर : दौरे के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए निर्माणाधीन इमारत का काम जल्दी पूरा करने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसे पूरा करो और उससे भी जरूरी है कि ब्याज दरों को नीचे लाया जाए। गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से ट्रंप फेड प्रमुख पॉवेल की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने पॉवेल को हठी, ट्रंप विरोधी, और नासमझ जैसे शब्दों से भी निशाना बनाया है। इतना ही नहीं ट्रंप कई बार उन्हें हटाने की बात भी कह चुके हैं। क्या ट्रम्प पॉवेल को हटा सकते हैं? वहीं मामले में विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ट्रम्प फेड के वर्तमान अध्यक्ष पॉवेल को हटाने का अभूतपूर्व कदम उठाते हैं , तो उन्हें कानूनसम्मत तरीके से निष्कासन का कारण बताना होगा और अपने आरोपों को साबित करने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे।

प्रो. उमा कांजीलाल बनी इग्नू की पहली महिला कुलपति: डॉ. धर्म पाल

यमुनानगर। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना के तहत प्रो उमा कांजीलाल को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का कुलपति नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए है। प्रो. कांजीलाल, जो विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलपति के रूप में कार्यरत थी, उनका एक शानदार पेशेवर अनुभव रहा है। उन्होंने 1984 में आईआईटी कानपुर में एक शोध सहायक के रूप में अपना करियर शुरू किया और आईजीएनसीए में कैटलॉगर और व्यावसायिक सहायक सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया। इसके अलावा, इग्नू में लेक्चरर से लेकर प्रोफेसर तक के शैक्षणिक पदों पर पहुंची, जहां वे 2003 से कार्यरत हैं। प्रोफेसर कांजीलाल ने इग्नू की पहली महिला कुलपति बनकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने ई-ज्ञानकोष, साक्षात पोर्टल और एनएमईआईसीटी के अंतर्गत पुस्तकालय स्वचालन जैसी राष्ट्रीय परियोजनाओं के साथ-साथ भारतीय राष्ट्रीय आभासी पुस्तकालय परियोजना का भी समन्वय किया है। उन्होंने सीईएमसीए, यूएनआरडब्ल्यूए जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के लिए सलाहकार और कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग के लिए मॉड्यूल डेवलपर के रूप में कार्य किया है। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में ई-लर्निंग, मल्टीमीडिया कोर्सवेयर विकास, डिजिटल पुस्तकालय और पुस्तकालय विज्ञान में आईसीटी अनुप्रयोग शामिल हैं। डॉ. धर्म पाल ने बताया कि प्रो. उमा कांजीलाल एक दूरदर्शी शिक्षाविद और एक कुशल नेतृत्वकर्ता होने के नाते, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा, डिजिटल शिक्षा और शैक्षणिक प्रशासन में दशकों का अनुभव रखती हैं। उनकी नियुक्ति समावेशी और प्रगतिशील शिक्षा की दिशा में विश्वविद्यालय की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल की पूरी टीम प्रो. कांजीलाल को बधाई देती है और शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाने तथा देश भर में, हरियाणा में और उससे आगे के शिक्षार्थियों तक पहुंचने के विश्वविद्यालय के मिशन को और मजबूत करने में उनके गतिशील नेतृत्व की हम आशा करते है।

जनता की समस्या का समाधान तय समय में होना चाहिए: जूडिशियल कॉउन्सिल

कौमी पत्रिका
विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। जूडिशियल कॉउन्सिल ने उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में मनोज कुमार दीक्षित को लोक शिकायत समिति का माननीय सदस्य नियुक्त किया । जो जिले भर में मानवाधिकारों की रक्षा और प्रोत्साहन करने के लिए जूडिशियल कॉउन्सिल के प्रयासों का नेतृत्व करेगी। मनोज कुमार दीक्षित जो पेशे से वकील हैं और लगभग 21 साल का अनुभव रखते हैं अपनी नई भूमिका में, दीक्षित लोक शिकायत से संबंधित मुद्दों को सुलझानें के लिए , जनता कि मदद के लिए जिम्मेदार होंगे , जैसे भ्रष्टाचार, अनधिकृत निर्माण, सभी लोक शिकायत गतिविधियों की देखरेख, भ्रष्टाचार को रोकना, उच्च स्तर के गबन की जांच का अनुसरण करना और बड़े पैमाने पर लोक शिकायतों का समाधान करना । मनोज कुमार दीक्षित ने कहा, मैं जूडिशियल कॉउन्सिल का आभारी हूँ। मैं जूडिशियल कॉउन्सिल के अध्यक्ष श्री राजीव अग्निहोत्री और प्रतिष्ठित सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया है और मैं निश्चित रूप से उम्मीदों पर खरा उतरूंगा। लोक शिकायत समिति को भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच करने, शिकायतें दर्ज करने, मानवाधिकारों के उल्लंघन का बचाव करने, जन जागरूकता अभियान चलाने और राज्य सरकार को नीतिगत परिवर्तनों की

सिफारिश करने का जो काम सौंपा गया है उसे पूरी निष्ठा से निर्वाहन करूंगा । जूडिशियल कॉउन्सिल के अध्यक्ष राजीव अग्निहोत्री ने कहा, हमें विश्वास है कि श्री दीक्षित का कानूनी अनुभव सार्वजनिक शिकायतों का निपटारा करने और हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करने, बड़े पैमाने पर जनता की सेवा करने में अमूल्य होगा तथा जनता की समस्या का तय समय में समाधान होना चाहिए । भारत में सभी नागरिकों के मौलिक अधिकारों का सम्मान और संरक्षण सुनिश्चित करने में जूडिशियल कॉउन्सिल की लोक शिकायत समिति यातना, गैरकानूनी हिरासत और भेदभाव से संबंधित मानवाधिकारों के कथित उल्लंघनों की जांच करती है और महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। , हमें विश्वास है कि दीक्षित का अनुभव व्यवस्था को मजबूत करने और सार्वजनिक शिकायतों का समाधान करने में अमूल्य होगा। जूडिशियल कॉउन्सिल के सचिव संजय अरोड़ा ने कहा, इटावा जिले की लोक शिकायत समिति के सदस्य के रूप में श्री दीक्षित की नियुक्ति निश्चित रूप से लोगों के लिए वरदान है क्योंकि उनका अनुभव और कानूनी पृष्ठभूमि इटावा में मदद करेगी। जूडिशियल कॉउन्सिल सभी स्तरों पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री दीक्षित की लोक शिकायत समिति के सदस्य के रूप में नियुक्ति निश्चित रूप से जनता को लाभ पहुंचाएगी। संजीव चौहान सदस्य मानवाधिकार जूडिशियल कॉउन्सिल ने कहा जन शिकायत समिति के सदस्य नागरिकों की चिंताओं का प्रभावी ढंग से समाधान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके कर्तव्यों में शिकायतों की गहन जाँच, जनता और संबंधित अधिकारियों के बीच संवाद को सुगम बनाना और शिकायतों के समाधान हेतु सुझाव देना शामिल है। वे आवर्ती समस्याओं का विश्लेषण करके और नीतिगत बदलावों का सुझाव देकर व्यवस्थागत सुधारों में भी योगदान देते हैं।

प्रशासन की तैयारियों के आगे चिंता मुक्त दिखे अभिभावक

चंडीगढ। प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित सीईटी परीक्षा में पूरे प्रदेश से अभ्यर्थी अपने परिजनों के साथ परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों के अभिभावक भले ही चिंता के साथ अपने जिले से दूसरे जिले में आए हों, लेकिन प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन की तैयारियों को देखकर परीक्षा देने आए अभ्यर्थी और उनके साथ आए अभिभावक दोनों की चिंताएं दूर हो गईं। पलवल जिला के मीसा गांव के निवासी प्रेमचंद ने बताया कि वह अपने बेटे को सीईटी की परीक्षा दिलाने के लिए अपने जिले से बल्लभगढ़ आए थे। सफर की सारी चिंताएं तब दूर हो गईं, जब उन्होंने देखा कि जिला प्रशासन फरीदाबाद द्वारा सहायता डेस्क की व्यवस्था की गई है। वहाँ उपस्थित कर्मचारियों द्वारा उन्हें सही मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिससे दूर-दूर से आए अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों की चिंताएं खत्म हो गईं।

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में स्वच्छता के प्रति जन समर्पण को भी सराहा

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली/लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 124वें एपिसोड में उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए बांदा जिले के कालिंजर किले का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह किला केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं है, बल्कि यह भारत की संस्कृति, संस्कार और स्वाभिमान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के किलों से संस्कार और स्वाभिमान झांकते हैं। बांदा का कालिंजर किला इसका जीवंत उदाहरण है, जिसने महमूद गजनवी के बार-बार हमलों को विफल किया। उन्होंने बुन्देलखंड रीजन के अन्य किलों जैसे ग्वालियर, झांसी, दतिया, अजयग ?, ग ?कुंडार और चंदेरी का भी जिक्र किया। इन किलों को देश की सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए उन्होंने देशवासियों से इन स्थलों की यात्रा करने और

अपने इतिहास के गौरव को महसूस करने का आग्रह किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में स्वच्छता के प्रति जन समर्पण को भी सराहा। उन्होंने लखनऊ की गोमती नदी स्वच्छता टीम का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों से यह टीम हर रविवार बिना रुके, बिना थके गोमती नदी की स्वच्छता के लिए कार्य कर रही है। यह समर्पण प्रेरणादायक है।

सीएम योगी की अगुवाई में चल रहा है यूपी के किलों का पुनरोद्धार और नदियों के पुनर्जीवन का महा अभियान

प्रधानमंत्री की इस सराहना के साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाए जा रहे अभियानों की भी चर्चा हो रही है। सीएम योगी के निर्देश पर यूपी पर्यटन विभाग प्रदेश के ऐतिहासिक किलों, विशेष रूप से कालिंजर किले, के पुनरोद्धार और उन्हें पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। इसके अलावा, प्रदेश में नदी पुनरोद्धार अभियान भी जोर-शोर से चल रहा है। प्रत्येक जिले में छोटी नदियों को पुनर्जनन और उनके किनारों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जा रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री के इस संबोधन ने न केवल उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को राष्ट्रीय मंच पर उजागर किया, बल्कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहे विकास और

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने नरवाना के गांव राजगढ़ डोभी को विभिन्न विकास कार्यों की दी सौगात

चंडीगढ, 24 जुलाई। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मौजूदा राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में विकास और व्यवस्था की नई गाथा लिखी गई है। विकास परियोजनाओं का लाभ अब प्रदेश के सभी इलाकों और कोने कोने तक निष्पक्ष तरीके से बराबर पहुँच रहा है। जनकल्याणकारी नीतियों एवं कार्यक्रमों का लाभ गरीब परिवार के घर की दहलीज तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं के लिए निर्धारित बजट का एक - एक पैसा पारदर्शिता के साथ खर्च किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री श्री बेदी नरवाना विधानसभा हलका के गांव राजगढ़ डोभी में आयोजित ग्रामीण जनसभा में बोल रहे थे। श्री बेदी ने गांव राजगढ़ डोभी के लिए करीब 5 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें राजगढ़ डोभी से समैण तक 55 लाख रुपये की सड़क का निर्माण, राजगढ़ डोभी से कन्हड़ी तक 65 लाख रुपये की लागत से सड़क का विस्तारीकरण शामिल है। इसके अलावा गांव में नए बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण करवाया जाएगा। इसमें पंपिंग मशीनरी की रिप्लेसमेंट वाटर वर्क्स में हाई लेवल टैंक का निर्माण तथा गांव में करीब 3500 मीटर लंबी पाइप लाइन बिछाया जाना इत्यादि शामिल है। इस कार्य पर एक करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि खर्च होगी। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस कार्य का टेंडर करवा लिया गया है। कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर 22 लाख रुपए की लागत से निर्मित एक चौपाल का भी उद्घाटन किया।

लायन कंग ने पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

फगवाड़ा। लायंस इंटरनेशनल 321-डी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन वी.एम. गोयल एमजेएफ के दिशा-निर्देशों पर, डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन (पीस पोस्टर) लायन गुरदीप सिंह कंग एमजेएफ ने आज पर्यावरण प्रेमियों को पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान, एडीसी-सह-निगम कमिश्नर डॉ. अक्षिता गुप्ता और मेयर रामपाल उप्पल ने सेंट्रल टाउन स्थित लायन कंग के कार्यालय कंग एंटरप्राइजेज का विशेष दौरा किया। उन्होंने लायन गुरदीप सिंह कंग के प्रयासों की सराहना की और कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाना बेहद ज़रूरी है। एडीसी डॉ. गुप्ता ने अपील की कि लगाए जाने वाले पौधों की पेड़ बनने तक अच्छी देखभाल की जाए। इस दौरान, निगम की आईईसी एक्सपर्ट पूजा ने बताया कि नगर निगम फगवाड़ा 31 जुलाई तक स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ नामक अभियान चला रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीतमपुरा और शालीमार बाग. .

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग क्षेत्र के बीएफ-ब्लॉक में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस दौरान मुक्यमंत्री ने 15 लाख रुपये की लागत से नए फुटपाथ, लाइट एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि दिल्ली का हर पार्क, हर मोहल्ला स्वच्छ, सुरक्षित और सुसज्जित हो। नागरिकों की भागीदारी और सुझावों के साथ हम दिल्ली को एक हरित और सशक्त राजधानी बनाएंगे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **सीमा चौधरी, पतनीः मनोज चौधरी, निवासीः मकान संख्याः 756, शिब्बा कुंज, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.: 86/23, U/s: 403/405/415/420/34 IPC, पुलिस थाना कनॉट प्लेस, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सीमा चौधरी** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सीमा चौधरी** फरार हो गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना कनॉट प्लेस, दिल्ली** कि अभियुक्ता **सीमा चौधरी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 29.08.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री यशदीप चहल
जेएमएफसी-01, कमरा नं. - 21,
पटियाला हाउस कोर्ट, दिल्ली

DP/9955/NDD/2025

हेल्पलाइन बनी हर समस्या का समाधान—विश्वास और व्यवस्था का नया उदाहरण

चंडीगढ। फरीदाबाद जिला प्रशासन की ओर से जिले में आने वाले परीक्षार्थियों के सहयोग के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए थे। साथ ही आमजन की सुविधा के लिए डायल 112 भी सक्रिय रूप से सक्रिय रही। डीसी विक्रम सिंह व सीपी सतेन्दर कुमार गुप्ता ने निरंतर हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों के समाधान के निर्देश दिए, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को परेशानी न हो। प्रशासन की यह पहल न केवल छात्रों बल्कि पूरी व्यवस्था के लिए एक सम्मानजनक उदाहरण रही। सभी परीक्षार्थियों ने प्रशासन और पुलिस विभाग की सक्रियता एवं तत्परता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। प्रशासन का यह काम आम आदमी के लिए नैतिक समर्थन का काम किया। प्रशासन की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर पर आए कॉल में ज्यादातर बैग रखने के इंतजाम, वाहन पार्किंग व बस का ड्रॉप प्वाइंट ढूंढने के लिए मांगी सहायता से संबंधित रहे। कई अभ्यर्थी एक ही बस में दोस्तों के साथ सवार हो गए। जबकि उनका परीक्षा केंद्र अलग-अलग थे। ऐसे में कई अभ्यर्थी गलत सेंटर पर पहुंच गए। ऐसे अभ्यर्थियों ने प्रशासनिक हेल्पलाइन पर फोन कर सहायता मांगी। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रशासनिक पहल के जरिए निजी-सरकारी वाहनों का इस्तेमाल कर समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में मदद की। इसी तरह अन्य मामलों में मांगी गई सहायता भी त्वरित की गई। प्रशासन की ओरसे बेहतर समन्वय के साथ किए गए प्रयास से छात्रों को राहत मिली। रास्ता भटकने व साधन न मिलने के कुल 19 मामले जिला प्रशासन के सामने आये। इस स्थिति में हेल्पलाइन डायल 112 से तुरंत संपर्क करने पर फरीदाबाद पुलिस की ईआरवी (श्वद्वद्गह्म्द्दद्गठ्ठष्4 ऋद्गह्यश्चद्गठ्ठ1द्ग ङ्कद्गद्धद्बष्द्यद्ग) टीम सक्रिय होकर समय पर मौके पर पहुंची और सभी परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्र तक पहुँचाने में मदद की।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य को साकार करने के लिए अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का होगा आयोजन

चंडीगढ। हरियाणा के खेल, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता और कानून राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि भारत की विविधता में एकता सबसे ब ?ी ताकत है। एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विजन को साकार करने और सांस्कृतिक सदभावना को ब ?ावा देने के लिए हरियाणा सरकार की ओर से 23 से 25 जुलाई 2025 तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतरराज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने यह बात आज यहां प्रैसवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में 24 राज्यों के करीब 600 युवा भाग लेंगे और जिसमें विभिन्न समुदायों की संस्कृति का आदान प्रदान होगा। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें ग्रुप फोग डांस, ग्रुप सांग, सांस्कृतिक गतिविधियां आदि रहेंगी। खेल मंत्री श्री गौरव ने कहा कि 31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 140वीं जयती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की शुरूआत की थी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं के लिए प्रतिभा दिखाने के लिए बहुत ब ?ा मंच होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से एक प्रदेश दूसरे प्रदेश की संस्कृति और कला से रूबरू होगा। इस दौरान विभिन्न समुदायों के बीच एक, समानता और भाईचारे के मूल्यों को ब ?ावा मिलेगा। मौजूदा समय में हरियाणा की कला एवं संस्कृति और खेलों के प्रभाव से अन्य कई राज्य प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उदेदश्य राष्ट्र निर्माण व सदभाव के लिए प्रतिबद्ध सशक्त युवा तैयार करने का संकल्प लिया हैं। यह केवल एक आयोजन नहीं बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व, विकास, नेतृत्व क्षमता का निर्माण और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर है। खेल मंत्री ने कहा कि 2 अगस्त 2025 को खेल महाकुंभ की शुरुआत पंचकूला से होगी। इस खेल आयोजन में विभिन्न इवेंट में खिला ?ी अपना दमखम व कौशल दिखाएंगे।

NAME CHANGE
I, KASHMEER KAUR Mother of No-19001792H Rank-HAV Name-TEJINDER SINGH residing at VPO-USMAN KHERA, TEHSIL- ABOHAR, DIST-FAZILKA, PUNJAB-152132, have changed my name from KASHMEER KAUR to KASHMIR KAUR for all future purposes vide Affidavit dated 26/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KUMUD CHADHA W/O SURENDRA SINGH VERMA residing at f-8/26 Krishna Nagar delhi-110051 . have changed my name to KUMUD SAREEN for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, CHET RAM VERMA S/O BHAUNIYA R/O HOUSE NO-179, D-BLOCK, SHYAM VIHAR PHASE-1, DINDAR PUR, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, declare that name of mine and my father has been wrongly written as CHET RAM and BHUNIYA in my 10th class educational document. And name of mine and my father has been wrongly written as CHETRAM and BHONIYA in my 12th class educational document. And name of mine and my father has been wrongly written as CHET RAM and BAUNIA in my Pharmacy Council Certificate-16964. The actual name of mine and my father are CHET RAM VERMA and BHAUNIYA , which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, Renkee Jain w/o Amit Jain R/o H.No.48, Saini Enclave, near Karkardooma, Delhi-110092, have changed my name to Rinky Jain for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Srikanta W/O: Prakash Chand, R/O 193, Block A-1, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi - 110063,have changed my name and shall hereafter be known as KANTA .

NAME CHANGE
I, Ujwala Rajendra Dhodare wife of No. 4594408W, Rank - SEP Name – Thorat Nilesh Bhimrao residing at Village - Vawad, AT/Post- Vawad, Teh-Nandurbar, Dist-Nandurbar, Maharashtra-425411 have changed my name from Ujwala Rajendra Dhodare to Thorat Ujwala Nilesh for all future purposes vide affidavit dated 17-07-2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Amit Sharma S/o Ramkumar Sharma R/o B-67, Greater noida, Saini, Dhoomedso, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 declare that name of my wife has been wrongly written as Renu Kaushik in my minor son namely Vaibhav Kaushik aged 13 years in his School Records. The actual name of my wife is Renu Sharma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Pradeep Kumar Yadav S/O Ram Baksh Yadav, R/O T-5, T- Huts, Karampura, VTC: Karam Pura,PO: Ramesh Nagar, Sub District: Rajouri Garden, District: West Delhi,State: Delhi, 110015, declare that name of mine has been wrongly written as Pradeep kumar in my minor daughter namely PALAK Yadav aged 17 years and she shall hereafter be known as Pradeep kumar yadav, Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Munesh Kumar S/o Rajvir Singh R/o JJ Colony, Gali No. 19, Near Hanuman Mandir Chowk, Sector -52, Noida, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh - 201301 have changed the name of my minor Son Pram aged 13 years and he shall hereafter be known as PREM SINGH .

NAME CHANGE
I, SNEHA ROHIT DAHIYA W/o ROHIT DAHIYA R/O P8/701, USHAY TOWER, OPP. RASOI DHABA, SECTOR -61 RASOI(42) SONIPAT-131029, HARYANA HAVE CHANGED MY NAME TO SNEHA DAGAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, ROHIT SATYAPRAKASH DAHIYA S/o SATAY PRAKASH DAHIYA R/o P8/701, USHAY TOWER, OPP.RASOI DHABA, SECTOR -61, RASOI(42) SONIPAT - 131029, HARYANA HAVE CHANGED MY NAME TO ROHIT DAHIYA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
It is for general information that I, AMAR SINGH S/O SURJAN SINGH R/O B-196/2 B-Block Chattarpur Extn Chattar Pur South Delhi Delhi-110074, declare the name of my minor daughter has been wrongly written as BHOOMIKA DHANGHAR in my minor daughter namely BHOOMIKA SAGAR aged 17 years in her 12th class educational docoments. The actual name of my minor daughter is BHOOMIKA SAGAR which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all persons at large that my clients (1) Smt. Seema Sharma and (2) Sh. Devesh Sharma both permanent resident of H. No. 276-D, Masjid Moth. South Ex-II, Delhi 110049 Presently residing at AV. PATRIA Num 3199-17 LA CALMA, C.P. 45070, ZAPOPAN, JALISCO, Country Mexico have purchased a plot No. D-170 measuring 250 Sq. yds. in project namely 'Greenbay Golf Village' being developed by Greenbay Infrastructure Private Limited situated at Sector 22D, Yamuna Expressway, Uttar Pradesh. My clients have already paid Rs.43,75,750/-against total sale consideration of Rs 49,35,000/-. After obtaining almost entire sale consideration, promoter raised exorbitant arbitrary demands therefore, my clients have filed a complaint NCR144/03/118216/2024 and same is sub-judice before U.P. RERA. Promotar is sending cancellation letter and trying to create third party interest on plot of my clients. My clients are very much interested in possession of their booked plot for which they have waited about more than 10 years. Therefore, through this public notice, it is informed to public in general that the plot D-170 mentioned above is belong to my clients therefore not to enter into any agreement with promoter with respect to sala/purchase of this piot. If anyone shall do the same then it would be at their own personal risk and costs
Kailash Prashad Pandey
Advocate
Chamber 475
District Court Saket New Delhi

PUBLIC NOTICE
It is for the general public information that my Client MAHENDRA S/O SH. BASTI RAM & VIDHYA W/O SH. MAHENDRA BOTH RESIDENT OF HOUSE NO.365/366, D-BLOCK., GALI NO.9 SANTA ENCLAVE, SECTOR-19, DWARKA, NEW DELHI-110071, has/have debarred, disown and break down all the relationship from his sons namely Gaurav S/o Sh. Mahendra & Himanshu and his wife namely Aarti W/o Sh Himanshu from all my moveable and immoveable properties either self-acquired or ancestral situated all over India due to theirs misconduct, disobedience and misbehavior attitude. My client will not be responsible in future for his acts or deeds which was done by him/her.
Sunil kumar Tomer
Advocate
Chamber No. 396
Patiala House Court New Delhi

NAME CHANGE
I, Gangajully Yadav Mother of No. 4576800N, Rank - Hav Name Narender Yadav residing at 500, Sumhadih, Sumhadeeh, Azamgarh, Phulpur, Uttar Pradesh--276288 declare that my name and date of birth has been wrongly written as Gangajully Yadav DOB: 10.08.1965 in my son's service record, but my correct name and date of birth is Gangajali and date of birth 01.01.1957 vide affidavit dated 16.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Dharma Raj Yadav Father of No. 4576800N, Rank - Hav Name Narender Yadav residing at 500, Sumhadih, Sumhadeeh, Azamgarh, Phulpur, Uttar Pradesh-276288 declare that my name and date of birth has been wrongly written as Dharma Raj Yadav DOB: 25.07.1960 in my son's service record, but my correct name and date of birth is DharmRaj and date of birth 01.01.1955 vide affidavit dated 16.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Service no. 4581590H, NK-Rathva Dilipbhai Khumsingbhai presently residing at 99, Nayak Faliyu, Jimiyapura, Bapotiya, Panchmahala, Gujarat-389370 declare that my wife's name has been wrongly written as Rathava Bhavanaben Bakabhai in my service records but my wife's correct name is Rathava Bhavanaben Dilipbhai vide affidavit dated 25.07.2025 before Notary Public, Jaipur.

NAME CHANGE
I, CHANDRIKA is Mother of. No.14850497W, Rank- HAV/CLK (SD) Name- RAHUL M, UNIT/POSTED AT- IHQ of MOD (ARMY) CAMP. R/o VILLAGE KARODE, POST-POZHIYOOR, TEH-NEYYATTINKARA, DISTT-TRIVANDRUM, STATE- KERALA, PIN-695513, have changed my name from CHANDRIKA to CHANDRIKA C for all future purposes. Vide affidavit dated 26.07.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JITENDER KUMAR S/O GAGAN DEV THAKUR R/O 1, B-BLOCK, ARJUN PARK, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043 declare that name of my wife has been wrongly written as NEELU KUMARI in my minor daughter RIYANSHI BALA aged 14 years in her birth certificate MCDOLIR-0111-004858039. The actual name of my wife is NILU KUMARI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MUSKAN BATRA D/O SHYAM SUNDER BATRA R/O C-203, PLATINUM HEIGHTS, RAMPRASTHA GREENS, VAISHALI, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201012 have changed my name and shall hereafter be known as MUSKAAN BATRA. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, Anoop Sagar S/O Krishna Saggar R/O House NO-11 A, gali NO-1, East Azad Nagar Delhi-110051 Have changed my name to Anoop Saggar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Anubha Sagar W/O Anoop Saggar R/O House NO-11 A, gali NO-1, East Azad Nagar Delhi-110051 Have changed my name to Anubha Saggar for all future purposes.

NAME CHANGE
Swaroma Shree D/O Anoop Saggar R/O House NO-11 A, gali NO-1, East Azad Nagar Delhi-110051 Have changed my name to Swaroma Shree Saggar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JOTHIKA A wife of No.-15448064H, Rank-SEP Name-AJITH KUMAR B residing at VILL-ARCOTTAN GUDISAI, PO-MUNJURPET, TEHSIL & DIST-VELLORE, TAMIL NADU-632057, have changed my name from JOTHIKA A to JOTHIKA N for all future purposes vide Affidavit dated 26/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MONY is father of. No.14850497W Rank- HAV/CLK (SD) ,Name-RAHUL M, UNIT/POSTED AT- IHQ of MOD (ARMY) CAMP. R/o VILLAGE KARODE, POST-POZHIYOOR, TEH-NEYYATTINKARA, DISTT-TRIVANDRUM, STATE-KERALA, PIN-695513, I have changed my name from MONY to MANI for all future purposes. Vide affidavit dated 26.07.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Prem Wati D/O Maan Singh W/O: Dilbag Singh, R/O 982, Indraj colony, ALI PUR, PO: Alipur, DIST: North West Delhi, Delhi-110036, have changed my name and shall hereafter be known as Prem Bala .

NAME CHANGE
I, Anoj Chaturvedi S/o Laxman Chaturvedi R/o 4, Police Station Jorawar Singh Marg, Kashmiri Gate, Delhi-110006 have changed my name to Anuj Chaturvedi.

NAME CHANGE
I, Umesh Kumar S/o Ram Kala R/o House No.3943, Gali Ahiran. Pahari Dhiraj, Delhi Sadar Bazar, Delhi-110006 have changed my name to Umesh Chandra.

NAME CHANGE
I, Usha W/o Bhawani Dutt R/o A-129, Gali No.2, Keshav Nagar, Ibrahim Pur, Delhi-110036 have changed my name to Usha Sharma.

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Ms. Km Sonam Kumari has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi Laxmi Nagar Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Manoj Singh have agreed to sell their property "Plot No. 3, Area measuring 60 Sq. Yds. Out of Khasra No. 431, Situated at Village Tilapta Karanwas, Pargana and Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P." Hence any other co-sharer(s)/or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.
Dated : 26-07-2025 Advocate Ghanshyam Singh,
Place : Delhi Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE
I, AFSHA KHATOON W/O DANISH REHMAN resident of 1333, FIRST FLOOR, GALI NO-3, BAHADUR GARH ROAD, FAIZ GANJ, BARATOOTI, DELHI-110006 have changed my name to AFSHA REHMAN permanently

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUNDAR DEVI W/O MAHAVIR SAH R/O H NO-26 B, GALI NO-3, DEEP ENCLAVE, VIKAS NAGAR, UTTAM NAGAR, DELHI-110059 have changed my name and shall hereafter be known as BIMLA DEVI. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. GURPREET SINGH IS OWNER OF HOUSE BEARING NO. 991/2 HAVING PROPERTY ID NO. IBKD8FG7, MEASURING 97.5 SQ. YARDS, OUT OF KHASRA NO. 18, KILLA NO. 5/2, PLOT NO. 9, GALI NO.1, SITUATED AT PARBATIYA COLONY, NEAR J.K PUBLIC SCHOOL, FARIDABAD, HARYANA ON THE BASIS OF REGD. WILL DT. 18.03.2021 AS DOC. NO. 451 WHICH EXECUTED BY MRS. NIRMALA. BACK CHAIN OF THE SAID PROPERTY I.E. ORIGINAL GPA, ATS & WILL DATED 07.05.2003 EXECUTED BY MR. HAR SINGH IN FAVOUR OF MR. JAI KUMAR & ORIGINAL ATS EXECUTED BY MR. JAI IN FAVOUR OF MRS. NIRMAL KAUR HAVE BEEN LOST BY THE OWNER MR. GURPREET SINGH SON OF MR. DALER SINGH, R/O 991/2, DISPOSAL, G.K. INTERNATIONAL SCHOOL, PARVATIYA COLONY, SECTOR-22, FARIDABAD, HARYANA. NOW MS. ARTI D/O KAMLESH KUMAR JAYSWAL R/O PC-5595 NEW NO. 2865, GALI NO. 98, PARVATIYA COLONY, SECTOR-22, FARIDABAD, HARYANA IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. GURPREET SINGH, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद आसिफ, पुत्रः मोहम्मद शाहिद, पताः डी-350, सईद नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 182/2016, U/s: 392/411/34 IPC, पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद आसिफ** मिल नही रहा है। और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद आसिफ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अभियुक्त **मोहम्मद आसिफ** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.08.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री वैभव गर्ग,
जेएमएफसी-11, सेंट्रल, कमरा नंबर 138
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/9943/N/2025

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सीईटी अभ्यर्थियों को दी बधाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) द्वारा प्रदेश भर में आयोजित संयुक्त पात्रता परीक्षा (सीईटी) में भाग ले रहे अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिस उद्देश्य से वे परीक्षा में भाग ले रहे है वे उसमें सफलता हासिल करें और वे सभी परीक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। मुख्यमंत्री आज अपने चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में जनसुनवाई के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा संचालन के कार्य में लगे, सभी अधिकारियों व कर्मचारी, चाहे वे परिवहन विभाग हो या फिर जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के हों, वे सभी बधाई के पात्र हैं। परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से किया जा रहा है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी विवेक कालिया व राकेश संधू और मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय भी उपस्थित थे।

पर्यावरण रक्षा के लिए वृक्षारोपण अभियान में 300 पौधे रोपे

सोनीपत। हरियाली और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर सोनीपत के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को महाराणा प्रताप चौक, सामान्य अस्पताल के सामने स्थित खाली भूमि पर वृक्षारोपण अभियान 2025 के तहत 300 पौधे रोपे गए। इस सामूहिक प्रयास में सीआरपीएफ अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और पर्यावरण प्रेमियों ने शिरकत की। मुख्य अतिथि सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र खेवड़ा के पुलिस उपमहानिरीक्षक कोमल सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण की नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों की भी सेवा है। नगर निगम मेयर राजीव जैन, ग्रुप सेंटर सीआरपीएफ के कमांडेंट बाल कृष्ण राम, उप कमांडेंट वेदपाल सिंह व सुनील डोब्रियाल, सूबेदार मेजर हनुमान सहित कई अधिकारी अभियान में उपस्थित रहे। इस आयोजन में संगत समतावाद सोनीपत चौधरी रामफल के सान्निध्य में ब्रह्मकुमारी सुनीता, स्टेट अवार्डी दिलबाग सिंह, हवा सिंह पहलवान, सतीश कुमार एलआईसी, रमेश मदान और रंजन सहगल सहित समाजसेवी भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। मानव सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सुमित अलख ने कहा कि पेड़ लगाना, जल और जीवन को बचाना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने कोमल सिंह को मोमेंटो भेंट करसम्मानित किया गया।

मामा और दो भांजियों की नहर में डूबने से मौत

झज्जर। गांव रोहद के रहने वाले एक व्यक्ति और उसकी दो भांजियों की एनसीआर माइनर में डूबने से मौत हो गई। वह व्यक्ति पांव फिसलने से नहर में गिरी अपनी भांजियों को बचाने के लिए नहर में उतरा था। बचाओ कर्मियों के प्रयास से मामा का शव मिल गया। डूबी हुई भांजियों की दोपहर बाद तक भी नहर में तलाश जारी थी। बहादुरगढ़ तहसील के गांव रोहद का रहने वाला सुनील शाम को अपनी भांजियों रागिनी और उर्मी के साथ कपड़े धोने के लिए रोहद और मांडोठी गांव के बीच एनसीआर नहर पर गया था। कपड़े धोते वक्त उसकी भांजियों के पांव फिसल गए और वह नहर में गिर गईं। भांजियों को बचाते हुए मामा सुनील भी नहर में कूद पड़ा और तीनों की डूबने से मौत हो गई। शुक्रवार शाम से शनिवार सुबह तक नहर में डूबे सुनील व उसकी दोनों भांजियों की तलाश की गई। शनिवार सुबह गोताखोरों की टीम पहुंची और तलाशी कार्य शुरू किया। सुनील का शव उस स्थान से कुछ दूरी पर मिल गया, जहां तीनों नहर में डूबे थे। पुलिस और गोताखोरों की टीम लगातार तलाशी अभियान चलाए हुए है। ग्रामीण भी मौके पर अभियान में सहयोग कर रहे है। सर्च अभियान में जुटे गोताखोर हवलदार नरेन्द्र ने बताया कि बच्चियों की तलाश अभी जारी है।गांव रोहद के निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि यह हादसा नहर पर कपड़े धोते वक्त पांव फिसलने से हुआ। उनके गांव का निवासी सुनील अपने गांव में ही स्थित एक प्लाइवुड फैक्टरी में काम करता था। शुक्रवार को उसका अवकाश था।

सोनीपत में सीईटी परीक्षा पहला दिन सफल, 2537 अनुपस्थित

सोनीपत। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित सीईटी 2025 परीक्षा का पहला दिन सोनीपत जिले में शांतिपूर्वक और पारदर्शी ढंग से संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रशासनिक तैयारी, सुरक्षा प्रबंधन और सहयोगी संस्थाओं की सक्रियता ने परीक्षा को सुचारू रूप से आयोजित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दो पालियों में हुई परीक्षा में कुल 29172 अभ्यर्थियों में से 26635 ने परीक्षा दी। पहली पाली में 14586 में से 13321 और दूसरी पाली में 14586 में से 13314 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। दोनों पालियों में उपस्थिति क्रमशः 91.33 प्रतिशत और 91.28 प्रतिशत रही, जबकि कुल 2537 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त ममता सिंह, उपायुक्त सुशील सारवान तथा नियुक्त ड्यूटी मजिस्ट्रेट पूरे दिन फील्ड में सक्रिय रहे। हर परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध, सीसीटीवी निगरानी, मेटल डिटेक्टर, जैमर जैसी तकनीकों की सहायता से जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत माहौल नियंत्रित रखा गया। सामाजिक संस्थाओं ने भी परीक्षार्थियों को केंद्रों तक पहुंचाने, जानकारी देने, और उनके साथ आए परिजनों के लिए बैठने व जलपान जैसी सुविधाएं मुहैया कराईं। हरियाणा राज्य परिवहन और क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण ने अभ्यर्थियों को उनके जिलों से परीक्षा केंद्रों तक लाने और वापस छोड़ने की पूर्ण जिम्मेदारी निभाई।

हरियाणा के हर जिले में प्रवास करेंगे नायब सैनी

लोगों की शिकायतें सुनेंगे, विकास पर भी चर्चा करेंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा की 'छोटी टोली' की एक महत्वपूर्ण बैठक चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास पर हुई, जिसके बाद हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगामी प्रवास कार्यक्रमों की घोषणा की। बड़ौली ने बताया कि मुख्यमंत्री अब प्रदेश के हर जिले का दौरा करेंगे, जहाँ वे लोगों की शिकायतें सुनेंगे और कार्यकर्ताओं व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलकर जिला व प्रदेश के विकास पर विस्तृत चर्चा करेंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश महामंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता और सुरेंद्र पूनिया मौजूद रहे। 'छोटी टोली' की इस बैठक में सरकार और संगठन के समन्वय से 'नॉन स्टॉप सरकार' की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की योजना, रचना और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश में चल रही सीईटी की परीक्षा को लेकर मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में लगभग 13.5 लाख परीक्षार्थी सीईटी की परीक्षा दे रहे हैं। उन्होंने हरियाणा की नायब सरकार द्वारा परीक्षार्थियों के लिए की गई पूरी तैयारी और अच्छी व्यवस्थाओं की सराहना की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि हरियाणा में यह पहली बार है जब परीक्षार्थियों को परीक्षा सेंटर तक ले जाने और घर तक छोड़ने की शानदार व्यवस्था नायब सरकार ने की है। उन्होंने कहा कि किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी न हो, इसके लिए सरकार और प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां की गई हैं और परीक्षा अच्छे माहौल में हो रही है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की भी प्रशंसा की, जो 'सेवा ही संगठन' के मूलमंत्र पर परीक्षार्थियों के ठहरने और खान-पान की व्यवस्था कर रहे हैं।

बड़ौली ने यह भी बताया कि 'छोटी टोली' की बैठक हर महीने होती है, जिसमें संगठन द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा होती है और आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाई जाती है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे कार्यकर्ता पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अंत में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास के कार्य हो रहे हैं और सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है।

ओएसडी के भतीजे के निधन पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने शोक जताया

एजेंसी

सोनीपत। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बढ़खालसा के 22 वर्षीय भतीजे प्रीत दहिया, सुपुत्र जयदेव दहिया के निधन पर बढखालसा गांव स्थित उनके निवास पर पहुंचकर शोक व्यक्त किया। प्रीत दहिया का एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया था। मनोहर लाल ने कहा कि यह खबर न केवल परिवार के लिए, बल्कि समूचे क्षेत्र और समाज के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। मनोहर लाल ने परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रीत दहिया एक प्रतिभावान,सौम्य और विनम्र स्वभाव का युवा था, जिसकी असामयिक विदाई से मन व्यथित है। इस कठिन समय में मैं परिवार के साथ खड़ा हूं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और परिजनों

को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। युवा अवस्था में इस प्रकार का चला जाना न केवल परिवार बल्कि समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। प्रीत दहिया के निधन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है।

स्वच्छता और हरियाली को समर्पित नगर निगम का अभियान

एजेंसी

सोनीपत। स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत नगर निगम ने गांव लिबासपुर और मोहन नगर में सघन स्वच्छता अभियान चलाया। नगर निगम मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में हुए इस अभियान में नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन भी दिया गया। मेयर ने बताया कि स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए सुबह जागृति धाम में शहर की सभी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, व्यापारिक संगठनों और सामाजिक धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई गई है। उद्देश्य है अपना शहर स्वच्छ हो की भावना को जन-जन तक पहुंचाना।

इस अवसर पर सिविल अस्पताल के सामने स्थित मैदान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के साथ पौधारोपण कर स्वच्छ वातावरण और हरियाली का संदेश

भी दिया गया। राजीव जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में नगर निगम पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। इस मुहिम में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। अभियान में पार्षद, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

जिला का गांव नथोर बना हरियाणा का पहला मॉडल वॉटर विलेज

एजेंसी

सिरसा। जिला सिरसा के गांव नथोर में नाबार्ड द्वारा जल संरक्षण के लिए एक अनूठी परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए भूजल स्तर का संरक्षण और पुनर्भरण सुनिश्चित करना है। एक्सपर्ट संस्था द्वारा क्रियान्वित इस परियोजना में अटल भूजल के सहयोग से गांव के प्राचीन धरोहर कुंए को सहेजकर जल संचयन मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। भूजल संरक्षण की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्घाटन करते हुए नाबार्ड हरियाणा से मुख्य महाप्रबंधक निवेदिता तिवारी ने बताया कि भूजल की हर बूंद अमूल्य है और इसका संरक्षण ही स्थायी विकास की कुंजी है। हमें पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संग्रहण, रिचार्ज वेल, और सिंचाई में जल-संवेदनशील तकनीकों का प्रयोग जैसे उपायों को अपनाना होगा ताकि हम भविष्य की पीढ़ियों के लिए पानी का संरक्षण सुनिश्चित कर सकें। नाबार्ड से

सहायक महाप्रबंधक स्वरदीप सिंह ने भूजल स्तर में गिरावट को चिंताजनक बताते हुए कहा कि नाबार्ड ने भूजल स्तर में सुधार करने का बीड़ा उठाते हुए जल संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है,जिसमें नथोर गांव को प्रदेश के पहले मॉडल विलेज के रूप में विकसित किया गया है। इस पायलट परियोजना के तहत गांव में प्राचीन धरोहर कुंए में जल संरक्षित करने के साथ छतों से वर्षा जल संग्रह व किसानों को जल बचत तकनीक से जोड़ते हुए धान की कम अवधि वाली फसल उगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भूजल हमारे जीवन की अदृश्य शक्ति है, जिसका संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। एक्सपर्ट निदेशक विनीत छाबड़ा ने कहा कि यह योजना सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि जन-आंदोलन है। जल ही जीवन है, इसे बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। भूजल संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। ग्रामीणों की भागीदारी इस योजना की आत्मा है और इससे न केवल पानी बचेगा, बल्कि गांव के भविष्य को भी सुरक्षित किया जा सकेगा।

शांतिपूर्ण हुई पहले दिन की सीईटी परीक्षा, व्यवस्थाएं भी थीं बेहतर

एजेंसी

गुरुग्राम। दो दिवसीय कॉमन एन्ट्रेंस टेस्ट (सीईटी-2025) के पहले दिन की परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुई। जिले में 145 परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा में अभ्यर्थियों को उनके गृह क्षेत्र से लेकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया गया। प्रशासन के स्वयं के लिए भी यह परीक्षा ही थी कि व्यवस्था में किसी तरह की कोई कमी ना आने दी जाए। परीक्षा के दौरान व्यवस्थाओं से अभ्यर्थी भी संतुष्ट और खुश नजर आए। सीईटी परीक्षा के लिए शहर में बनाए गए शटल पिकअप प्वायंट्स राजीव चौक और ताऊ देवीलाल स्टेडियम का गुरुग्राम के उपायुक्त अजय कुमार ने दौरा किया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए वहां पहुंचे परीक्षार्थियों को भी शुभकामनाएं दीं। पिक एंड ड्रॉप का कार्य बहुत ही चुनौतीपूर्ण था। पहले सत्र की परीक्षा शुरू होने के साथ ही दूसरे सत्र के लिए शटल सर्विस शुरू

कर दी गई। खास बात यह रही कि दिव्यांगों को उनके घर से ही पिक एंड ड्रॉप यानी आने-जाने की सुविधा दी गई। आईएमटी मानेसर में बनाए गए पिक अप प्वायंट पर जिला प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। सीईटी परीक्षा को लेकर प्रदेश सरकार की ओर से किए गए प्रबंधों से परीक्षार्थी खुश नजर आए। सरकार और प्रशासन का आभार जताते हुए खुशी-खुशी वे यहां से रवाना हुए। सीईटी परीक्षा को लेकर गुरुग्राम रोडवेज डिपो महाप्रबंधक (जीएम) भारत भूषण बसों में चढ़कर परीक्षार्थियों को बसों से संबंधित जानकारी देते नजर आए। उन्होंने पीले, गुलाबी पेपर दिखाते हुए सेंटर पर पहुंचने की बारीकियों को समझाया। बताया कि इन पेपर पर स्कूल कोड लिखे हैं। स्कूल का नाम लिखा है। जहां पर उतरेंगे, वहां पर दूसरी बस मिलेगी। उस शटल बस का नंबर भी पेपर पर लिखा होगा। गन्नौर से परीक्षा देने आई मनीषा ने कहा कि स्टार्टिंग प्वायंट से लेकर एंडिंग प्वायंट तक बिना प्राब्लम के हमें पहुंचाया गया। इसके लिए गवर्नमेंट का थैंक्स। गन्नौर से ही आई रितिका शर्मा ने जिला प्रशासन व हरियाणा सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमें गन्नौर से गुरुग्राम तक बिना किसी परेशान के पहुंचाया गया। व्यवस्थाएं बहुत बढ़िया थी। रोहतक जिले के महम से पहुंचे सूरज ने कहा कि महम से लेकर गुरुग्राम तक किसी तरह की कोई समस्या नहीं आई। वहां से आई बस से उतरते ही उन्हें शटल बस मिली, उसमें सीधे परीक्षा केंद्र पहुंच गए। सरकार के इस प्रयास की उन्होंने सराहना की। सोनीपत से आई हर्षा गोयल भी सरकार के प्रबंधों से खुश नजर आई। उन्होंने कहा कि सोनीपत से यहां तक पूरी सुरक्षा से लाया गया।

अंशुल जेईई एडवांस परीक्षा में हुआ सफल

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर में खेड़ी रोड स्थित बीआर ग्लोबल स्कूल के छात्र अंशुल ने जेईई एडवांस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईआईटी मंडी, हिमाचल प्रदेश में प्रवेश प्राप्त कर विद्यालय, क्षेत्र और परिवार का नाम रोशन किया है। अंशुल, गांव नयाबांस निवासी वीरेंद्र धनखड़ के पुत्र हैं। अंशुल की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के चेयरमैन राकेश यादव, शैक्षणिक निदेशिका पूजा पहल, उप प्रधानाचार्या मंजू सहरावत एवं अन्य शिक्षकों द्वारा अंशुल को नकद पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अंशुल ने कहा कि इस सफलता के पीछे उसके माता-पिता, शिक्षकों का मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास ही सबसे बड़ा कारण है। उसने कहा कि पढ़ाई के प्रति समर्पण, अनुशासन और समय का सही प्रबंधन सफलता की कुंजी है। विद्यालय प्रबंधन ने अंशुल को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं ।

अपराध रोक पाने में सरकार लाचारः दीपेन्द्र हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने हरियाणा की ध्वस्त कानून-व्यवस्था पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि हरियाणा में अपराधी बेखौफ और सरकार बेबस है। दनादन हो रही फायरिंग, हत्या, फिरौती की वारदातों से पूरे प्रदेश में भय और आतंक का माहौल है। हरियाणा अपराधियों की शरणस्थली बन चुका है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अपराध रोक पाने में सरकार लाचार है या उसका अपराधियों को खुला संरक्षण मिल रहा है। क्योंकि, अपराधियों के हौसले इस कदर बढ़े हुए हैं कि जींद में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष के बेटे और प्राइवेट अस्पताल संचालक डॉक्टर समेत तीन डॉक्टरों पर जानलेवा हमला हुआ, जिसमें बीजेपी नेता के डॉक्टर पुत्र की मौत हो गई है और दो अन्य डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हैं। अकेले जींद में पिछले डेढ़ महीने में हत्या की 17 वारदात हो चुकी है। पूरे प्रदेश में गुंडागर्दी का ये आलम है कि बदमाशों की धमकी से डरकर 12 जिलों में 300 शराब ठेकों की नीलामी के लिए कोई ठेकेदार ही नहीं आया। इससे साबित होता है कि हरियाणा में अब सरकार का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि इसी साल फरवरी में 7 राज्यों के छ्रत्नक्ककी एक बैठक में हरियाणा स्न्ञ्जस्न ने खुलासा किया था कि राज्य में 80 से अधिक संगठित आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं, जिनमें कई के विदेशी संपर्कों की बात सामने आई है। ये गैंग दुबई,

पाकिस्तान, आर्मेनिया, थाईलैंड, अमेरिका, पुर्तगाल और कनाडा सहित अन्य विदेशी जगहों से आपराधिक गतिविधियां चला रहे हैं। हरियाणा में फल-फूल रहे गिरोह कान्ट्रैक्ट किलिंग, ड्रग्स तस्करी, अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त, अपहरण, फिरौती, जबरन वसूली, जेलों से संगठित अपराध कारित करने और ऑनलाइन अपराध जैसी खतरनाक गतिविधियों को बेरोकटोक अंजाम दे रहे हैं। कई गिरोह जेलों से बैठकर गैंग ऑपरेट कर रहे हैं, इससे स्पष्ट है कि इनको सत्ता में बैठे लोगों का संरक्षण हासिल है। यह चिंताजनक स्थिति न केवल प्रदेश की ध्वस्त कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है बल्कि आंतरिक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि रोहतक में एक महिला की बर्बरता पूर्ण तरीके से हत्या की दिल दहला देने वाली वारदात से लोग भयाक्रांत हैं। अपराधियों ने महिला के शव को काटकर केमिकल से बॉडी पार्ट जलाकर उसके टुकड़े फेंक दिए। वहीं, रोहतक के एक होटल कारोबारी से विदेशों में बैठे बदमाशों ने 5 करोड़ की रंगदारी मांगी और पूरे परिवार को मारने की धमकी दी है।

कैथल के गाँव बड़सीकरी कलां में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया। रतिया में एक युवक को गोली मार दी गई। पानीपत में छह साल की मासूम के साथ दुष्कर्ष की घटना दर्ज हुई है जो पिछले पाँच दिन में बच्चियों के साथ दूसरी ऐसी वारदात है।

हरियाणा में सीईटी परीक्षा का पहला दिन शांतिपूर्ण, 6.75 लाख अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित सीईटी (कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा का पहला दिन प्रदेशभर के 22 जिलों और चंडीगढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सरकारी प्रवक्ता ने शनिवार को दो चरणों की परीक्षा के बाद बताया कि 26 और 27 जुलाई को आयोजित परीक्षा के लिए कुल 13 लाख 48 हजार अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड जारी किए गए हैं। परीक्षा दो दिनों में चार शिफ्टों में आयोजित की जा रही है। पहले दिन दो शिफ्टों में परीक्षा का आयोजन किया गया। पहली शिफ्ट में 1338 परीक्षा केंद्रों पर तीन लाख 37 हजार 790 अभ्यर्थियों के लिए जबकि दूसरी शिफ्ट में 1336 केंद्रों पर तीन लाख 37 हजार 261 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की गई हैं। इस प्रकार कुल 2674 परीक्षा केंद्रों पर पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई।प्रवक्ता ने बताया कि सभी जिलों में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वयं परीक्षा केंद्रों, बस स्टैंड्स व अन्य आवश्यक स्थलों का निरीक्षण किया। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा विशेष बस सेवाओं की व्यवस्था की गई, जिससे अभ्यर्थियों को

सुविधा हुई और वे सरकार की तैयारियों से संतुष्ट नजर आए। हर परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी निगरानी, फ्लाइंग स्क्वॉड्स, ड्यूटी मजिस्ट्रेट तथा नोडल अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सके। प्रवक्ता ने बताया कि 27 जुलाई को भी सीईटी परीक्षा के अगले चरण का आयोजन होगा, जिसमें शेष अभ्यर्थी शामिल होंगे। कुल दो दिनों में 13.48 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था की गई है।

मैं समझता हूं कि सारे विश्व में ऐसा दूसरा (मन की बात) कार्यक्रम नहीं हो सकता - विज

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो लगातार अपने देश के लोगों के साथ 'मन की बात' के माध्यम से देशवासियों के साथ संवाद करते हैं और राष्ट्र दर्शन भी करवाते हैं। उन्होंने कहा कि 'हम क्या थे, क्या हैं, और कहां जाना हैं', इसके बारे में बताते हैं''। विज आज अंबाला छावनी स्थित शास्त्री कॉलोनी में अपने बूथ नम्बर 136 पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के लोकप्रिय ''मन की बात'' कार्यक्रम के ऐपीसोड नंबर-124 को अपने साथियों/कार्यकर्ताओं के साथ सुनने के उपरांत मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। श्री विज ने बताया कि आज के ऐपीसोड में भी प्रधानमंत्री ने बहुत सी महत्वपूर्ण बातें बताई है। आज उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में खुदी राम बोस के बलिदान की बात की है। इसी प्रकार, हमारी धरोहर पाण्डुलिपियों की डिजीटलाईजेशन करके सहेजने की बात की है। देश को आगे ले जाने का मूलमंत्र 'वोकल फोर लोकल' के बारे में

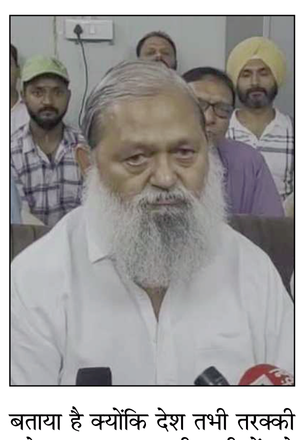

बताया है क्योंकि देश तभी तरक्की करेगा जब हम स्थानीय चीजों को अपनाएंगें। उन्होंने कहा कि अगर हम अपने देश में बने हुए सामान को अपनाएंगें, उन सामान का उत्पादन करेंगें और प्रयोग करेंगें तो स्वभाविक तौर पर देश आगे जाएगा। विज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को आगे ले जाने के लिए 'वोकल फोर लोकल' का मूलमंत्र दिया है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम में स्वच्छता की भी बात की है और बताया है कि जब तक स्वच्छता में सांझी भागेदारी नहीं होगी, तब तक पूरी तरह से लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकते। इस कार्यक्रम के माध्यम से देश में क्या तरक्की हुई है और भविष्य में क्या-क्या होने जा रहा है, के बारे में प्रधानमंत्री जी ने बताया है। 'मन की बात' कार्यक्रम के संबंध में विज ने कहा कि मैं समझता हूं कि सारे विश्व में ऐसा दूसरा कार्यक्रम नहीं हो सकता है। इस मौके पर कपिल विज, परवेश शर्मा, आरती सहगल, कमल अरोड़ा, गौरव सोनी, बत्रा, अभिषेक गुप्ता, विजेंदर नागर, रमेश कौशल, सुमेश, जतिंदर बंसल, लक्ष्मण चोपड़ा, विवेक जैन, राजेश अग्रवाल, मन्नी सिंह, विपिन खाना, धीरज डांग, दीपक भसीन भी उपस्थित थे।

संगठित अपराध और अराजकता का केंद्र बनकर रह गया हरियाणा : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा हे कि जिस हरियाणा पहचान हरियाली और खुशहाली के रूप में होती थी, आज उसकी पहचान रोजाना हो रही ताबड़तोड़ फायरिंग को लेकर होती है। बेकाबू अपराध के चलते आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। फायरिंग, फिरौती, रंगदारी, लूट, डकैती, हत्या और दुष्कर्म लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा सरकार लगातार जनता के इस दर्द को अनदेखा कर रही है। कानून व्यवस्था के बिगड़े हालात को देखकर यहीं कहा जा सकता है कि प्रदेश में भाजपा सरकार लाचार खड़ी और प्रदेश में माफिया और जंगलराज है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा के 11 साल के राज में अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है, नतीजा आम आदमी भय के साये में जीने को मजबूर है या प्रदेश से पलायन के बारे में सोच रहा है। हरियाणा में माफिया राज, गुंडागर्दी, और गैंगस्टर्स का बोलबाला है, पुलिस व्यवस्था और प्रशासनिक स्तर पर बरती जा रही लापरवाही ने लोगों के जीवन में खौफ भर दिया है। मुख्यमंत्री प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रहे हैं। सच तो ये है कि आज हरियाणा संगठित अपराध और अराजकता का केंद्र बनकर रह गया है। सांसद कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि जब से प्रदेश में भाजपा की सत्ता में आई है, क्राइम का ग्राफ लगातर ऊपर जा रहा है। आज हालात ऐसे हो गए हैं कि प्रदेश में हरेक व्यक्ति खुद को असुरक्षित महसूस करता है। अपराध इस कद्र बेकाबू हो चुका है, मानो प्रदेश को सरकार नहीं माफिया चला रहे हों। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा के राज से पहले हरियाणा की पहचान खुशहाली और हरियाली थी, उसकी पहचान अब बदमाशी और गोली हो गई है। खुद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सामाजिक प्रगति सूचकांक (एसपीआई) रिपोर्ट में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य बताया है। एनसीआरबी की रिपोर्ट खुद बढ़ते अपराध की यही गवाही देती है। एक साल के भीतर प्रदेश में हजार लोगों की हत्याएं हो रही है।

चीन में विश्व आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस कांफ्रेंस में एक इंसान की तरह लगने वाले रोबोट से बात करते हुए लोग।

अमेरिकी बाजार से अपने उत्पाद वापस मंगा रही हैं भारतीय दवा कंपनियां

सन फार्मा, ल्यूपिन और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज की दवाओं में पाई गई विनिर्माण संबंधी खामियां

नई दिल्ली ।

अमेरिका के दवा नियामक यूएसएफडीए की रिपोर्ट के अनुसार भारत की प्रमुख दवा कंपनियों सन फार्मा, ल्यूपिन और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज को विनिर्माण संबंधी खामियों और उत्पाद मिश्रण के कारण अमेरिका से अपनी दवाएं वापस मंगानी पड़ी हैं। सन फार्मा ने लिसडेक्साफेटामाइन डाइमीसाइलेट (60 मिलीग्राम) कैप्सूल की 5,448 बोतलों को वापस मंगाया है। यह दवा कंपनी की प्रिंसटन (अमेरिका) इकाई से जुड़ी है, और वापसी की प्रक्रिया 16 जून 2025 से शुरू की गई थी। वहीं ल्यूपिन ने उच्च रक्तचाप के इलाज में उपयोग की जाने वाली लिसिनोप्रिल और हाइड्रोक्लोरोथीयाजाइड (20/12.5एमजी) टैबलेट की 58,968 बोतलों को वापस बुलाया है। यह दवा नागपुर स्थित संयंत्र में बनाई गई थी। वापसी का कारण एक विदेशी टैबलेट का बोतल में पाया जाना था, जिसकी पहचान अटेजेनाविर और रिटोने विर (300/100एमजी) के रूप में हुई, जो एचआईवी के इलाज में प्रयोग होती है। इसके अतिरिक्त, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने पेट की बीमारियों में उपयोगी ओमेप्राजोल डिलायड री लिज कैप्सूल की 1,476 बोतलों को वापस मंगाया है। यह दवा तेलंगाना के बाचुपल्ली संयंत्र में बनी थी और इसकी वापसी 30 जून 2025 से

शुरू की गई। ये घटनाएं भारतीय दवा कंपनियों के लिए वैश्विक स्तर पर गुणवत्ता नियंत्रण की गंभीर चुनौती को रेखांकित करती हैं, और नियामक मानकों के प्रति सतर्कता बनाए रखने की आवश्यकता को दर्शाती हैं।

कोल्हापुरी चप्पल की वैश्विक पहचान को मिला क्यूआर कोड

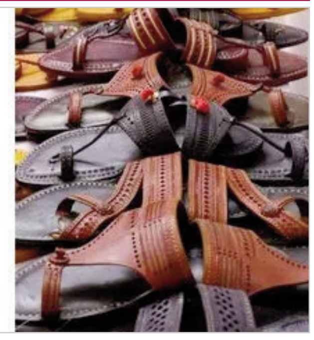

नकली उत्पाद की बिक्री पर लगेगी रोक

कोल्हापुर । भारत की पारंपरिक हस्तकला का गौरव, कोल्हापुरी चप्पल, अब तकनीक और कानूनी सुरक्षा के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। महाराष्ट्र के चमड़ा उद्योग विकास निगम (लिडकॉम) ने इस प्रसिद्ध हस्तनिर्मित चप्पल के लिए क्यूआर कोड आधारित प्रमाणीकरण शुरू किया है, जिससे इसकी प्रामाणिकता और कारीगर की पहचान को ट्रैक किया जा सकेगा। यह पहल नकली चप्पलों की बिक्री पर रोक लगाने, उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाने और पारंपरिक कारीगरों को उचित पहचान दिलाने के उद्देश्य से की गई है। क्यूआर कोड स्कैन कर ग्राहक यह जान सकेंगे कि उत्पाद कहां बना, किसने बनाया, कौन-सी शिल्प तकनीक और कच्चा माल उपयोग हुआ, और यह जीआई प्रमाणित है या नहीं। इस बीच इटली के मशहूर फैशन ब्रांड प्रादा विवादों में घिर गया है। हाल ही में उनके 2026 फैशन शो में प्रदर्शित पुरुषों की एक सैंडल डिजाइन को कोल्हापुरी चप्पल से मिलता-जुलता पाया गया, जिसे लेकर भारतीय कारीगरों ने जीआई अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया। प्रादा ने माना कि यह डिजाइन भारतीय हस्तशिल्प से प्रेरित है, लेकिन इसका व्यावसायिक उत्पादन शुरू नहीं हुआ है। ब्रांड की एक विशेषज्ञ टीम ने कोल्हापुर का दौरा कर स्थानीय निर्माण प्रक्रिया को भी देखा। 12वीं शताब्दी से कोल्हापुर, सांगली और सोलापुर जिलों में तैयार होने वाली कोल्हापुरी चप्पल, छत्रपति शाहू महाराज के समर्थन से आत्मनिर्भरता और स्वदेशी गौरव का प्रतीक बन गई थी। आज क्यूआर कोड जैसी पहल इस धरोहर को आधुनिक पहचान देने का काम कर रही है।

सेंसेक्स की प्रमुख छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.22 लाख करोड़ घटा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन घटकर 18,83,855 करोड़ हो गया

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में कमजोरी के रुख का असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों पर भी देखने को मिला। सेंसेक्स की टॉप 10 में शामिल छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 2.22 लाख करोड़ की गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को झेलना पड़ा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 294.64 अंकों की गिरावट आई। इस दौरान जिन कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आई, उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1,14,687.7 करोड़ की गिरावट के साथ घटकर 18,83,855.52 करोड़ रह गया। वहीं इन्फोसिस का मार्केट कैप 29,474.56 करोड़ घटकर 6,29,621.56 करोड़ हो गया। टीसीएस को 20,080.39 करोड़ का नुकसान हुआ और उसका मूल्यांकन 11,34,035.26 करोड़ पर आ गया। एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को क्रमशः 23,086.24 करोड़, 17,524.3 करोड़ और 17,339.98 करोड़ का घाटा हुआ। दूसरी ओर चार कंपनियाँ ऐसी रहीं जिनका बाजार पूंजीकरण बढ़ा। इनमें एचडीएफसी बैंक सबसे आगे रहा, जिसके मार्केट कैप में 37,161.53 करोड़ की बढ़ोतरी हुई और उसका मूल्यांकन 15,38,078.95 करोड़ तक पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 35,814.41 करोड़ बढ़कर 10,53,823.14 करोड़ हो गया। भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक को क्रमशः 20,841.2 करोड़ और 9,685.34 करोड़ का लाभ हुआ। गिरावट के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार में 6.5 फीसदी से अधिक वृद्धि का अनुमान

- वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत गति से आगे बढ़ रही है और 2025-26 में इसके 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि दर प्राप्त करने में कोई बड़ी चुनौती नहीं होगी। यह बात भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को एक साक्षात्कार में कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर है। जबकि एक-तिहाई से अधिक देशों को ऋण संकट और धीमी आर्थिक गतिविधियों का सामना करना पड़ रहा है, भारत की वृद्धि घरेलू खपत और निवेश पर आधारित होने के कारण स्थिर बनी हुई है। कुमार ने उम्मीद जताई कि न केवल चालू वित्त वर्ष बल्कि अगले कुछ वर्षों में भी भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 से 7.5 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। पिछले वित्त वर्ष में भी जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति के बारे में उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति जून में घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई है, जो आरबीआई की सख्त मौद्रिक नीति का नतीजा है। हालांकि, आगे ब्याज दरों में कटौती मुद्रास्फीति और अन्य आर्थिक संकेतकों पर निर्भर करेगी। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। 2024-25 में यह 81 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि, शुद्ध एफडीआई प्रवाह थोड़ा कम रहा क्योंकि भारत से बाहर भी निवेश बढ़ा है।

इस हफ्ते 100 से अधिक कंपनियां देंगी डिविडेंड

नई दिल्ली । अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं और डिविडेंड इनकम को पसंद करते हैं, तो आपके लिए यह हफ्ता बेहद खास रहने वाला है। 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच 100 से ज्यादा कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। डिविडेंड की राशि 0.07 से लेकर 512 प्रति शेयर तक हो सकती है, जो कंपनियों की वित्तीय स्थिति और लाभांश नीति पर आधारित है। इस लिस्ट में बड़ी और मिड-कैप कंपनियां शामिल हैं, जिनमें विप्रो, बोस्क, मारुति सुजुकी, आरईसी, क्रिसिल, डीएलएफ, हाकिंग्स कुकर्स, पीएनबी हाउसिंग और अपार इंडस्ट्रीज जैसी जानी-मानी कंपनियां शामिल हैं। खास बात यह है कि बोस्क 512, मारुति सुजुकी ने 135 और आयसर मोटर्स ने 70 प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड घोषित किया है। इसके अलावा विप्रो, एसआरएफ, केपीआईटी टेक्नोलाजी और श्याम मेटलिक्स जैसी कंपनियां अंतरिम डिविडेंड भी देने जा रही हैं। निवेशकों को यह ध्यान रखना होगा कि डिविडेंड पाने के लिए एक्स-डिविडेंड डेट से पहले शेयर खरीदना जरूरी है। एक्स-डिविडेंड डेट के बाद खरीदे गए शेयर पर डिविडेंड का लाभ नहीं मिलेगा।

एनएलसी इंडिया विदेशों से दुर्लभ खनिज खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड विदेशों से दुर्लभ खनिज की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय हो गई है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि भारत सरकार के खान और कोयला मंत्रालय के निर्देश पर कंपनी ने अफ्रीकी देशों में निवेश की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं। एनएलसी ने माली में लिथियम खदानों और कांगो गणराज्य में तांबा और कोबाल्ट खनिज के लिए शुरुआती स्तर की बातचीत की है। उन्होंने बताया कि इन देशों में खनन से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर इस महीने एक गैर-प्रकटीकरण समझौता होने की उम्मीद है। समझौते के बाद विस्तृत अध्ययन और आगे की रणनीति तय की जाएगी।

छोटी कंपनियों को राहतः सेबी ने ईएसएम निगरानी नियमों में किए बदलाव

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और स्टॉक एक्सचेंजों ने 1,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैप वाली कंपनियों के लिए इनहेंस्ड सर्वेलेंस मैकेनिज्म (ईएसएम) निगरानी ढांचे में अहम बदलाव किए हैं। यह संशोधित ढांचा 28 जुलाई 2025 से प्रभावी होगा, जिससे 28 कंपनियों को निगरानी सूची से बाहर निकलने का मौका मिल सकता है। हाल ही में हुई एक संयुक्त बैठक में सेबी और एक्सचेंजों ने यह निर्णय लिया। नए नियमों के तहत अब ईएसएम स्टेज 1 में किसी कंपनी को शामिल करने के लिए केवल पारंपरिक मानदंडों पर ही नहीं, बल्कि पिछले तीन महीनों में शेयर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को भी आधार बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य यह जांचना है कि क्या किसी शेयर में असामान्य रूप से निवेशकों की रुचि बढ़ रही है। इसके अलावा, स्टेज 1 से स्टेज 2 में स्थानांतरण के लिए अब प्राइस टू अर्निंग्स (पीई) रेशियो को भी जोड़ा गया है। अगर किसी कंपनी का पीई रेशियो निफ्टी 500 इंडेक्स के औसत से दोगुना या अधिक है, तो उसे स्टेज 2 में ले जाया जा सकता है।

कंपनियों के तिमाही नतीजों, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर से तय होगी बाजार की दिशा

- वैश्विक बाजार के रुझान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

नई दिल्ली ।

स्थानीय शेयर बाजार में इस सप्ताह भारी उतार-चढ़ाव की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार की दिशा कई अहम कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें प्रमुख कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां शामिल हैं। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण पीएमआई, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और वैश्विक बाजार के रुझान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विशेष रूप से अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत सहित कई देशों पर लगाए गए जवाबी शुल्क पर एक अगस्त को लगी रोक समाप्त हो रही है, जो बाजार की नज़र इस पर भी रहेगी। इसके साथ ही थाइलैंड और कंबोडिया के बीच भू-राजनीतिक तनाव भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। बाजार के जानकारों ने बताया कि जुलाई महीने के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, सन फार्मा और आईटीसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे सामने आएंगे, जो बाजार की मजबूती और कंपनियों के प्रदर्शन का संकेत देंगे। एक बाजार के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि इन नतीजों

से यह स्पष्ट होगा कि बाजार को भविष्य में समर्थन मिलेगा या नहीं। उन्होंने बताया कि निवेशक विदेशी कोषों के प्रवाह और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर भी ध्यान देंगे। पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 294 अंक और निफ्टी में 131 अंक की गिरावट आई है। एक कंपनी के शोध प्रमुख ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अनिश्चितता, मिले-जुले तिमाही नतीजे और बढ़ती एफआईआई निकासी के कारण बाजार कमजोर रहेगा। इस प्रकार इस सप्ताह निवेशकों के लिए सतर्कता और सूझ-बूझ के साथ बाजार की गतिविधियों को समझना बेहद जरूरी है।

फेड बैठक से पहले ट्रंप ने पॉवेल पर बढ़ाया दबाव, ब्याज दरों पर रहेगी सबकी नजर

- फेड की बैठक के साथ-साथ अमेरिका सरकार भी तीन बड़े आर्थिक आंकड़े जारी करेगी

वाशिंगटन । अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल और उनके सहयोगी मंगलवार से दो दिवसीय बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में ब्याज दरों को लेकर फैसला लिया जाएगा। यह बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब अमेरिका पर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है, व्यापार नीतियों में बदलाव हो रहे हैं और आर्थिक संकेतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस हफ्ते खास बात यह है कि फेड की बैठक के साथ-साथ अमेरिका सरकार भी तीन बड़े आर्थिक आंकड़े जारी करेगी, जीडीपी, रोजगार और महंगाई से जुड़ा आंकड़ा, जिसे फेड खास तौर पर देखता है। ज्यादातर जानकारों को उम्मीद है कि फेड इस बार भी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और उन्हें स्थिर रखेगा। अनुमान जताया जा रहा है कि अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका की आर्थिक गतिविधियों में बढ़त देखने को मिल सकती है, जिसकी मुख्य वजह व्यापार घाटे में तेज गिरावट हो सकती है। हालांकि, जुलाई महीने में रोजगार की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। वहीं, जून महीने की महंगाई दर में मामूली तेजी आने के संकेत हैं। अमेरिका की जीडीपी की सरकारी अनुमान रिपोर्ट में इस तिमाही के लिए सालाना आधार पर 2.4 फीसदी की वृद्धि दिखने की संभावना है, जबकि जनवरी-मार्च तिमाही में अर्थव्यवस्था में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, बुधवार को जारी होने वाली रिपोर्ट से साफ हो सकता है कि घरेलू मांग और कारोबारी निवेश में अभी भी ज्यादा तेजी नहीं आई है। एक सर्वे में विश्लेषकों का अनुमान है कि इस तिमाही में उपभोक्ता खर्च केवल 1.5 फीसदी बढ़ेगा, जो कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से लगातार दो तिमाहियों में सबसे कमजोर प्रदर्शन हो सकता है। साथ ही कमजोर हाउसिंग मार्केट का असर भी दूसरी तिमाही की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ा है। हफ्ते के अंत में आने वाली जुलाई की जॉब रिपोर्ट से संकेत मिल सकता है कि कंपनियां अब नई भर्तियों को लेकर अधिक सावधानी बरत रही हैं।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में हल्की बढ़त रही

- मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे, सरकार से नीतिगत सुधार की मांग

नई दिल्ली ।

त्योहारों के मौसम के करीब आने से घरेलू तेल-तिलहन बाजार में पिछले सप्ताह सरसों, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के दामों में मामूली सुधार देखा गया। वहीं मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से करीब 16-17 प्रतिशत नीचे थोक भाव पर कारोबार कर रहे हैं। इस वजह से मूंगफली तेल का व्यापार अपेक्षाकृत धीमा रहा। विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दामों में सुधार और रुपये के कमजोर होने से भी घरेलू बाजार पर प्रभाव पड़ा है। आयातक आर्थिक कठिनाइयों के कारण सोयाबीन डीगम तेल को लागत से भी कम दाम पर बेचने को मजबूर हैं। इससे तेल उद्योग की स्थिति कमजोर हुई है। आने वाली खरीफ फसल के बीच सरकार से इस स्थिति को लेकर गंभीर नीतिगत कदम उठाने की मांग की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पहले के कम एमएसपी वाले सोयाबीन और मूंगफली तेल की बिक्री में दिक्कत हो रही है, तो अधिक एमएसपी वाले आने वाले खरीफ फसल के तेलों का बाजार बनाना चुनौतीपूर्ण होगा। इसीलिए देशी तेल-तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है। साथ ही सरसों तेल के ऊंचे खुदरा दामों को नियंत्रित करने के लिए राशन दुकानों के माध्यम से वितरण पर भी विचार होना चाहिए। सरकार को सोयाबीन, मूंगफली और सूरजमुखी जैसे अन्य तेलों के खुदरा और थोक दामों की पारदर्शिता के लिए एक सरकारी वेब पोर्टल बनाने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा, कपास उत्पादन बढ़ाने और मिलावटी बिनौला खल के कारोबार पर रोक लगाने की भी सिफारिश की गई है, क्योंकि इससे किसानों को नुकसान हो रहा है। पिछले सप्ताह सरसों दाने के थोक भाव में 25 रुपये

की बढ़त के साथ 7,375-7,425 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सोयाबीन के दामों में भी 150 रुपये तक सुधार दर्ज किया गया। सीपीओ, पामोलीन और बिनौला तेल के भावों में भी हल्की बढ़त रही। कुल मिलाकर घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सुधार के बीच सरकार को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्थिरता के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

कोटक महिंद्रा बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा घटा

नई दिल्ली ।

कोटक महिंद्रा बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 40 फीसदी की गिरावट के साथ 4,472.18 करोड़ का समेकित शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। पिछले साल इसी अवधि में बैंक ने 7,448.16 करोड़ का मुनाफा कमाया था। इस गिरावट का प्रमुख कारण पिछले साल कोटक जनरल इंश्योरेंस (केजीआई) में हिस्सेदारी बेचने से प्राप्त 3,013 करोड़ का एकमुश्त लाभ था, जो इस तिमाही में नहीं मिला। हालांकि, यदि केजीआई सौदे को अलग कर देखें, तो बैंक का समेकित मुनाफा मामूली रूप से 1 फीसदी बढ़कर 4,472 करोड़ रहा, जो पिछले साल 4,435 करोड़ था। बैंक के स्टैंडअलोन नतीजों में भी कमजोरी दिखी। केजीआई सौदे को हटाकर देखा जाए तो शुद्ध मुनाफा 6.8 फीसदी घटकर 3,282 करोड़ रहा। शुद्ध ब्याज आय 6 फीसदी बढ़कर 7,259 करोड़ रही, लेकिन शुद्ध ब्याज मार्जिन घटकर 4.65 फीसदी हो गया, जो पिछले साल 5.02 फीसदी था। एनपीए और प्रावधानों में तेज़ बढ़ोतरी चिंता का कारण है। इस तिमाही में नए स्लिपेज 1,812 करोड़ रहे, जो साल-दर-साल 33 फीसदी ज्यादा हैं। प्रावधान 100 फीसदी से अधिक बढ़कर 1,208 करोड़ हो गए। बैंक का सकल एनपीए 1.48 फीसदी और शुद्ध एनपीए 0.34 फीसदी रहा।

एनएसडीएल का आईपीओ 30 जुलाई से खुलेगा

मुंबई। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने अपने 4,011 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 760 से 800 प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशक 29 जुलाई को ही बोली लगा सकेंगे। आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल पर आधारित है, जिसमें 5.01 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इससे कंपनी को कोई नया पूंजी निवेश नहीं मिलेगा। शेयर बेचने वालों में एनएसई, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईडीबीआई बैंक, यूनियन बैंक शामिल हैं। इस निर्गम के प्रमुख प्रबंधकों में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल, एचएसबीसी और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स शामिल हैं। उदाहरण के लिए, एनएसडीएल में शुरुआती निवेशकों को काफी लाभ हो सकता है, जबकि बाद के निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। एनएसडीएल में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले आईडीबीआई बैंक ने औसतन 2 रुपए प्रति शेयर की लागत पर अपनी हिस्सेदारी हासिल की थी, जो 39,000 प्रतिशत से अधिक के आश्चर्यजनक रिटर्न में तब्दील हो गई; इसकी हिस्सेदारी का मूल्य अब 4,176 करोड़ रुपए है, जो शुरुआती निवेश 10.44 करोड़ रुपए से अधिक है।

आखिर कब समझेंगे हम प्रकृति की मूक भाषा?

योगेश कुमार गोयल

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा।

पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है। प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का

नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्त्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें। जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें। प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

संपादकीय

सहमति से संबंध की वैध उम्र

न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सहमति से शारीरिक संबंध बनाने के लिए वैधानिक उम्र 18 वर्ष से घटा कर 16 वर्ष करने की शीर्ष अदालत से सिफारिश की है। चर्चित 'निपुण सक्सेना बनाम भारत संघ' मामले में सुप्रीम कोर्ट की सहायता करने वाली न्यायमित्र इंदिरा जयसिंह ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2012 और आईपीसी की धारा 375 के तहत 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोर एवं किशोरियों से जुड़ी यौन गतिविधियों का पूर्ण अपराधीकरण करने को चुनौती देते हुए अपनी लिखित प्रस्तुतियां दी हैं। दलील दी है कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए प्रेम संबंधों को अपराध मानता है, और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। अपनी स्थापना के पक्ष में उन्होंने जोरदार तर्क रखा है कि कानूनी ढांचा किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को गलत तरीके से दुर्व्यवहार के बराबर मानता है तथा उनकी स्वायत्तता, परिपक्वता और सहमति देने की क्षमता को अनदेखा करता है। सहमति की आयु 16 से बढ़ा कर 18 वर्ष करने को उचित ठहराने के लिए कोई तर्कसंगत कारण या अकाट? आंकड़ा भी नहीं है। इसके अलावा, यह भी ध्यान दिलाया है कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा आयु बढ़ाए जाने से पहले 70 वर्षों से अधिक समय तक आयु सीमा 16 वर्ष (शारीरिक संबंध बनाने के लिए सहमति की) ही रही थी। यह भी ध्यान दिलाया है कि आयु बिना किसी बहस के बढ़ा दी गई और ऐसा करते समय वर्मा समिति की सिफारिश की भी अनदेखी की गई। बेशक, यह सामयिक मुद्दा है, और इसे मौजूदा परिप्रेक्ष्य में ही देखा जाना चाहिए। आजकल किशोर समय से पहले ही यौवन प्राप्त कर लेते हैं, और अपनी पसंद के रोमांटिक और यौन संबंध बनाने में सक्षम होते हैं। फिर, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कर्षे के साथ ही वैज्ञानिक एवं सामाजिक आंकड़ों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए जो बताते हैं कि किशोरों में यौन रुझान असामान्य नहीं हैं। आयु संबंधी मौजूदा व्यवस्था किशोरों की सामान्य चेष्टाओं और रुझानों का अपराधीकरण करती है। यह आंकड़ा भी हतप्रभ करने वाला है कि 2017-21 के बीच 16-18 आयु वर्ग के नाबालिगों पर पॉक्सो कानून के तहत अभियोजन में 180 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जो अन्यायपूर्ण प्रतीत होता है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो: प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!' झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

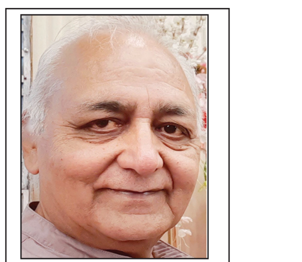

तनवीर जाफ़री

इस्त्राईल को लंबे समय से मिल रहे अमेरिकी संरक्षण से वैसे तो पूरी दुनिया भली भांति वाकिफ है। परन्तु अब इस अमेरिकी संरक्षण के चलते इस्त्राईल खासतौर से गजा में जिसतरह मानवता की लगातार बर्बर हत्या करता जा रहा है उसे देखकर दुनिया के अधिकांश देश न केवल इस्त्राईल के खिलाफ होते जा रहे हैं बल्कि उन्हें इस्त्राईल को दिया जाने वाला अमेरिकी संरक्षण भी अब रास नहीं आ रहा है। वास्तव में शांतिप्रिय मध्य एशिया में तबाही,बबार्दी व अशांति की इबारत लिखने वाला अमेरिकी संरक्षित इस्त्राईल ही है। 7 अक्टूबर 2023 को जब से दक्षिणी इस्त्राइल पर हमास द्वारा हमले किये गये और 251 लोगों को बंधक बनाया गया उसके बाद इस्त्राईली सेना (आईडीएफ) ने हमास की आतंकी कार्रवाई के जवाब में जिस तरह गजा पट्टी में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की और आज तक जारी है उसने इस्त्राईल व अमेरिका के अमानवीय चेहरे को पूरी तरह उजागर कर दिया है। गजा में बर्बरता और अत्याचार की हर सीमाओं को इस्त्राईल पार कर चुका है। रिहाइशी बस्तियों अस्पतालों स्कूलों शरणार्थी कैंपों धर्मस्थलों आदि को खंडहर बनाने के बाद अब भूखे निहत्थों को मार रहा है।

खबर है कि गजा में गजा ह्यूमनटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) की ओर से बांटा जा रहा खाना बहुत कम लोगों तक पहुंचने के कारण वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। कई बार ऐसी अमानवीय घटना भी घटी कि जब जीएचएफ के भोजन वितरण केंद्र पर मदद लेने के लिए भूख से तड़पते बच्चे व महिलायें भोजन की खातिर आकर लाइन में लगे उसी समय उन पर इसराइली सुरक्षा बलों ने गोलियां चला दीं जिससे दर्जनों लोग मरे गये। कई बार इस्त्राईली सुरक्षा बलों द्वारा भूखे शरणार्थियों को खाना देने के लिये बुलाया गया,बाद में लाइन में खड़े होने के बाद उनपर गोलीबारी कर अनेक लोगों की हत्या कर दी गई । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार पिछले दो महीनों में भोजन हासिल करने की कोशिश कर रहे एक हजार से अधिक फिलस्तीनी, इस्त्राईली हमलों में मारे जा चुके हैं। इनमें से कम से कम 766 लोगों की मौत उन चार वितरण केंद्रों के आसपास हुई है, जिन्हें जीएचएफ संचालित करता है। इसके अलावा 288 लोगों की मौत संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता केंद्रों के पास हुई है। सौ से अधिक सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि गजा में बड़े पैमाने पर मानव जनित भुखमरी फैल रही है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने इन हालात के लिए इस्त्राईल को ज़िम्मेदार ठहराया है क्योंकि वही फिलस्तीनी क्षेत्रों में भेजी जाने वाली सप्लाई को नियंत्रित करता है।

आम लोग ही नहीं बल्कि गजा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं। गजा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाजी लगाकर लाइनों में लगकर चैरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ एक बार दाल, चावल या पास्ता खा कर गुजारा करने को मजबूर हैं। कुछ पत्रकारों ने तो यहाँ तक बताया कि उन्होंने भूख दबाने के लिए नमक मिला पानी पीना शुरू कर दिया है। जरा सोचिये जिन पत्रकारों की बदौलत दुनिया को इस्त्राईली सेना के जुल्म और गजा के लोगों की बेबसी व बबार्दी की खबर सुनाई व दिखाई देती थी अगर वही पत्रकार व उनका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा तो अमेरिकी संरक्षित इस्त्राईल के काले करतूत दुनिया तक कैसे पहुंचेंगे ? इन्हीं हालात में अनेक अंतर्राष्ट्रीय राहत संगठन और मानवाधिकार समूह बड़े पैमाने पर भुखमरी फैलने की चेतावनी दे रहे हैं।

एक ओर तो इस्त्राईल-अमेरिका फिलिस्तीनियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले हमास को आतंकी संगठन बताकर उसकी आड़ में पूरे फिलिस्तीन पर नियंत्रण हासिल करने की फिराक में है तो दूसरी ओर यही इस्त्राईल-अमेरिकाअहमद हुसैन अल-शरा, जिसे अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है,को सीरिया में बशर अल असद का तख़्ता पलटकर उसे अंतरिम राष्ट्रपति बना देता है। यह वही जुलानी है जिसपर कुछ समय पहले तक अमेरिका ने दस मिलियन डॉलर का ईनाम घोषित कर रखा था। क्योंकि वह अलकायदा से जुड़ा था। 2017 में उसने अन्य कई आतंकी संगठनों के साथ मिलाकर हयात तहरीर अल-शाम ळठ्ठर नामक संगठन बना लिया था। अमेरिका ने ळठ्ठर को आतंकी लिस्ट में भी रखा था। अब अमेरिका ने उसके संगठन ळठ्ठर को आतंकी लिस्ट से भी हटा दिया है । गोया जो व्यक्ति अमेरिका के हर विभाजनकारी इरादों में साथ रहे वह उसके लिए आतंकवादी नहीं और जो उसके और इजरायल के खिलाफ हो या अपनी स्वतंत्र नीति रखता हो वह आतंकवादी घोषित हो जाता है चाहे वह ईरान जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र ही क्यों न हो ?

बहरहाल, अमेरिका को सर्वशक्तिमान मानने वाले व अमेरिकी रहमो करम पर जीने वाले कुछ अमेरिकी पिट्ठू देशों की शासकों व तानाशाहों की बात छोड़ दें तो पूरा विश्व खासकर मध्य एशियाई देश इस बात को समझ चुके हैं कि अब समय आ गया है कि किसी भी तरह इस्त्राईल को सबक सिखाया जाये और मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति दिलाई जाये। ईरान का भय दिखाकर सुन्नी शिया मतभेदों को बढ़ावा देना दरअसल अमेरिका की सुन्नी देशों के प्रति हमदर्दी नहीं बल्कि एक बड़ी चाल है जिसे मुस्लिम जगत अब बखूबी समझ चुका है। मुस्लिम जगत जुलानी की आड़ में सीरिया को बर्बाद करने की साजिश को भी समझ रहा है।परन्तु खबर यह भी है कि सीरियाई जनता भी अमेरिका इस्त्राईल के सीरिया के प्रति नापाक इरादों को भांप कर एकजुट होने लगी है। मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिका से मुक्त कराने के शुरूआत संकेत मिलने लगे हैं। ईरान ने गत 23 जून को कतर की राजधानी दोहा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर मिसाइलें दाग कर तथा इराक और सीरिया में भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना कर यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिकी सैन्य अड्डे मध्य एशियाई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही इराकी प्रतिरोध समूहों, विशेष रूप से कताइब हिजबुल्लाह, ने इराकी सरकार को यह चेतावनी जारी कर दी है कि वह अमेरिकी सेना को दो महीने के भीतर बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ऐन अल-असद बेस जैसे इराकी सैन्य ठिकानों, से पूरी तरह से हटने के लिए कहे। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को इस संबंध में पहले से सहमति के आधार पर कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, और अब केवल दो महीने बचे हैं। यानी सितंबर 2025 के अंत तक अमेरिका को इराक छोड़ने की चेतावनी दे दी गयी है। इस चेतावनी में यह भी कहा गया है कि अगर यह कार्रवाई समय सीमा में पूरी नहीं हुई, तो उनकी अलग राय होगी , हालांकि उन्होंने अलग राय को स्पष्ट नहीं किया।इस तरह की अनेक छोटी बड़ी घटनाओं व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही गोलबंदी को देखते हुये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि मध्य एशिया अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति के प्रयास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रेलवे ने डी डी क्यू ई एल का सफल परीक्षण किया

विनोद कुमार सिंह

VDU Screens ,Block Panels and Industrial Grade VDU Table

भारतीय रेलवे नए तकनीकों को अपना कर विकाश के पथ पर निरंतर नया अध्याय लिख रहा है। जो भारत के अलावे दुनिया के कई देशों मे चर्चा का विषय बना हुआ है। आजकल भारत में निर्मित रेल इंजन की कई देशों माँग हो रही है। वही रेलवे अपने पारम्म पारिक तकनीकी से सुधार व अनुसंसाधन कर कार्य प्रणाली को विकसित करने में लगातार प्रयासरत है। इसी श्रंखला में विगत वर्ष एक पायलट प्रोजक्ट के तहत रेलवे ने डायरेट ड्राइव क्यूसन मेक इलेक्ट्रोनिक इन्टरलाकिंग(ई एल) सिस्टम को अपनी ट्रैफिक व्यवस्था व सुरक्षा प्रणाली को लेकर परीक्षण के तौर स्थापित किया गया है। यह प्रणाली फिलहाल पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के ताजपुर स्टेशन व उतर रेलवे के जम्मु मंडल के दीनानगर देश की पहली सफल परीक्षण किया है। आपको बता दूँ कि यह नई व्यवस्था रेलवे के यातायात संचालन व सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता को विशेष रूप सें ध्यान में रख कर बनाये गए है। इस संदर्भ में पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन के आर एस मीणा,वरिष्ट मंडल सिगनल एव दूरसंचार अभियन्ता के अनुसार पुराने पैनल इंटरलॉकिंग सिस्टम को हटाकर नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। हमारे यहाँ पहली बार पारंपरिक तकनीक के स्थान पर अत्याधुनिक डायरेक्ट ड्राइव इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली को ताजपुर रेलवे स्टेशन पर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है। इस नई प्रणाली के लागू होने से पश्चिम रेलवे,डायरेक्ट ड्राइव सिस्टम को अपनाई गयी है। वहीं उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल द्वारा भी भारतीय रेलवे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। इस नए प्रणाली के लागु होने से रेलवे के संचालन में दक्षता और सुरक्षा में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। इस नई प्रणाली की सफलता को लेकर जम्मू मंडल के रेल प्रबंधक विवेक कुमार ने डायरेक्ट इन्टर लॉकिंग सिस्टम की महत्वपूर्ण विशेषताओं के बारे में कहा कि यह प्रणाली रेलवे सिग्नलिंग और पॉइंट मशीनरी को सीधे नियंत्रित करती है,जिससे मानवीय त्रुटि की संभावना कम हो जाती है। यह सिस्टन सुनिश्चित करता है कि ट्रेनों का सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित हो,जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम कम हो। इस प्रणाली की एक महत्वपूर्ण विशेषता ट्रेनों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करती है व ट्रेन संचालन की दक्षता में सुधार करती है। इस से यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव भी मिलेगा। भारतीय रेलवे इस प्रणाली को अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी लागू करने की योजना बना रही है। यह भारतीय रेलवे को आधुनिक,सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यहाँ पर आप के मन में प्रशन उठना स्वाभाविक है कि यह डायरेक्ट ड्राइव सिस्टम आखिर क्या है? मै यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ कि डायरेक्ट ड्राइव ई एल प्रणाली सिग्नलिंग गियर को सीधे नियंत्रित करती है। जो एक कंप्यूटर-आधारित प्रणाली है। जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई सिग्नल केवल तभी क्लियर हो जब ट्रेन संचालन की सभी सुरक्षा शर्तें पूरी हो चुकी हों,उदाहरण के लिए निम्न बिन्दु के माध्यम से समझने की कोशिस करते है।

ड्संबंधित रूट के सभी पॉइंट्स सही दिशा में सेट और लॉक हों,लाइन पूरी तरह से अवरोध मुक्त हो,

ड्रूट में आने वाला लेवल क्रॉसिंग गेट बंद और सुरक्षित हो। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि एक समय में केवल एक ही सिग्नल उस रूट के लिए क्लियर हो जिससे परस्पर विरोधी ट्रेन संचालन रोका जा सके।

पहले की परंपरागत ईएल सिस्टम में सिग्नलिंग गियर को ऑपरेट करने के लिए अलग से रिले की आवश्यकता होती है,जबकि नए डायरेक्ट ड्राइव ई एल प्रणाली में यह सीधे गियर को नियंत्रित करता है। यह प्रणाली गियर की स्थिति को स्वतः पहचानती है,जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना नगण्य हो जाती है। चुँकि रिले एक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल डिवाइस है,इससे जुड़ी तकनीकी विफलताएँ भी डायरेक्ट ड्राइव प्रणाली में बहुत कम हो जाती हैं।

इस नए डायरेक्ट ड्राइव ई एल से तकनीकी लाभ को समझने का प्रयास करते है। इसमें ऑप्टिकल फाइबर केबल के उपयोग से पारंपरिक कॉपर केबल की आवश्यकता 60-70% तक कम हो जाती है, जिससे विद्युत तड़ित प्रभाव से सुरक्षा मिलती है। इससे रिले की संख्या भी लगभग 70% तक कम हो जाती है, जिससे रख रखाव लागत कम होती है और किसी भी फॉल्ट का पता लगाना आसान हो जाता है। इस प्रणाली में सिगनलिंग क्षेत्र में एक क्रांतिकारी तकनीक के रूप में उभर रही है। यह न केवल संरक्षा को उच्च स्तर पर सुनिश्चित करती है, बल्कि रखरखाव में भी सुगमता और लागत में कमी लाती है। आने वालें दिनों में इस प्रणाली को अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी लागू करने की योजना बना रहा है। जों रेलवे को आधुनिक,सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होने वाला है। रेलवे कें उच्च अधिकारियों का कहना है कि इस नई प्रणाली से न केवल सुरक्षा और दक्षता में सुधार होगा,बल्कि यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव भी मिलेगा।

क्राइम ब्रांच ने रेव पार्टी पर मारा छापा, 7 लोगों के साथ पूर्व मंत्री एकनाथ के दामाद भी गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने रेव पार्टी पर छापामार कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर का नाम भी शामिल हैं। रेव पार्टी स्थल से पुलिस ने कोकेन सहित कई नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। पुलिस ने रविवार सुबह बताया कि पुणे शहर के पॉश खराडी इलाके में एक स्टूडियो अपार्टमेंट में रेव पार्टी की सूचना मिली थी, इस पर अपराध शाखा की टीम ने छापामार कार्रवाई की। छापेमारी में पुलिस ने गांजा, शराब और हुक्का जैसे नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। इसी के साथ पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। जानकारी अनुसार प्रांजल खेवलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) की नेता एडवोकेट रोहिणी खडसे के पति हैं। इंस्टाग्राम प्रोफाइल में प्रांजल एक उद्यमी, समाजसेवी और डॉक्टर भी हैं। एक अन्य जानकारी अनुसार वे व्यवसायी और निर्माता भी हैं। उन्होंने अपने बैनर समर प्रोडक्शंस के तहत बनाए गए संगीत वीडियो ना होना तुमसे दूर से मनोरंजन उद्योग में भी कदम रखा था। इस पूरे मामले में पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे का कहना है कि इस घटना के बारे में अभी उन्हें विशेष जानकारी प्राप्त नहीं हुई है और वे अधिक जानकारी जुटा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच लोग गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान चलाकर आईएसआई समर्थित एक अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को बताया कि इस कार्रवाई में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए गिरोह के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध थे। आरोपियों के पास से एक ए.के. सैगा 308 असॉल्ट राइफल, दो मैगजीन, दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल (चार मैगजीन सहित), एके राइफल के 90 कारतूस, पिस्तौल के 10 कारतूस, 7.50 लाख रुपये नकद, एक कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। डीजीपी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह खेप गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के सहयोगी नव पंडोरी को पहुंचाई जानी थी। इससे आतंकवाद और गैंगस्टर नेटवर्क के बीच साठगांठ की पुष्टि होती है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन और गोरा सिंह (रंगगढ़ गांव), शेनशान उर्फ शालू (रसूलपुर कल्लर, अमृतसर), सनी सिंह और जसप्रीत सिंह उर्फ मोटू (रूपनगर) के रूप में हुई है।

दिल्ली एलजी ने टॉकीजों को लाइसेंस देने का अधिकार अब सरकार को सौंपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने टॉकीज, थिएटर और मल्टीप्लेक्स को लाइसेंस देने का अधिकार पुलिस से वापस ले लिया और सरकार को दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को जारी एक आदेश में एलजी ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वह संबंधित पुलिस अधिकारियों को चलचित्र अधिनियम के तहत लाइसेंस देने से संबंधित मामलों से तत्काल प्रभाव से अलग रहने का निर्देश दें। अधिकारी ने बताया कि लाइसेंसिंग व्यवस्था को और उदार बनाने व दिल्ली में कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से उठाए गए इस कदम से संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली समिति के पास लाइसेंस देने की सिफारिश करने का अधिकार होगा। समिति में संबंधित एमसीडी जोन के उपायुक्त, लोक निर्माण विभाग के सचिव की ओर से नामित एक संरचनात्मक इंजीनियर, दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी की ओर से नामित एक अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ और बिजली विभाग के सचिव की ओर से नामित एक विद्युत प्रणाली विशेषज्ञ शामिल होंगे। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि भी जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित किया जाएगा। एलजी ने स्विमिंग पूल, भोजनालय, होटल, गेस्ट हाउस, डिस्कोथेक, वीडियो गेम पार्लर, मनोरंजन पार्क और ऑडिटोरियम समेत सात श्रेणियों के व्यवसायों को लाइसेंस जारी करने का अधिकार भी पुलिस से वापस ले लिया था।

झज्जर में लिंग जांच गिरोह का भंड़ाफोड़, 55000 रुपए में करते थे सौदा

-पुलिस ने नकली ग्राहक बनाकर बिछाया जाल, आरोपी मां-बेटा गिरफ्तार

झज्जर (एजेंसी)। हरियाणा के झज्जर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध लिंग जांच गिरोह का भंड़ाफोड़ किया है। आरोपियों में मां और बेटा भी शामिल हैं। दोनों की गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने दो दिनों के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मामले की मुख्य आरोपी डॉ. हेमलता खुद को बीएएमएस डॉक्टर बताती थी और उसने इस पूरे घटनाक्रम में बाहरी लोगों के साथ ही अपने बेटे को भी शामिल किया था। मामले में पोर्टेबल अल्ट्रसाउंड से गर्भ की जांच करने वाले दिल्ली नांगलोई के एक ऑपरेटर की पुलिस को तलाश कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग की टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी कि झज्जर में हेमलता नामक एक महिला जो खुद को बीएएमएस डॉक्टर बताती है गर्भ में पल रहे लिंग की जांच करती है। बाद में संबंधित गर्भवती महिला को उसके पेट में बेटी होने का हवाला देकर अपने क्लीनिक पर ही उसका गर्भपात कर मोटी रकम ऐंठती है। इस सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इस गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए एक नकली ग्राहक को तैयार किया जो चार महीने की गर्भवती थी। इस ग्राहक ने पीएनडीटी टीम के कहने पर डॉ हेमलता को फोन किया और कहा कि उसको पहले तीन लड़कियां हैं और उसको अब लड़का चाहिए। वह अल्ट्रासाउंड जांच करवानी है। कुछ देर बातचीत के बाद डॉ हेमलता ने इस नकली ग्राहक के साथ 55000 रुपए में लिंग जांच का सौदा तय किया। उसने पैसे लेकर अपने घर बुलाया।

सरकार ने चेताया कहा- दूसरों को बलि का बकरा बनाने की कोशिश न करे एयर इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद एयर इंडिया पर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। हादसे के बाद विमानों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं जाहिर की जाने लगी हैं। इसी के चलते केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय और टाटा संस व एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखकरन के बीच मैराथन मीटिंग हुई है। इस मीटिंग में सरकार की तरफ से दो अहम सुझाव दिए गए हैं। इनमें से पहला सुझाव यह है कि एयर इंडिया के सभी डिपार्टमेंट में जिम्मेदार अपनी भूमिका निभाएं। दूसरों को बलि का बकरा बनाने से बचें। सुरक्षा संबंधी सभी फैसले अहम पदों पर बैठे लोग खुद लें और किसी अन्य के भरोसे न छोड़ें। इसके अलावा फ्लाइट के रख-रखाव को लेकर भी सुझाव दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि खानापूर्ति से काम नहीं चलने वाला है।

इस बैठक में अहमदाबाद में हुए हादसे के साथ-साथ तमाम अन्य छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर भी बात हुई है। बैठक में केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू, सचिव समीर कुमार सिन्हा और डीजीसीए चीफ फैज अहमद किदवई ने एयर इंडिया के चेयरमैन चंद्रशेखरन से मुलाकात की। इस दौरान एयर इंडिया की सुरक्षा को पुख्ता बनाने को लेकर चर्चा हुई। चंद्रशेखरन ने इस दौरान मिले सुझावों को लागू करने पर सहमति भी जताई। मामले की जानकारी रखने वालों के मुताबिक उड़ान से पहले कुछ विभागों की भूमिका काफी अहम हो जाती है। इनमें सुरक्षा, ट्रेनिंग, मेन्टेनेंस, इंजीनियरिंग और इंटीग्रेटेड ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर है। ऐसा सामने आया है कि इनमें से कुछ डिपार्टमेंट्स में केवल खानापूर्ति हो रही है। पदों पर कोई और बैठा है, फैसले कोई और ले रहा है। एयर इंडिया मैनेजमेंट और उड्डयन मंत्री के बीच बैठक के दौरान एक और अहम बात सामने आई। मैनेजमेंट ने बताया कि पूर्व में क्रैश हुए विमानों (एआई 171 नहीं) की चीजें गुरुग्राम स्थित मेगा कॉम्प्लेक्स में रखी हुई हैं। इसमें सीटें, इंस्ट्रूमेंट्स, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर आदि हैं। बहुत से कर्मचारियों को यह पसंद नहीं आया है। वह इन चीजों को देखकर एक तरह की निगेटिविटी से भर जाते हैं कि इन्हीं सीटों पर किसी की जान निकली होगी। बहुत से कर्मचारियों ने कहा कि हमें बहुत ज्यादा सकारात्मकता की जरूरत है। हम उन सीटों को देखकर अंदर से डर जाते हैं।

कई अन्य हादसों का जिक्र

12 जून को एयर इंडिया 171 के साथ हुए हादसे के अलावा अन्य छोटे-बड़े हादसों पर मंत्रालय ने एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की हैं। चंद्रशेखरन के साथ हुई बैठक में भी इन बातों का जिक्र हुआ। यह भी सामने आया है कि जांच के दौरान एयर इंडिया के कई अधिकारियों ने पूछताछ के दौरान कुछ अहम बातें बताईं। इसमें कुछ लोगों को बलि का बकरा बनाने की बातें भी कही गईं। जैसे, 21 जून को डीजीसीए ने एयर इंडिया के तीन अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए। इन्हें लाइसेंसिंग, रेस्ट आदि में लापरवाही का जिम्मेदार बताया गया।

राज ठाकरे मातोश्री पहुंच उद्धव को दी जन्मदिन की बधाई

-इससे 6 साल पहले बेटे की शादी का देने गए थे न्योता

मुंबई (एजेंसी)। राज और उद्धव ठाकरे के बीच की दूरियां अब धीरे-धीरे समाप्त हो रही हैं। यही वजह है कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) चीफ राज ठाकरे रविवार को उद्धव ठाकरे से मिलकर बधाई देने मातोश्री आए हैं। यहां राज ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को गुलदस्ता भेंट कर गले लगाया और जन्मदिन की बधाई दी है। यहां बताते चलें कि इस मुलाकात से 6 साल पहले 2019 में राज ठाकरे मातोश्री आए थे। दरअसल तब वे उद्धव ठाकरे परिवार को अपने बेटे अमित की शादी का न्योता देने आए थे। और पीछे की बात करें तो 2012 में राज मातोश्री तब आए थे जबकि बालासाहेब ठाकरे बीमार चल रहे थे। बहरहाल 20 साल बाद 5 जुलाई को उद्धव और राज मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली के दौरान साथ-साथ नजर आए तभी कयास लगाए जा रहे थे कि अब ये नजदीकियां बढ़ती जाएंगी। इस अवसर पर दोनों ने ही आगे साथ-साथ चलने और मिलकर राजनीति करने के संकेत भी दिए थे। यही कारण है कि उद्धव के जन्मदिन पर राज खुद मातोश्री पहुंचे हैं और उन्हें गले लगाकर बधाई दी है।

सिर्फ उपाधि देने से कोई बाबा साहेब अंबेडकर नहीं बन सकता

–राहुल गांधी दूसरा अंबेडकर साबित होंगे के बयान पर केंद्रीय मंत्री ने कसा तंज

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा है कि राहुल गांधी दूसरा अंबेडकर साबित होंगे। इस पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सिर्फ उपाधि देने से कोई अंबेडकर नहीं बन सकता। राहुल गांधी को अंबेडकर की उपाधि देने पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि उनकी पार्टी उन्हें जो भी उपाधि दे, कोई नहीं रोक सकता है, लेकिन बाबासाहेब अंबेडकर बनने के लिए कठोर तपस्या, गहरी सोच, अध्ययन और खुले विचारों की जरूरत है। सिर्फ उपाधि देने से कोई अंबेडकर नहीं बन सकता। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को जोधपुर में थे। वहां झालावाड़ में स्कूल भवन गिरने से हुई दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और कहा कि जांच पूरी होने के बाद निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि ऐसा हादसा भविष्य में दोबारा न हो। इसके लिए सभी सरकारी विद्यालयों और सार्वजनिक भवनों का ऑडिट करवाया जाएगा। सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस संबंध में निर्देश भी दिए जा चुके हैं।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर उन्होंने कहा कि इस्तीफा देना या मांगना राजनीतिक प्रेरित बयान होते हैं। जो कुछ हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था और टाला जा सकता था। अब हमें इससे सबक लेने की जरूरत है। इस दौरान नीतीश कुमार सरकार को लेकर चिराग पासवान की हालिया टिप्पणी पर शेखावत ने कहा कि ऐसे विषयों पर फौरी टिप्पणी करना जरुरी नहीं। एनडीए के सभी घटक दल एकजुट हैं और बिहार चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी। बता दें बिहार की आपराधिक घटनाओं पर चिराग ने कहा था कि मुझे शर्म है ऐसी सरकार को समर्थन देने में, जहां अपराध बेलगाम हो चुका है। बिहार में युवती से एंबुलेंस में दुष्कर्म की घटना पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान कि अपराध इतना बढ़ गया है कि अपराधी सम्राट बन गया है।

गुजरात में मॉनसून फिर भारी बारिश, कई जिलों में रेड और ओरेंज अलर्ट जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में मॉनसून फिर सक्रिय हो गया है, जिसके चलते राज्य में बारिश शुरु हो गई है। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हुई बारिश में सबसे ज्यादा बारिश बनासकांठा के वडगाम में साढ़े सात इंच दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण शहर में जलभराव हो गया और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए।

इसके अलावा मोडासा में सवा छह इंच, तलोद में साढ़े पांच इंच, सिद्धपुर में सवा पांच इंच, कपराडा और दहेगाम में पांच इंच दर्ज की गई। इसके अलावा दीसा में 95 मिमी दर्ज की गई। डांग में 82.5 मिमी, अहमदाबाद में 47 मिमी, सूरत में 39 मिमी, गांधीनगर में 28 मिमी, राजकोट में 9 मिमी, बडोदा में 3 मिमी और वेरावल में 2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

आईएमडीद ने रविवार को अगले कुछ घंटों के दौरान प्रदेश के बनासकांठा, साबरकांठा, अरावल्ली, खेड़ा, पाटण, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद और सुरेंद्रनगर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके अलावा भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, कच्छ, मोरबी, जामनगर, राजकोट, बोटाद, भावनगर, आणंद, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, छोटा उदयपुर, वडोदरा, आणंद, नवसारी, डांग और वलसाड़ जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

रविवार को मौसम विभाग ने तापी, नवसारी,छोटा उदयपुर, नर्मदा और वलसाड जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में अत्यधिक भारी तथा कुछ स्थानों पर अति भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही इन जिलों में तेज हवाएं चलने और बिजली गिर सकती है। इसके अलावा साबरकांठा, अरावल्ली, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, वडोदरा, भरूच, सूरत और डांग जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में बहुत भारी बारिश होन का पूर्वानुमान लगाया है।

सोमवार को मौसम विभाग ने साबरकांठा, अरावल्ली और महिसागर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही इन जिलों में तूफान आने व बिजली गिरने की संभावना है। इसके अलावा विभाग ने बनासकांठा, पाटण, मेहसाणा, सुरेंद्रनगर, पंचमहल, दाहोद, छोटा उदयपुर, नर्मदा और नवसारी जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान यहां बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

29 जुलाई को मौसम विभाग ने बनासकांठा और साबरकांठा जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी कर बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसके साथ ही इन जिलों में तूफान आने व बिजली गिरने की भी उम्मीद है। उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे झारखंड पर बना अवदाब बहुत तेज़ी से करीब पश्चिम की ओर बढ़ा और उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे पूर्वी मध्य प्रदेश पर केंद्रित हो गया। इसके मध्य प्रदेश में लगभग पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और धीरे-धीरे कमजोर होकर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना है। औसत समुद्र तल पर मॉनसून की द्रोणिका अब अनूपगढ़, चुरू, ग्वालियर, रीवा, उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे झारखंड पर अवदाब के केंद्र, पुरुलिया, कोंटाई से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक जा रही है।

फर्जी दूतावास चलाने वाले हर्षवर्धन को इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी

जांच एजेंसियां आरोपी जैन को रिमांड पर लेकर करेंगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजियाबाद,(ईएमएस)। फर्जी दूतावास चलाने वाले हर्षवर्धन जैन के खिलाफ यूपी एसटीएफ ने इंटरपोल से संपर्क कर रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया है। खुद को राजदूत कहने वाले हर्षवर्धन से जुड़े रसूखदारों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एसटीएफ और पुलिस की जांच में कुछ नए खुलासे हुए हैं। कई देशों में शेल कंपनियां खोलकर करोड़ों के लेनदेन के मामले में जैन के 18 खातों की जांच की जा रही है। इसकी पूरी रिपोर्ट इनकम टैक्स और ईडी को भी भेजी गई है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शहर के कई रसूखदारों ने भी आरोपी के जरिए मोटी रकम इधर से उधर की है। ऐसे में वे भी कानून के शिकंजे में फंस सकते हैं। वहीं जांच एजेंसियां अब आरोपी को रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए सोमवार को कोर्ट में अर्जी लगाई जाएगी। रिमांड पर पूछताछ के बाद कड़ियों को जोड़ा जाएगा। हर्षवर्धन जैन के यहां काम करने वाले कुछ लोगों के साथ ही करीबियों को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी है, ताकि उनसे भी सुराग मिल सके।

बता दें कविनगर में रहने वाले हर्षवर्धन जैन पर आरोप है कि वह खुद को कई देशों का राजदूत बताकर लोगों को विदेश में काम दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करते थे। इसके चलते एसटीएफ से शिकायत की गई। फिर उसके घर पर छापेमारी की गई। उसके पास से विदेश मंत्रालय की कई मोहर व दस्तावेज मिले थे। घर में कई देशों की करंसी, विदेश मंत्रालय की मोहर, 20 जोड़े डिप्लोमैटिक कार की नंबर प्लेट, 12 फर्जी पासपोर्ट, हर्षवर्धन नाम के दो पैन कार्ड, कई देश व कंपनियों की 34 मोहरें, 12 कंपनियों की महंगी घड़ी, लैपटॉप, मोबाइल और आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड व दो प्रेस कार्ड समेत अन्य पेपर बरामद हुए।

बता दें हर्षवर्धन जैन ने लंदन से एमबीए किया है। वहां रहते हुए वह तांत्रिक चंद्रास्वामी के संपर्क में आए। चंद्रस्वामी ने जैन की मुलाकात आर्म्स डीलर अदनान खरगोशी और एहसान अली सैयद से कराई। एहसान के साथ मिलकर हर्षवर्धन ने कई शेल कंपनियां खड़ी कीं। इनमें करोड़ों रुपए का ट्रांजैक्शन करने का आरोप है। अब एसटीएफ और पुलिस कड़ियां जोड़ने में लगी हैं। सबसे पहले उसके साथ काम करने वाले कुछ कर्मचारी और करीबियों को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी है।

गोरखपुर में अपहरण के सबसे ज्यादा मामले, ज्यादातर लड़कियों के गायब होने के

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में 64 अपहरण के मामले दर्ज हुए हैं। वहीं, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महराजगंज में यह आंकड़ा 117 तक पहुंच गया है। पुलिस का दावा है कि 60 फीसदी से ज्यादा मामलों में पीड़ित को बरामद किया है, लेकिन कई मामले ऐसे भी हैं जहां पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है। जनवरी 2025 से अब तक गोरखपुर में 64, कुशीनगर में 40, महराजगंज में 7 और देवरिया में 6 अपहरण के मामले दर्ज किए गए। इनमें से ज्यादातर मामलों में नाबालिग लड़कियों के गायब होने की शिकायत है। जांच में कई मामले प्रेम-प्रसंग से जुड़े निकले, जबकि कुछ मामलों में परिजन की सूचना पर जबरन अपहरण की एफआइआर दर्ज कराई गई है।

पुलिस रिकार्ड के मुताबिक अब तक कुल मामलों में से करीब 60 फीसदी ही वर्कआउट हो सके हैं। गोरखपुर में सबसे अधिक 64 मामले दर्ज हैं, जिनमें 39 मामलों में बरामदगी की हुई है। शेष 25 मामले अब भी अधूरे हैं या विवेचना लंबित है। कुछ मामलों में पीड़ित पक्ष ने थानों में लापरवाही का आरोप भी लगाया। रामगढ़ताल क्षेत्र से लापता किशोरी की लोकेशन मुंबई में मिलने पर दारोगा ने पिता व रिश्तेदारों को भेज दिया। चार दिन मुंबई में भटकने के बाद वह लौट आए। किरकिरी होने पर अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम भेजी गई।

बता दें फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आज भले कम हो गई हों, लेकिन एक दौर था जब डॉक्टर, उद्योगपति और नामी लोग सुरक्षित नहीं थे। 1999 से लेकर 2010 तक हर साल कोई न कोई वारदात सामने आई जिसमें अपहरण कर फिरौती मांगी गई, कई लोगों को पुलिस ने बड़ी मशक्कत से छुड़ाया, ऐसे लोग भी हैं जो फिरौती देकर छूटे। एक समय ऐसा था जब अपहरण शब्द लोगों के ज़ेहन में बैठ गया था। 1999 में गोरखनाथ के प्रसिद्ध डाक्टर का अपहरण हुआ। तीन साल बाद फिरौती के लिए बदमाश एक उद्योगपति को उठा ले गए। 2007 में शहर के दो डॉक्टरों का अपहरण हुआ। अपहर्ता उन्हें बिहार उठा ले गए जहां दियारा व सीमावर्ती गांवों में उन्हें छिपाकर रखा गया। इसके अलावा एक छात्र के अपहरण पर भी हंगामा मचा था।

गीडा के पिपरौली गांव के अलीम का सात वर्षीय अर्श स्कूल से घर नहीं लौटा। अपहर्ताओं ने 50 हजार की फिरौती मांगी, लेकिन बाद में 20 हजार पर आ गए। जब तक पुलिस कुछ कर पाती, पड़ोसी शेर अली और उसके दो बेटों ने अर्श की हत्या कर दी थी। शव बोरे में भर कर पोखरे के पास फेंक दिया गया। 2020 में जंगल धूषण इलाके से बलराम का अपहरण हुआ। पिता महाजन के पास एक करोड़ की फिरौती की मांग आई, लेकिन जब तक पुलिस सक्रिय हुई, बलराम की हत्या हो चुकी थी। मामले में नौ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

जगदीप धनखड़ की कुर्सी चली गई पर कारणों की तलाश में अटकलों का दौर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिए करीब एक सप्ताह होने को है। इसके बाद भी इस्तीफा क्यों हुआ इसको लेकर अटकलों का दौर शुरु हो गया। मतलब जितने मुंह उतनी बातें शुरु हो गईं। कभी कहा गया कि धनखड़ की सरकार से अपेक्षाएं कुछ ज्यादा ही बढ़ गई थीं वो चाहते थे कि सभी सरकारी दफ्तरों में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ उनकी भी तस्वीर लगाई जाए। अब कहा जा रहा है कि संसद टीवी में एक अफसर की नियुक्ति को लेकर भी विवाद खड़ा हुआ था। ऐसे कई कारण है जो इस्तीफे की असल वजह बताए जा रहे हैं।

दावा किया जा रहा है कि जगदीप धनखड़ ने अप्रैल में संसद टीवी के सचिव और इंचार्ज के रूप में एक अधिकारी की नियुक्ति करने के लिए अपने अधिकारों से परे जाकर काम किया। क्या वही नियुक्ति की कोशिश असल में उपराष्ट्रपति के इस्तीफे का कारण बना? जी हां, सरकारी टॉप सूत्रों ने इसे 'तख्तापलट जैसी स्थिति' कहा। अप्रैल में जगदीप धनखड़ ने एक ऐसी नियुक्ति की कोशिश की, जिसे केवल कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ही कर सकती है। यह कोशिश तब हुई, जब पीएम विदेश में थे और उनकी नियुक्ति रोकने के लिए सरकार के टॉप अफसरों को दखल देना पड़ा।

सूत्र के मुताबिक, जगदीप धनखड़ चाहते थे कि अप्रैल में तत्कालीन सचिव रजीत पुहनानी को कौशल विकास सचिव बनाए जाने के बाद एक जूनियर अधिकारी संसद टीवी के सचिव और प्रभारी का कार्यभार संभाले। ये एसीसी के पद हैं और राज्यसभा इन पर अधिकारियों की नियुक्ति नहीं कर सकती। राज्यसभा, लोकसभा, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति इन पर नियुक्तियां नहीं कर सकते। अधिकारियों का चयन केंद्र सरकार की प्रस्तावित सूची में से किया जाना चाहिए। अधिकारियों का आवंटन एसीसी का काम है और केवल वही नियुक्तियां वैध मानी जाती हैं। जगदीप धनखड़ नियुक्ति वाला आदेश जारी करने वाले थे। सूत्रों ने आरोप लगाया, 'प्रधानमंत्री विदेश में थे और टॉप अधिकारियों को इसे रोकने के लिए दखल देना पड़ा। यहां तक कि उस अधिकारी को भी ज्वाइन न करने के लिए कहा गया। उसे बताया गया कि उसकी नियुक्ति अवैध है और कानूनी संकट पैदा होगा। इस नियुक्ति को टालने के लिए कैडर नियंत्रित प्राधिकरणों, पीएमओ और राज्यसभा सचिवालय के बीच कई कॉल किए गए। अधिकारी को यहां तक सुझाव दिया गया कि अगर ज्वाइन करने का दबाव आता है और राज्यसभा सचिवालय आदेश जारी करता है तो वह छुट्टी पर चला जाए। सूत्रों ने आरोप लगाया कि जगदीप धनखड़ ने अपने घर की शिफ्टिंग के दौरान भी बहुत तनाव पैदा किया था। इसके चलते सरकार ने उनकी शिकायत पर तत्कालीन शहरी विकास सचिव को बदल दिया था।

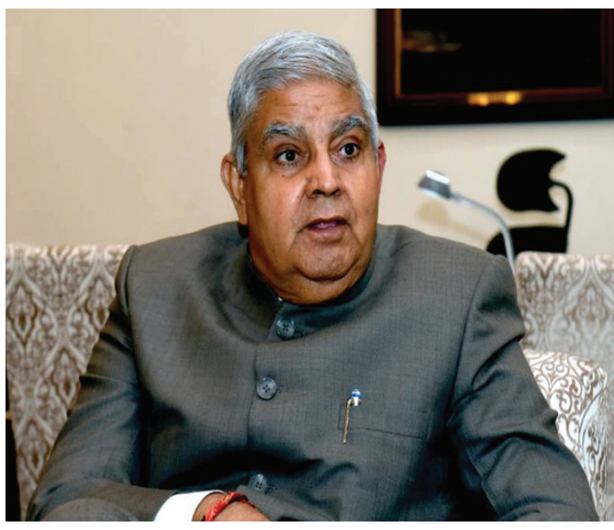

काम करते-करते थक जाती हैं आपकी कलाइयां

तो रोजाना करे ये 6 स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

क्या आप भी दिनभर काम करने के बाद अपनी कलाइयों के दर्द से परेशान रहते हैं? तो आप भी अब इन तरीकों से अपने कलाइयों की एक्सरसाइज कर कलाइयों के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। अक्सर लोगों के साथ ऐसा कई बार होता है कि जब वह पूरा दिन कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करने के बाद शरीर में थकावट हो जाती है। इसके साथ ही लगातार काम करने से उनकी कलाइयों में दर्द महसूस होता है। जरूरी नहीं की काम की वजह से ही ऐसा हो कई बार ज्यादा बाइक चलाने से भी या फिर जिम करने से इस तरह का दर्द होने लगता है। इन सब चीजों से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना कलाइयों की एक्सरसाइज कर सकते हैं। यहां आपको कलाइयों के एक्सरसाइज के बारे में कुछ तरीके बताएंगे जो आपको आपकी कलाइयों के दर्द या फिर उसे आराम देने का काम करेगी।

कलाई को नीचे की ओर खीचें

आप अपने हाथ को अपने सामने लाकर सीधा करें और कलाई को नीचे की तरफ खींचें। आप अपने दूसरे हाथ से अपनी कलाई को नीचे की और खींचने की कोशिश करें। अपनी कलाई को करीब 20 से 30 सेकेंड खींचे रखे। ऐसा ही अपने दूसरे हाथ की कलाई को करें। यह आपकी कलाई की नसों को खोलने का काम करेगी और साथ ही आपकी कलाई को आराम देगी।

मुट्ठी बनाएं और आराम से खोलें

कलाई को आराम देने के लिए आप एक मुट्ठी बनाएं जिसे आप करीब 4 से 5 सेकेंड के बाद खोलें और अपनी उंगलियों को खींचें। इस एक्सरसाइज से आपकी उंगलियों पर भी असर होगा। और साथ ही आपकी उंगलियां का दर्द कम होगा और काम करने के लिए तैयार हो जाएंगी। उनमें किसी तरह की कोई थकावट महसूस नहीं होगी।

टेनिस बॉल का करें प्रयोग

अगर आपको लग रहा है की आपकी कलाई से आपको काफी थकावट महसूस हो रही है तो आप टेनिस बॉल के साथ एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपको रोजाना करनी चाहिए खासकर उन लोगों को जिनका रोजाना का काम कंप्यूटर या फिर लैपटॉप का होता है।

कलाई को चारों और घूमाएं

आप अगर अपनी कलाई को जकड़ा हुआ या फिर दर्द महसूस कर रहे हैं तो आपको अपनी कलाई को चारों और घुमाकर एक्सरसाइज करनी होगी। आप पहले तो अपनी कलाई में मुट्ठी बना लें। इसके बाद आप अपने हाथ को अपने सामने लाएं और धीरे-धीरे इसे चारों और घुमाएं। इस एक्सरसाइज में आप पहले अपनी कलाई को घड़ी की तरह घुमाएं फिर उल्टा घुमाना शुरू करें। इससे आपकी कलाइ को धीरे-धीरे आराम मिलेगा। और जकड़न को खत्म करने में मदद मिलेगी। अगर जिम करते समय आपको महसूस हो रहा है कि कलाई में दर्द या फिर कमजोर हो रही है यानी उतनी मजबूत नहीं है जितनी होनी चाहिए। तो आप जिम में ही कलाई की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

जिम में करें कलाई की एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज खासतौर पर कलाइयों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए पहले बैठ जाएं और अपने हाथ को जांघ पर रखते हुए हथेलियों को नीचे की तरफ रखें। अब 8-10 किलो वजन वाले डम्बल को हाथ से पकड़े और कलाइयों पर जोर डालते हुए उसे थोड़ा सा उठाने की कोशिश करें। इसे करते समय अपनी कोहनी को न उठाएं सिर्फ कलाइयों और हथेली का प्रयोग करें। इसे कम से कम 20 बार दोहराएं।

डम्बल के साथ करें एक्सरसाइज

कलाइयों को मजबूत करने के लिए आप 4-5 किलो के डंबल को हथेली पर रखें और फिर उंगलियों को अंदर की तरफ मोड़कर उसे पकड़कर हथेली से कलाई तक रोल कराएं। फिर उंगलियों को वापस शुरुआती पोजीशन में ले जाएं। इसे कम से कम 10-15 बार करें। यह आपकी कलाई को और मजबूत करने में मदद करेगी।

क्या जीवन बीमा बीच जिंदगी के संकट दूर करने में सहायक हो सकता है?

जीवन काल के मध्य में हर व्यक्ति संकट की स्थिति से गुजरता है, जब उम्मीदों का वास्तविकता से सामना होता है। सामान्य तौर पर, युवावस्था में भावनात्मक एवं वित्तीय दृष्टि से व्यक्ति काफी संतुष्ट रहता है लेकिन 30 की उम्र शुरू होने के बाद से 45 और 55 की उम्र के बीच संतुष्टि का स्तर लगातार घटता जाता है। यही वो समय होता है, जब व्यक्ति भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से अपने जीवन सफर के हासिल को लेकर मजबूती से सवाल करता है। और यदि इस तरह के विश्लेषण के बाद, उसके जीवन का हासिल उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होने पर, उसे मानसिक तनाव हो सकता है।जानिए कैसे एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान उन्हें बेहतर प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

चिंता 1: क्या मैं अपने बच्चे केभविष्य की आर्थिक रूप से रक्षा कर सकूंगा?

हम जानते है कि एक कुलीन संस्थान में 2 साल का एमबीए कोर्स, जिसकी कीमत आज लगभग 6 लाख रुपए है, 20 साल बाद लगभग 40 लाख रुपए हो जाएगी। लेकिन अच्छी खबर यह है कि कई बीमा योजनाएं हैं जो आपके बच्चे की भविष्य की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए हैं। यह एक बच्चे की योजना, एक यूलिप या एक पारंपरिक मनी-बैक योजना हो, आप अपनी आवश्यकता के अनुकूल एक का चयन कर सकते हैं। यहां अनुशासित आवधिक भुगतानों के साथ आप बच्चे के भविष्य के लिए एक कोष जमा कर सकते हैं। यदि पॉलिसी की परिपक्वता से पहले आपके साथ कुछ होता है, तो लंबित प्रीमियम यह सुनिश्चित करने से छूट जाते हैं कि पॉलिसी जारी है, और आपके बच्चे के सपने सुरक्षित हैं।

चिंता 2: बहुत अधिक और सेवानिवृत्ति केबारे में नहीं सोचना?

आपको सेवानिवृत्ति के बाद कितने पैसे की आवश्यकता होगी? यह निश्चित रूप से चिंता का कारण बन सकता है। जीवन बीमा का उपयोग सेवानिवृत्ति की योजना के लिए कई तरीकों से किया जा सकता है। आप ऐसे उत्पादों का चयन कर सकते हैं जो जीवन रक्षा की पेशकश करते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित आय पैदा करने में मदद करेंगे। एक संपूर्ण जीवन बीमा बचत योजना या एक गारंटीकृत रिटर्न योजना, ऐसी नीतियां हैं जो न केवल असामयिक मृत्यु के मामले में सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि नियमित आय की पेशकश भी करेंगी या आय पोस्ट रिटायरमेंट में मदद करने के लिए एकमुश्त कॉर्पस बनाएंगी।

चिंता 3: चिकित्सा आपात स्थिति के लिए वित्त?

आप गंभीर बीमारी नीतियों या सवारों के लिए चुन सकते हैं जो कैंसर, दिल के दौरे या कई अंग विफलता जैसी बीमारियों के निदान पर पॉलिसीधारकों को नकद भुगतान की पेशकश करते हैं। ये योजनाएं आपको एकमुश्त भुगतान के साथ कम प्रीमियम पर उच्च कवर प्रदान करती हैं। वे न केवल आपके आय प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि व्यय प्रबंधन करने में सहायता भी प्रदान करते हैं जैसे कि अस्पताल के दौरे, डॉक्टर के शुल्क, घर के किराए आदि पर खर्च किए गए पैसे।

चिंता 4: क्या होगा अगर मैं 40 के दशक में अपनी नौकरी खो दूं?

जीवन में कई घटनाएं हो सकती हैं, जिससे आय में कमी हो सकती है जैसे कि आर्थिक मंदी, स्वास्थ्य की समस्या, दुर्घटना के कारण आ शिक या स्थायी विकलांगता आदि के कारण जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जो आपकी आय को सुरक्षित करती हैं और मासिक भुगतान की गारंटी देती हैं। नौकरी छूटने के दौरान निर्दिष्ट अवधि। इसके अलावा, जीवन बीमा कवर के लिए गारंटीकृत बचत योजनाओं या व्यक्तिगत दुर्घटना और प्रीमियम की छूट जैसी सवारियां वित्तीय रूप से सहायता करने के लिए सुसज्जित होती हैं, जब कोई नौकरी छूट जाती है। देखें कि क्या आप इसे से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं, और अपने मध्य जीवन की चिंता से मुक्त जश्न मनाने के लिए एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान के साथ अंतर के भरें।

पराग राजा, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस

काबुली चने की चाट

सामग्री

- 200 ग्राम काबुली चने या छोले
- 50 ग्राम मटर के दाने
- 1 मध्?यम आकार का प्याज
- 2 हरी मिर्च
- 2 चम्मच तेल
- 1 चुटकी सरसों
- 1 चुटकी उड़द की दाल
- मीठा नीम
- 1 चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक।

विधि

शाम की चाय के साथ चटपटी काबुली चना चाट बनाने के लिए सबसे पहले छोलों को 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद अब छोलों में थोड़ा सा नमक और चुटकी भर सोड़ा डालकर उन्हें उबाल लें। अब मटर के दाने को गरम पानी में एक-दो बार उबालकर उसका पानी निथार लें। अब प्याज और हरी मिर्च बारीक काटकर एक कढ़ाई में तेल गरम करके उसमें उड़द की दाल, राई या सरसों में से एक चीज डालकर भून लें। अब इसमें मिर्च, मीठा नीम डालकर फ्राई करे लें। इसके बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनने के बाद उसमें चने मिला दें। इस से थोड़ा नमक डालकर चनों को अच्छे से मिला लें। अब ऊपर से नींबू का रस धनिया काटकर बुरक दें। आपकी स्पाइसी काबुली चना चाट बनकर तैयार है। इसे शाम की चाय के सर्व करें।

सेब की चटनी

सामग्री

- हरे सेब- चार
- गुड़- एक बडा चम्मच (कतरा हुआ)
- जीरा- एक छोटा चम्मच
- सरसों- एक छोटा चम्मच
- मिर्च पाउडर- एक छोटा चम्मच
- गरम मसाला पाउडर- एक छोटा चम्मच
- आलिव/रिफाइंड ऑयल- एक बड़ा चम्मच
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले सेब का छिलका उतारकर उसे कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में ऑलिव ऑयल डालकर उसे गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें सरसों डालकर भूनें। इसके बाद मिर्च, जीरा, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर डालें और उसे हल्का सा भूनें। मसाले भुनने के बाद सेब, नमक और गुड़ पैन में डालें और मध्यम आंच पर लगभग पन्द्रह मिनट तक पकाएं। जब चटनी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तो समझ जाएं कि यह तैयार हो गयी है। अब गैस को बंद कर दें। लीजिए, सेब की चटनी तैयार हुई। ठंडा होने पर इसे स्नैक्स अथवा भोजन के साथ परोसें। चाहें तो सेब की चटनी फ्रिज में रख कर 7-8 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को यह चटनी बेहद पसंद आएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 5023

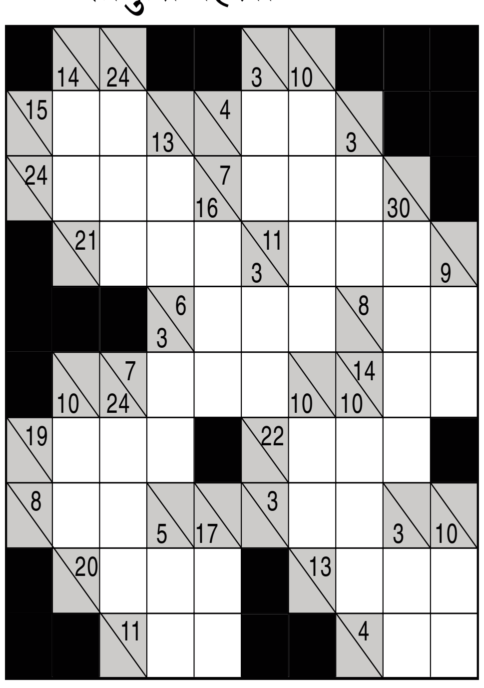

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

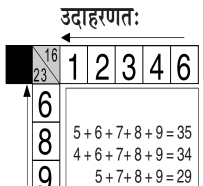

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 5022 का हल

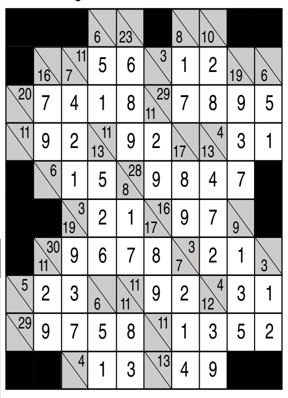

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5023

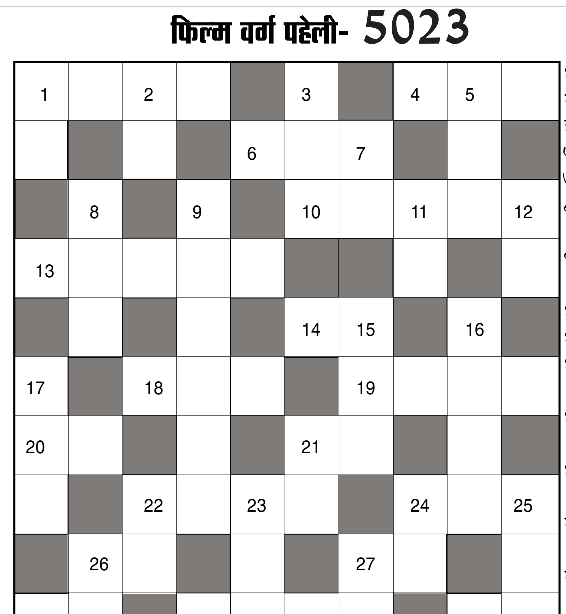

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5022

सूडोकु -5023

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5022 हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 5023

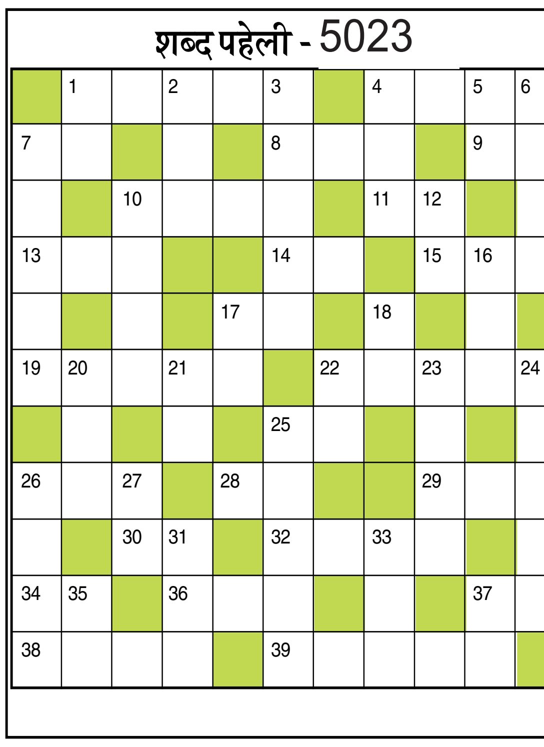

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -5022 का हल

दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश में ऑर्गेनिक खेती के नाम पर किसानों के साथ धोखाधड़ी का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश में ऑर्गेनिक खेती के नाम पर किसानों के साथ धोखाधड़ी का आरोप लगाया। सांसद सिंह ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की स्थापना की गयी थी और इसके तहत एनपीओपी प्रोग्राम शुरू किया गया। इस योजना के अंतर्गत किसानों के समूह बनाकर उन्हें प्रमाणन देने की प्रक्रिया अपनाई गयी और प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपए का अनुदान देने का प्रावधान किया गया, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है। उन्होंने कहा कि देशभर में बनाए गए 6046 समूहों को आईसीएस कहा जाता है, जिनके जरिए करीब 24 लाख किसानों को जैविक खेती के तहत रजिस्टर्ड किया गया, लेकिन असल में इनमें से अधिकांश किसानों को न तो ऑर्गेनिक खेती की जानकारी है और न ही वे किसी प्रमाणित प्रणाली का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सर्टिफिकेशन एजेंसियों और व्यापारियों की मिलीभगत से इन किसानों के नामों का दुरुपयोग कर फर्जी लेन-देन प्रमाणपत्र हासिल किए गए और बड़ी मात्रा में नकली जैविक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचा गया। सांसद सिंह ने कहा कि इसमें करीब 2.1 लाख करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है।

राहुल गांधी के ओबीसी वाले बयान पर भाजपा हमलावर, कांग्रेस पार्टी को बताया सबसे भ्रष्ट पार्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के ओबीसी को लेकर दिए बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमलावर है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कड़ी आलोचना करते हुए कांग्रेस को सबसे भ्रष्ट पार्टी बताया। गौरव भाटिया ने भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा कि सबसे भ्रष्ट पार्टी ने कल ओबीसी समाज पर एक सम्मेलन आयोजित किया। राहुल गांधी ने खुद हमेशा ओबीसी समाज और प्रधानमंत्री, जो ओबीसी समाज से आते हैं, का अपमान किया। उनपर भ्रष्टाचार समेत कई गंभीर आरोप हैं और वह जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सम्मेलन में कहा कि आपके आदर्श यहां बैठे हैं। राहुल गांधी के अनुसार वह आदर्श सिद्धारमैया हैं, जिन पर मुडा घोटाले का आरोप है। भूपेश बघेल और उनके बेटे पर कई घोटालों का आरोप है। केन्द्र सरकार ने देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का संकल्प लिया है, लेकिन राहुल गांधी कहते हैं कि जो भ्रष्ट हैं, उनमें नेता बनने के गुण हैं। राहुल गांधी भ्रष्टाचार करने वाले को अपना आदर्श मानते हैं। गांधी परिवार नकली है, ये लोग भ्रष्टाचार करते हैं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए

बीजापुर/सुकमा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए। घटनास्थल से चार माओवादियों के शव और हथियार बरामद किए गए हैं। बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस अभियान के दौरान आज सुबह से ही सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। अब तक सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से 04 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। साथ ही इंसास/एसएलआर राइफलों सहित कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी बरामद हुई हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि ऑपरेशन अभी भी जारी है। इसलिए मुठभेड़ के स्थान, ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती, ताकि ऑपरेशन में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अशोक गजपति राजू बने गोवा के 20वें राज्यपाल, ली पद और गोपनीयता की शपथ

पणजी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के वरिष्ठ नेता अशोक गजपति राजू ने गोवा के 20वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन पणजी स्थित राजभवन में किया गया, जहां उन्हें बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। 74 वर्षीय गजपति राजू ने पीएस श्रीधरन पिल्लई का स्थान लिया, जिनका चार वर्षीय कार्यकाल हाल ही में संपन्न हुआ। पिल्लई को 24 जुलाई को राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी गई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर राजू ने कहा कि वे लोगों की सेवा करते हुए भारत के संविधान का पालन करेंगे। उन्होंने कहा, हम सभी एक टीम के रूप में काम करते हैं और मुझे खुशी है कि मैं गोवा वासियों के साथ जुड़ा हुआ हूं। उन्होंने कहा, हालांकि मुझे स्थानीय भाषा समझ नहीं आती और इस (राज्यपाल) कार्यालय में यह मेरी पहली नियुक्ति है, लेकिन राजनीतिक व्यवस्था में मेरा लंबा अनुभव रहा है। आंध्र प्रदेश के दो राज्यों में विभाजित होने से पहले मैं 7 बार विधायक रहा था। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में उनका कार्यकाल बहुत छोटा रहा था। मैं सरकार में मंत्री के रूप में अंदर-बाहर होता रहा हूं और विपक्ष में भी बैठा हूं।

केंद्र दे रही तमिलनाडु में ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर जोर : नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। विनिर्माण और ऊर्जा को राज्यों के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में उनकी सरकार ने तमिलनाडु में दोनों क्षेत्रों में समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्रिटेन और मालदीव की सफल यात्रा के पश्चात शनिवार रात तमिलनाडु के तूतीकोरिन पहुंचे। यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने 4800 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार अपने प्रयासों से आज विकसित तमिलनाडु और विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रही है। देश में बड़े और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास का महाअभियान चल रहा है। इसी क्रम

में भारत सरकार तमिलनाडु के इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने का भी प्रयास कर रही है। तमिलनाडु में पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को उच्च तकनीक युक्त बनाया जा रहा है। साथ ही एयरपोर्ट, हाईवे और सड़क मार्गों को भी आपस में जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश भर में आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास का एक भव्य अभियान चल रहा है। हाल ही में, इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना, चिनाब पुल, इस प्रगति का प्रतीक बन गया है। पहली बार, जम्मू को श्रीनगर से रेलमार्ग से जोड़ा गया है। अटल सेतु और बोगीबील पुल से लेकर सोनमर्ग सुरंग तक, एनडीए सरकार के कार्यकाल में ऐसी कई परिवर्तनकारी परियोजनाएं पूरी हुई हैं, जिनसे हज़ारों रोज़गार के अवसर पैदा हुए हैं। विकास परियोजनाओं के लिए तमिलनाडु के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साल फरवरी में उन्होंने सैकड़ों करोड़ के विकास परियोजनाओं की शुरुआत की थी।

भारत और यूके के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विश्व के भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और भारत के नए आत्मविश्वास का प्रतिनिधित्व करता है। हम आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत ब्रिटेन समझौता तमिलनाडु के युवाओं और छोटे उद्योगों एमएसएमई क्षेत्र और स्टार्टअप को ला पहुंचाएगी।

बांग्लादेश के बीएनपी नेता की पत्नी बंगाल से गिरफ्तार, 30 साल से रह रही थी भारत में

एजेंसी

कोलकाता। उत्तर 24 परगना के बनगांव इलाके में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बांग्लादेश के एक बीएनपी नेता की पत्नी को गिरफ्तार किया गया। इस महिला की मदद से बीएनपी नेता फर्जी पहचान पत्र बनवाकर भारत में अवैध रूप से रहने के साथ ही मतदान प्रक्रिया में भी हिस्सा लेता रहा है। इस मामले में आरोपित की पत्नी शेरफुल मंडल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि उसका पति रेजाउल मंडल, जो बांग्लादेश की विपक्षी पार्टी बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) से जुड़ा था, करीब 30 साल पहले अवैध रूप से सीमा पार कर भारत आया था और अब कुछ महीने पहले वापस बांग्लादेश लौट चुका है। रेजाउल ने पश्चिम बंगाल के बागदा इलाके के बागी गांव में स्थानीय महिला ने शेरफुल मंडल से विवाह किया था। उस वक्त उसने अपनी पहचान छिपाकर खुद को भारतीय बताया और धीरे-धीरे स्थानीय नागरिक की तरह जीवन बिताने लगा। आरोप है कि अपनी सास को 'मां' बताते हुए उसके नाम पर फर्जी दस्तावेज भी बनवाए गए ताकि परिवार की नागरिकता वैध प्रतीत हो सके। इतना ही नहीं, रेजाउल भारत में मतदान भी कर चुका है। पुलिस को इस पूरे मामले का सुराग तब मिला जब रेजाउल के बेटे फिरोज पर एक युवती को भगाने का आरोप लगा। इसी मामले की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि रेजाउल और उसका बेटा दोनों ही बांग्लादेशी हैं।

कांग्रेस को स्वतंत्र होकर अकेले चुनाव लड़ना चाहिए - जीतन राम मांझी

एजेंसी

पटना। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के कांग्रेस के कार्यकाल में जातीय जनगणना नहीं कराए जाने को लेकर गलती मानने को लेकर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि जो गलती मान ले, उसे माफी दी जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस को स्वतंत्र होकर अकेले चुनाव लड़ने की भी सलाह दी।

पटना में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि महागठबंधन में जितने दल हैं, वे लोग एससी के प्रति सही रवैया नहीं रख रहे हैं। अगर ऐसे लोगों के साथ कांग्रेस है, तो यह सही नहीं है। कांग्रेस को भले एक सीट नहीं मिले, लेकिन कांग्रेस को स्वतंत्र होकर अकेले चुनाव लड़ना चाहिए। हो सकता है एक-दो बार उन्हें नुकसान हो, लेकिन बाद में बिहार की जनता उन्हें आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के अन्य दलों जहां रहेंगे, दलित और अति पिछड़े उनके खिलाफ जाएंगे। कांग्रेस अगर अच्छा करना चाहती है, तो उसे इंडी गठबंधन को छोड़ देना चाहिए। उन्होंने पत्रकार पेंशन की राशि बढ़ाए जाने को लेकर प्रसन्नता जताते हुए इसे अच्छा कदम बताया। उन्होंने कहा

कि हमारी सरकार ने पहले ही यह निर्णय लिया था, उसे आज आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूरा कर दिया। यह बड़ी खुशी की बात है। बिहार में अपराध को लेकर सहयोगी दल के नेता चिराग पासवान द्वारा सवाल उठाए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि चिराग पासवान को मौजूदा एनडीए सरकार के ऊपर कोई टिप्पणी करने से पहले 2005 के पहले के दौर का अध्ययन कर लेना चाहिए। 2005 के पहले अपराधी अपराध करने के बाद सीएम हाउस में जाकर समझौता कर लिया करते थे। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि मैं एक ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं, जो अपराध और अपराधियों के साथ कोई समझौता नहीं करती। अपराधी भले ही घटना को अंजाम दें, लेकिन वे सलाखों के पीछे भी जाते हैं। मांझी ने कहा कि चिराग जो बातें कह रहे हैं, वह एनडीए के सहयोगी होने के नाते उचित नहीं है। उन्हें अपनी बात एनडीए की बैठक में रखनी चाहिए। सीट शेयरिंग को लेकर इस तरह का दबाव बनाना सही नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एनडीए में जिसकी जितनी ताकत होगी, उतनी सीट उसे मिल जाएगी। उनकी पार्टी की तरफ से सीट बंटवारे को लेकर कोई डिमांड नहीं है।

हिमाचल में 26-31 जुलाई तक भारी बारिश का येलो अलर्ट, 153 मौतों के साथ 1,436 करोड़ का नुकसान

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग ने एक बार फिर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 26 जुलाई से 31 जुलाई तक लगातार छह दिन कई जिलों में येलो अलर्ट लागू किया गया है। 26 जुलाई को मंडी, शिमला और सिरमौर, 27 जुलाई को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी, 28 जुलाई को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर, 29 जुलाई को हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला, जबकि 30 और 31 जुलाई को भी भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। प्रदेश में मानसून के चलते इस सीजन में अब तक भारी तबाही हुई है। 20 जून से अब तक हुई बारिश और आपदाओं में 153 लोगों की मौत हो चुकी है, 252 लोग घायल हुए हैं और 34 लोग अभी भी लापता हैं। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 31 लोगों की मौत और 27 लोग लापता हुए हैं। कांगड़ा में 22, चंबा में 17, कुल्लू में 15, शिमला और ऊना में 11-11, हमीरपुर और सोलन में 10-10, किन्नौर में 9, बिलासपुर में 8, लाहौल-स्पीति में 5 और सिरमौर में 4 लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में अब तक 1,291

मकानों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें से 414 घर पूरी तरह ढह गए हैं। सबसे ज्यादा मंडी जिले में 978 मकानों को नुकसान हुआ, जिनमें 375 घर पूरी तरह गिर गए। मौजूदा मानसून सीजन में 21,500 पोल्ट्री पक्षियों और 1,376 पशुओं की भी मौत दर्ज की गई है। अब तक की सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, हिमाचल को इस मानसून में करीब 1,436 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को 700 करोड़ रुपये और जलशक्ति विभाग को 494 करोड़ रुपये का हुआ है। भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं के चलते प्रदेश के कई क्षेत्रों में जनजीवन पटरी पर नहीं लौट पाया है। तक राज्य में एक नेशनल हाईवे समेत 221 सड़कें अभी भी बंद हैं। मंडी जिले में एनएच-70 मंडी-कोटली मार्ग सहित कुल 144 सड़कें बंद हैं। कुल्लू जिले में 48 सड़कें अवरुद्ध हैं। इसके अलावा प्रदेश में 56 बिजली के ट्रांसफार्मर और 139 पेयजल योजनाएं भी बाधित हैं।

रिटायरमेंट के बाद अग्निवीरों को यूपी पुलिस में मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर अग्निवीरों को यूपी पुलिस में आरक्षण देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार रिटायर होने वाले अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देगी। सीएम योगी ने सुझाव दिया कि हर जिले में सैनिकों के बलिदान को सम्मान देने के लिए युद्ध स्मारक बनाए जाएं, ताकि नई पीढ़ी को प्रेरणा मिले। इसके साथ ही, सैनिकों के सम्मान में सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने आगे कहा, ÷हमारी सरकार सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव रखती है। इसलिए, हमने फैसला किया है कि अग्निवीर के रूप में देश की सेवा करने वाले जवानों को रिटायरमेंट के बाद यूपी पुलिस में 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। योगी ने देश

सेवा में सर्वस्व अर्पित करने वाली सेना को नमन करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ÷ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना ने अपनी ताकत और बहादुरी का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने मात्र 22 मिनट में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट कर उसे सबक सिखाया। मुख्यमंत्री ने 1965 और 1971 के युद्धों में सैनिकों के बलिदान को भी याद किया। उन्होंने कहा, ÷उन वीर सैनिकों की स्मृतियां आज भी हमें प्रेरित करती हैं। हमें अपने आसपास के उन जवानों को याद करना चाहिए, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान दी। सभा को संबोधित करते हुए, सीएम योगी ने कहा, ÷कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, सभी परिवार, पूर्व सैनिक और सभी क्षेत्रों के नागरिक एक साथ आए हैं क्योंकि पूरा देश भारत माता की रक्षा करने वाले हमारे साहसी सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। कारगिल युद्ध की परिस्थितियों को याद करते हुए सीएम योगी ने कहा, हम सभी जानते हैं कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान द्वारा थोपा गया था। मई 1999 में, कारगिल के पास स्थानीय चरवाहों ने पहाड़ों पर घुसपैठ देखी और भारतीय सेना को सूचित किया। सेना ने तत्कालीन सरकार को सूचित किया और जब चेतावनी के बाद भी वे (पाकिस्तान) नहीं रुके, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा उनके खिलाफ ऑपरेशन विजय शुरू किया गया।

असम के डिमा हसाओ जिले में अवैध मस्जिद पर चला जिला प्रशासन का बुलडोजर

एजेंसी

डिमा हसाओ (असम)। असम के पहाड़ी जिलों में से एक, डिमा हसाओ के औद्योगिक शहर के रूप में प्रसिद्ध उमरंगसू के तीन किलो क्षेत्र में स्थित सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए एक जामा मस्जिद पर बुलडोजर चलाते हुए बेदखली अभियान चलाया गया। आरोप है कि उमरंगसू के तीन किलो क्षेत्र में वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से मस्जिद बनाई गई थी। इसलिए, राज्य सरकार के चल रहे बेदखली अभियान के तहत, जिला प्रशासन और वन विभाग ने सरकारी जमीन खाली कराने के लिए एक मस्जिद को गिरा दिया। लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि उमरंगसू के तीन किलो क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की संख्या बढ़ रही है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि संदिग्ध लोग स्थानीय आदिवासियों के घरों को किराए पर ले रहे हैं या जमीन पर घर बनाकर उन जगहों पर बस्तियां

बसा रहे हैं। इनमें से एक मस्जिद वन विभाग की जमीन पर अवैध रूप से अतिक्रमण करके बनाई गई थी। आखिरकार जिला प्रशासन और वन विभाग ने बुलडोजर चलाकर मस्जिद को ध्वस्त कर दिया और अतिक्रमण हटा दिया। हालांकि, प्रशासन ने उमरंगसू के तीन किलो के इलाके में इस मस्जिद के अलावा किसी और घर को नहीं हटाया है।

हिमाचल में दो नेशनल हाईवे और 211 सड़कों पर आवाजाही ठप, अगले चार दिन भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और भूस्खलन के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम तक प्रदेश में दो नेशनल हाईवे सहित कुल 211 सड़कें बंद पड़ी हैं। मंडी और कुल्लू जिलों में एक-एक नेशनल हाईवे बाधित है। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 139 सड़कें और कुल्लू में 45 सड़कें मलबा गिरने व भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हैं।

इसके अलावा 31 बिजली के ट्रांसफार्मर और 141 पेयजल योजनाएं भी ठप पड़ी हुई हैं। मंडी जिले में 24 ट्रांसफार्मर और 79 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं, जबकि कांगड़ा जिले के धर्मशाला और नूरपुर उपमंडलों में 59 पेयजल योजनाएं ठप हो गई हैं। मानसून

सीजन की शुरुआत से अब तक प्रदेश में भारी तबाही का आलम रहा है। 20 जून से अब तक बारिश जनित आपदाओं से 155 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 257 लोग घायल हुए हैं और 34 लोग अब भी लापता हैं। मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां 31 लोगों की मौत और 27 लोग लापता हुए हैं। इसके अलावा कांगड़ा में 23, चंबा में 17, कुल्लू में 15, शिमला में 12, ऊना में 11, हमीरपुर और सोलन में 10-10, किन्नौर में 9, बिलासपुर में 8, लाहौल-स्पीति में 5 और सिरमौर में 4 लोगों की जान गई है। भारी बारिश और भूस्खलन से मकानों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। अब तक प्रदेश में कुल 1312 मकानों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें से 417 पूरी तरह से ढह गए हैं। अकेले मंडी जिले में ही 986 मकानों को नुकसान हुआ है, जिसमें से 375 मकान पूरी तरह जमींदोज हो गए हैं। वहीं, 21500 पोल्ट्री पक्षी और 1376 मवेशियों की भी मौत हुई है। प्रदेश में इस मानसून सीजन के दौरान अब तक करीब 1438 करोड़ रुपये की क्षति आंकी गई है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है, जिसे करीब 700 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके बाद जलशक्ति विभाग को 495 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

उधर से गोली चलेगी तो इधर से गोला चलेगा, यही आज के भारत का न्यू नॉर्मल है: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज का भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बदलता भारत है, जो दुश्मन के घर में घुसकर मारता है। अगर कोई हमें छेड़ेगा तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। उधर से गोली चलेगी तो इधर से गोला चलेगा। यह आज के भारत का न्यू नार्मल है। जेपी नड्डाकारगिल विजय दिवस के मौके पर भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कारगिल के हीरो और उनके परिवारजनों को सम्मानित किया। इस मौके पर आयोजित एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया और शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। मौके पर केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, भाजपा संसदीय बोर्ड की

सदस्य डॉ सुधा यादव, भाजपा महासचिव अरुण सिंह, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा सहित कई नेता मौजूद रहे। जेपी नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि हर साल की तरह हम इस बार भी 26वां कारगिल विजय दिवस मना रहे हैं। हम उन जवानों को, वीर सपूतों को और सेना के शौर्य को आज के दिन याद करते हैं। हम उन सभी अमर शहीदों को दिल से नमन करते हैं। हम सभी को मालूम है कि 26 साल पहले 1999 में कारगिल सेक्टर, द्रास सेक्टर, बटालिक सेक्टर, टाइगर हिल आदि पर पाकिस्तान की फौज ने चोरी-छिपे कब्जा करने का प्रयास किया था। उस समय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने हुक्म दिया कि हमारी सेनाएं उस स्थान को फिर से वापस लें और वहां तिरंगा झंडा फहराया जाए। भारत का टाइगर हिल है और भारत का रहेगा। इसके बाद कारगिल विजय का अभियान शुरू हुआ और हमारी वीर सेना ने, रणबांकुरों ने पाकिस्तानी फौज को धूल चटाकर विजय प्राप्त कर लिया।

उन्होंने कहा कि जबसे नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश का कार्यभाल संभाला है, तबसे यह स्पष्ट हो गया है कि उधर से गोली चलेगी तो इधर से गोला चलेगा। ये आज भारत का न्यू नॉर्मल हो गया है। अगर कोई हम पर अटैक करेगा तो उसको भरपूर जवाब दिया जाएगा, यह हमारा न्यू नॉर्मल है। जेपी नड्डा ने कहा कि हम सब जानते हैं चाहे उरी की घटना हो या पुलवामा की घटना हो...भारतीय सेना ने सर्जिकल और एयर स्ट्राइक कर पीओके में उनके सारे लॉन्चिंग पैड को ध्वस्त कर दिया। इसी तरह पहलगाम की घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान के अंदर घुसकर हमारी भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के रांची आगमन को लेकर तैयारियां तेज, उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

एजेंसी

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दो दिवसीय रांची प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में एक अहम बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही है। उनके 31 जुलाई और 1 अगस्त के दौरे को देखते हुए रांची में बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वागत-सत्कार एवं कार्यक्रम स्थलों की तैयारी से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रपति का दौरा त्रुटिरहित और गरिमामयत ढंग से संपन्न होना चाहिए। उन्होंने साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवा, पेयजल, शौचालय, पार्किंग व्यवस्था, अग्निशमन और रूटलाइन सुरक्षा जैसे अहम पहलुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समय पर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। पुलिस प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया। उपायुक्त ने अधिकारियों से सजगता एवं संवेदनशीलता के साथ जिम्मेदारियां निभाने की अपील की। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि तैयारियों की नियमित समीक्षा की जाएगी।

पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज: सेना का स्वदेशी 155 मिमी आर्टिलरी गोला-बारूद का सफल परीक्षण

एजेंसी

जोधपुर। जैसलमेर की पोकरण फायरिंग रेंज में भारतीय सेना ने स्वदेशी 155 मिमी आर्टिलरी गोला-बारूद का सफल परीक्षण किया। सेना की कोणार्क कॉर्प्स के जवानों ने साबित किया कि देश आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ रहा है। पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय सेना ने एक बार फिर ताकत का शानदार प्रदर्शन किया। यह फायरिंग न सिर्फ टेक्नोलॉजी का टेस्ट थी बल्कि यह संदेश भी था कि सेना हर मोर्चे पर तैयार है। भारतीय सेना ने अभ्यास का नाम दिया- जोरदार, घातक व बेजोड़ और हर फायर में यही कहा- हम तैयार हैं। सैन्य सूत्रों के अनुसार पोकरण की रेत पर लाउड, लेथल (घातक) और अनमैच्ड (बेजोड़) भारतीय ताकत

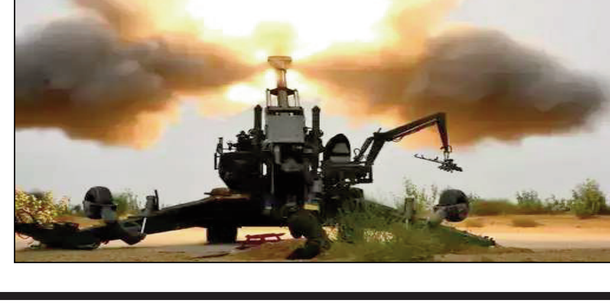

का नजारा देखने को मिला। कोणार्क ने साबित कर दिया कि भारतीय सेना सिर्फ रक्षा नहीं करती बल्कि रणनीतिक बढ़त भी हासिल करती है। यह परीक्षण रणनीतिक रूप से बेहद अहम था। इससे न सिर्फ सेना की मारक क्षमता बढ़ी है बल्कि स्वदेशी रक्षा उत्पादन को भी नई ऊर्जा मिली है। मेक इन इंडिया का यह मॉडल अब युद्ध क्षेत्र में भी प्रभावशाली रूप ले रहा है। हर एक फायर ने यही कहा, हम तैयार हैं।

इस साल नाग मिसाइल का हुआ था सफल परीक्षण: भारत ने पोकरण में ही अपनी तीसरी पीढ़ी की स्वदेशी एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल नाग का सफल टेस्ट किया था। यह टेस्ट जनवरी महीने में किया गया था। इसके दौरान मिसाइल ने तीन अलग-अलग लक्ष्यों को पूरी सटीकता के साथ ध्वस्त किया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक नाग मिसाइल अब भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह मिसाइल 230 मीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से अपने लक्ष्य पर हमला करती है और चार किलोमीटर दूर स्थित दुश्मन को मात्र 17-18 सेकेंड में नेस्तनाबूद कर सकती है।

एशिया कप से बीसीसीआई नहीं हट सकता, भारत-पाक मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार होगा : सूत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से हट नहीं सकता और एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) की बैठक में भारतीय बोर्ड द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा।

ACC ने शनिवार को एशिया कप का कार्यक्रम जारी किया और पुष्टि की कि भारत और पाकिस्तान के बीच लीग चरण का मुकाबला 14 सितंबर को होगा क्योंकि उन्हें मेजबान UAE और ओमान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। BCCI सूत्रों ने बताया, 'BCCI अभी टूर्नामेंट या मैच से हट नहीं सकता। ष्टष्ट की बैठक के बाद इस फैसले पर सहमति बनी थी। चूंकि भारत मेजबान देश है, इसलिए इस समय कुछ भी नहीं बदला जा सकता। आधिकारिक स्तर पर चर्चा हुई और उसके अनुसार परिणाम तय किया गया। मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा।'

युवराज सिंह की अगुवाई वाली भारतीय चैंपियन टीम द्वारा बर्मिंघम में चल रहे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दूसरे सीजन के दौरान पाकिस्तान चैंपियन के खिलाफ खेलने से इनकार करने के बाद भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। इसके कारण आयोजकों ने मैच रद्द कर दिया। खिलाड़ियों ने यह फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े राजनीतिक तनाव के मद्देनजर लिया है। हालांकि एशिया कप के कार्यक्रम की घोषणा के बाद BCCI ने अभी तक इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान के बहिष्कार पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

महीनों की अटकलों को खत्म करते हुए ACC अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को एशिया कप के 17वें संस्करण की तारीखों की आधिकारिक घोषणा की। यह टूर्नामेंट 2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों के अनुरूप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा और इतिहास में पहली बार इसमें आठ टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और पाकिस्तान को मेजबान यूएई और ओमान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, हांगकांग, अफगानिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।

प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष टीमें सुपर फोर चरण में पहुंचेंगी जिसके बाद फाइनल होगा जिससे

टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मुकाबलों की संभावना बढ़ गई है। 2023 संस्करण के फाइनल में श्रीलंका को हराकर भारत गत विजेता है।

एडम जम्पा ने सैंटनर की बराबरी की, टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल

बैसेटेरे (सेंट किट्स एंड नेविस) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा ने न्यूज़ीलैंड के मिशेल सैंटनर की बराबरी कर ली है और अब तक के सबसे ज़्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बना ली है। जम्पा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बैसेटेरे में चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान रैंकिंग में यह बढ़त हासिल की। अपने चार ओवर के स्पेल में जम्पा ने चार ओवर में 54 रन देकर तीन विकेट लिए।

अब तक 99 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जम्पा ने 21.14 की औसत से 124 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/19 रहा है। दूसरी ओर, सैंटनर ने 114 मैचों में 22.57 की औसत से 124 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/11 रहा है। वे दोनों इस प्रारूप में संयुक्त रूप से 10वें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

शीर्ष तीन टी20आई विकेट लेने वाले गेंदबाजों न्यूजीलैंड के टिम साउथी (126 मैचों में 22.38 की औसत से 164 विकेट, 5/18 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ), अफगानिस्तान के राशिद खान (96 मैचों में 13.80 की औसत से 161 विकेट, 5/3 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ) और न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी (126 मैचों में 22.52 की औसत से 150 विकेट, 4/12 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ)। हैं।

मैच की बात करें तो वेस्टइंडीज के 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन (नाबाद 55, 35 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) और इंग्लिस (51 रन, 30 गेंद, 10 चौके, एक छक्का) की पारियों की बदौलत 19.2 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की ओर से जेडिया ब्लेड्स ने 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

वेस्टइंडीज ने इससे पहले 9 विकेट पर 205 रन बनाए लेकिन उसकी तरफ से कोई बल्लेबाज टिककर बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मेजबान टीम के चार बल्लेबाजों ने 20 रन के आंकड़े को पार किया जिसमें शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, और सीन एबट ने दो-दो जबकि एडम जंपा ने तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पारी की दूसरी ही गेंद पर मिचेल मार्श (00) का विकेट गंवा दिया जिन्हें ब्लेड्स ने पगबाधा किया। इंग्लिस ने इसके बाद सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (47) के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 और ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। ग्रीन ने आरोन हार्डी (23) के साथ भी छठे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

ग्रीन और इंग्लिस के अर्धशतक, ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

बासेटेरे (सेंट किट्स) (एजेंसी)। कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने यहां चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 4-0 की बढ़त बना ली।

वेस्टइंडीज के 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन (नाबाद 55, 35 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) और इंग्लिस (51 रन, 30 गेंद, 10 चौके, एक छक्का) की पारियों की बदौलत 19.2 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की ओर से जेडिया ब्लेड्स ने 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज ने इससे पहले 9 विकेट पर 205 रन बनाए लेकिन उसकी तरफ से कोई बल्लेबाज टिककर बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मेजबान टीम के चार बल्लेबाजों ने 20 रन के आंकड़े को पार किया जिसमें शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, और सीन एबट ने दो-दो जबकि एडम जंपा ने तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पारी की दूसरी ही गेंद पर मिचेल मार्श (00) का विकेट गंवा दिया जिन्हें ब्लेड्स ने पगबाधा किया। इंग्लिस ने इसके बाद सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (47) के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 और ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। ग्रीन ने आरोन हार्डी (23) के साथ भी छठे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

शुभमन गिल का मैनचेस्टर में बेहतरीन शतक, ब्रैडमैन-गावस्कर के क्लब में की एंट्री

मैनचेस्टर (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल का इंग्लैंड में एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है। उन्होंने रविवार को इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक ठोका है। गिल ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में संयम के साथ बैटिंग करते हुए 238 गेंदों में 103 रन बनाए। उन्होंने 12 चौके लगाए। पांचवें दिन लंच ब्रेक से पहले पेसर जोफ्रा आर्चर का शिकार बने। ये 25 वर्षीय बल्लेबाज के टेस्ट करियर की नौवीं सेंचुरी है। गिल मैनचेस्टर के मैदान पर टेस्ट सेंचुरी जड़ने वाले 9वें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 35 साल का शतकीय सूखा समाप्त किया है। दरअसल, गिल से पहले मैनचेस्टर में शतक जड़ने वाले भारतीय प्लेयर सचिन तेंदुलकर थे। सचिन ने 1990 में यहां इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 189 गेंदों में 17 चौकों की बदौलत नाबाद 119 रन बनाए थे। ये महान बल्लेबाज सचिन के करियर का पहला टेस्ट शतक था।

ब्रैडमैन-गावस्कर के क्लब में की एंट्री

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में चौथी शतकीय पारी खेली है। उन्होंने सर डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर के धाकड़ क्लब में एंट्री मारी है। गिल बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा चार शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज ब्रैडमैन ने 1947/48 में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार शतक जमाए। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ऐसा किया।

कोहली की बराबरी

गिल एक टेस्ट सीरीज में भारत के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले प्लेयर बन चुके हैं। उन्होंने गावस्कर और विराट कोहली की बराबरी की है। गावस्कर ने 1971 और 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार-चार शतक लगाए थे। वहीं, स्टार बल्लेबाज कोहली ने 2014/15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में इतने सेंचुरी लगाई थीं। गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 700 प्लस रन बनाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

गावस्कर बोले टीम शुभमन की , इसलिए वे ही लें चयन पर अंतिम फैसला

लंदन ।भारतीय टीम के पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अंतिम ग्यारह के चयन का पूरा अधिकार कप्तान शुभमन गिल के पास होना चाहिये न कि कोच गौतम गंभीर के पास। गावस्कर ने कहा कि टीम कप्तान की होती है कोच की नहीं। इसलिए कप्तान की राय सबसे अहम होती है। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद कई लोगों ने नई भारतीय टेस्ट टीम को गंभीर की टीम करार दिया, जबकि चयनकर्ताओं ने शुभमन को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया था। इससे सवाल ये भी उठ रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कप्तान की पकड़ है या कोच हावी हैं? टेस्ट के चौथे दिन जब, गावस्कर से सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या यह भारतीय टीम शुभमन या गंभीर की है। इसपर गावस्कर ने कहा कि उन्हें अपनी कप्तानी के दिनों में कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा, क्योंकि उस समय कोई मुख्य कोच नहीं था। इसकी जगह पर उन्होंने प्रबंधकों या सहायक प्रबंधकों से सुझाव मांगे, जो अक्सर पूर्व खिलाड़ी होते थे। गावस्कर ने कहा, हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही मैनेजर या सहायक मैनेजर के तौर पर थे। वे ऐसे लोग थे जिनके पास जाकर आप बात कर सकते थे, लंच के समय, दिन के खेल के अंत में या मैच से पहले और वे केवल अपनी सलाह देते थे, फैसला हमें लेना होता था। इसलिए, मेरे लिए कप्तान और कोच के संयोजनप को समझना कठिन है। जब मैं कप्तान था, तब हमारे पास कोई भी पूर्व खिलाड़ी नहीं था।

करुण को इस कारण चौथे टेस्ट में शामिल नहीं किया गया : कोटक

लंदन ।भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज करुण नायर को चौथे टेस्ट से बाहर करने का कारण खराब फार्म नहीं था बल्कि उनपर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उन्हें आराम दिया गया। इससे पहले कहा जा रहा था कि आठ साल बाद वापसी के बाद भी शुरुआती तीनों ही मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण इस बल्लेबाज को टीम से बाहर किया गया है। प्रशंसकों का मानना था कि करुण अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये जिस कारण उन्हें अपनी जगह खोनी पड़ी। नायर को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में शामिल न करते हुए उनकी जगह पर साई सुदर्शन को अवसर दिया गया। सुदर्शन ने अवसर का लाभ उठाते हुए पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। वह हालांकि, दूसरी पारी में रन नहीं बना पाये।

जडेजा को स्टोक्स से बेहतर ऑलराउंडर मानते हैं कपिल

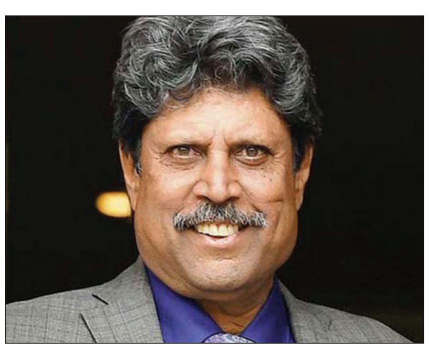

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि पिछले कुछ समय में इंग्लैंड के ऑलरांउडर बेन स्टोक्स ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर भारत के रविन्द्र जडेजा से तुलना करें तो वह अभी भी पीछे हैं। कपिल ने कहा है कि जडेजा स्टोक्स से अधिक अच्छे ऑलराउंडर हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में 14वां टेस्ट शतक लगाया। इस दौरान उन्होंने अपने 7000 टेस्ट रन भी पूरे किए हैं। अब स्टोक्स के नाम 115 मैचों में 35.7 के औसत से 7032 रन हो गये हैं। उन्होंने इस दौरान 14 शतक और 35 अर्धशतक भी लगाये हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ चौथे मैच में 198 गेंद में ही 141 रन बनाए। वह सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। वहीं स्टोक्स के बारे में पूछे जाने पर कपिल ने कहा, ''मैं तुलना नहीं करना चाहता। स्टोक्स एक अच्छे ऑलराउंडर हैं हालांकि मुझे अभी भी लगता है कि जडेजा उनसे आगे हैं। वह कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।'' स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 7000 रन और 200 विकेट हासिल करने वाले तीसरे ऑलराउंडर हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस और वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स ने ये उपलब्धि हासिल की थी। जडेजा ने इंग्लैंड की पहली पारी में चार विकेट लिए थे। जडेजा इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज हैं। उन्होंने सात पारियों में 86.75 के औसत से 347 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 89 रन रहा है। उन्होंने जारी सीरीज में चार अर्धशतक लगाए हैं।

महिला विश्व कप शतरंज फ़ाइनल: जीत के करीब जाकर चूकी दिव्या, पहली बाजी बेनतीजा

बातुमी, जॉर्जिया (एजेंसी)। विश्व महिला शतरंज कप का इतिहासिक मुक़ाबला आज से आरंभ हो गया और यह पहली बार है की भारत विश्व कप जीतेगा क्यूंकी दोनों ही खिलाड़ी भारतीय है । सफ़ेद मोहरो से खेल रही दिव्या देशमुख नें आज अपनी ओपनिंग की तैयारी से दिग्गज कोनेरु हम्पी को लगभग हारी हुई स्थिति में पहुंचा दिया था पर अपने अनुभव से और दिव्या की कुछ गलत चालों से हम्पी इस मुश्किल बाजी को बचाने में कामयाब रही । क्वीन्स गेंबिट एकसेपटेड ओपनिंग में दिव्या नें हम्पी को अपनी नयी चालों से चौंकाया और खेल की दसवीं चाल में दिव्या को इस फायदा मिला और हम्पी गलती कर बैठी , हम्पी का राजा केंद्र में था और दिव्या नें आक्रमण भी किया और अपने घोड़े को

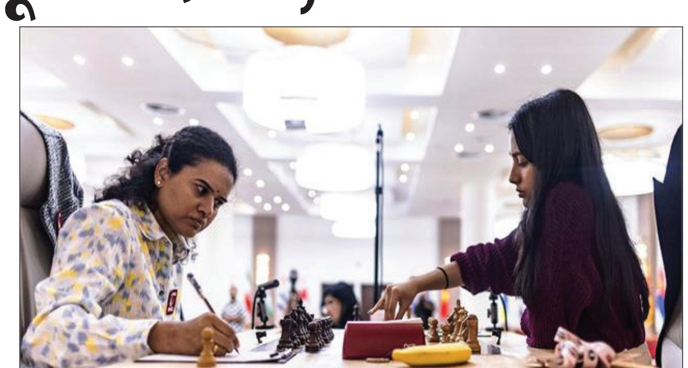

कुर्बान करते हुए खेल पर नियंत्रण ले लिया पर खेल की 14वीं चाल में ऊंट की अदला बदली करने की गलत चाल से उन्होने हम्पी को खेल में बराबरी हासिल करने का मौका दे दिया और इसके बाद हम्पी नें सम्हाल कर खेलते हुए पहले अपना घोडा कुर्बान करते हुए पहले अपने राजा को सुरक्षित किया और फिर अपने हथियों को खेल में ले आई और बराबरी हासिल कर ली , खेल की 30वीं चाल में जब हम्पी ड्रॉ के लिए सहमत थी दिव्या नें चाल बदल कर खेल को जारी रखने की मंशा जताई पर अब तक उनका राजा कमजोर हो चुका था और इस बात का फायदा उठाते हुए 35वीं चाल में अपना हाथी कुर्बान किया और दिव्या के राजा को लगातार शह देते हुए खेल ड्रॉ करा लिया । अब जब हम्पी कल सफ़ेद मोहरो से खेलते उतरेंगी तो दबाव दिव्या पर होगा और साथ ही उन्हे जल्द ही पहली बाजी खो देने के झटके से उबरकर एक नयी शुरुआत करनी होगी । अगर कल भी बाजी बेनतीजा रही तो फिर टाईब्रेक के जरिये विश्व कप विजेता का निर्णय लिया जाएगा ।

रोवमैन पॉवेल ने क्रिस गेल को पीछे छोड़ा, टी20आई में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर बने

बैसेटेरे ।वेस्टइंडीज के बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल को पीछे छोड़कर टी20आई में टीम के दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। पॉवेल ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बैसेटेरे में खेले गए चौथे टी20आई मैच के दौरान हासिल की। पहले तीन मैचों में 1, 12 और 9 रन के खराब स्कोर के बाद पॉवेल ने 22 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता की झलक दिखाई। अब तक 99 टी20आई मैचों में उन्होंने 87 पारियों में 25.66 की औसत और 141 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,925 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और नौ अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 107 है। गेल ने अपने शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में जिसमें उन्होंने दो टी20 विश्व कप जीते, 79 मैचों की 75 पारियों में 27.92 की औसत और 137.50 के स्ट्राइक रेट से 1,899 रन बनाए। उन्होंने दो शतक और 14 अर्धशतक लगाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रहा। अब संन्यास ले चुके निकोलस पूरन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वेस्टइंडीज के लिए शीर्ष पर हैं जिन्होंने 106 मैचों की 97 पारियों में 26.14 की औसत और 136 से अधिक के स्ट्राइक रेट और 13 अर्धशतकों के साथ 2,275 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 98 है।

पोटिंग, कैलिस और द्रविड जैसे दिग्गजों के साथ नाम देखकर लगता है अच्छा : रूट

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने कहा है कि दिग्गज क्रिकेटरों रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा और ब्रायन लारा के साथ अपना नाम देखकर उन्हें हैरानी होती है। रुट मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन 150 रन बनाकर टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में 13,409 रन बनाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। उन्होंने इस दौरान राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोटिंग को पीछे छोड़ दिया है। रूट से आगे अब केवल सचिन तेंदुलकर 15,921 रन ही हैं। दूसरे नंबर पर पहुंचने के बाद रूट ने कहा, मैं बचपन से पोंटिंग, संगकारा और लारा जैसा बनना चाहता था। ऐसे में अब इन दिग्गजों के साथ अपना नाम देख निश्चित ही अच्छा लग रहा है। यह मेरे लिए थोड़ा हैरान करने वाला भी है। मैंने अपनी उपलब्धियों के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरा ध्यान इंग्लैंड को मैच जिताने पर रहा है।

अब देखना है कि क्या रूट सचिन के सबसे अधिक टेस्ट रनों का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे? इसके लिए उन्हें करीब तीन हजार रन चाहिये। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने कहा, रूट का औसत लगभग 85 रन प्रति टेस्ट मैच है, इसलिए उन्हें सचिन तक पहुंचने के लिए करीब 30 टेस्ट मैच खेलने होंगे। अभी वह 34 साल के हैं और उनके पास तीन से चार साल का समय है। वह काफी अच्छे फॉर्म में हैं और खेल के प्रति उनके प्यार और इच्छा में कोई कमी नहीं आई है। वहीं अगर वह फिट बने रहते हैं तो सचिन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

रुट ने अब तक 157 टेस्ट मैचों की 286 पारियों में 38 शतक और 66 अर्धशतक लगाते हुए 13,409 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 262 रन है। उनके नाम छह दोहरे शतक भी हैं। रूट से आगे केवल सचिन तेंदुलकर हैं। 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 51 शतक और 68 अर्धशतक लगाते हुए सचिन ने 15,921 रन बनाए हैं।

'दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए, कभी हां, कभी ना' : एशिया कप में भारत–पाक मैच पर बोले कनेरिया

नई दिल्ली ।पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने लंबे समय से विवादों और बहसों में घिरे एशिया कप के कार्यक्रम पर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि भारत–पाकिस्तान मुकाबला संभवत: एशियाई क्रिकेट परिषद (ष्टष्ट) द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) से मंजूरी मिलने के बाद हुआ है। एसीसी द्वारा शनिवार को घोषित विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को एशिया कप के ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने–सामने होंगे। यह घोषणा भारतीय चैंपियंस टीम से जुड़े एक बेहद संवेदनशील प्रकरण के कुछ ही दिनों बाद आई है, जिसने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ निर्धारित मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया था। कनेरिया ने कहा, '(दोनों देशों के बीच) क्रिकेट होना चाहिए... लोग इस बारे में इसलिए बात कर रहे हैं क्योंकि हाल ही में एक घटना हुई थी जहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स में भारत–पाकिस्तान का मैच होना था, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने मैच का बहिष्कार कर दिया। इस कदम से संकेत मिला कि शायद भारत भविष्य में एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंट जैसे आयोजनों में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलेगा। इस बहिष्कार ने सुर्खियां बटोरीं और इसके बाद कई बयान आए, जिससे यह धारणा बनी कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में हिस्सा नहीं लेगा।'

भारतीय हॉकी के 100 साल: हॉकी इंडिया ने अनुदानों की घोषणा की, सात नवंबर को महोत्सव

महाबलीपुरम (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने यहां अपनी 15वीं कांग्रेस के दौरान राष्ट्रीय और जमीनी स्तर के टूर्नामेंट के समर्थन के लिए अपने वित्तीय अनुदान में पर्याप्त वृद्धि की घोषणा की है। अब से सीनियर पुरुष और सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए 70-70 लाख रुपये, जूनियर पुरुष, जूनियर महिला, सब जूनियर पुरुष और सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन के लिए 30-30 लाख रुपए आवंटित किए जाएंगे।

इसके अलावा जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के समर्थन के लिए प्रत्येक राज्य को 25 लाख रुपए दिए जाएंगे। हॉकी इंडिया ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन बढ़े हुए अनुदानों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, आयोजन की गुणवत्ता में सुधार करना और स्थानीय स्तर पर वित्तीय बाधाओं को कम करके व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस सहयोग से हजारों उभरते खिलाड़ियों, कोचों और जमीनी स्तर के अधिकारियों को लाभ होने की उम्मीद है जो भारतीय हॉकी के भविष्य की रीढ़ हैं।

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इस कांग्रेस में कई ऐतिहासिक घोषणाएं हुईं जिनमें 7 नवंबर को एक राष्ट्रव्यापी उत्सव का आयोजन भी शामिल है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में हॉकी इंडिया एक राष्ट्रव्यापी उत्सव का आयोजन करेगा जिसमें एक साथ 1,000 मैच होंगे (देश के प्रत्येक जिले में एक पुरुष और एक महिला मैच) जिसमें 36,000 से ज्यादा खिलाड़ी (18,000 पुरुष और 18,000 महिलाएं) भाग लेंगे। यह पहल देश के कोने-कोने से खिलाड़ियों को एक साथ लाएगी।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए हम न केवल अपनी स्वर्णिम विरासत का सम्मान करते हैं बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत नींव भी रखते हैं। यह राष्ट्रव्यापी उत्सव भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने वाले हर खिलाड़ी, कोच और प्रशंसक के लिए सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'हम जिस वित्तीय सहायता की घोषणा कर रहे हैं, वह अगली पीढ़ी के सपनों में निवेश है जिससे सुनिश्चित करते हैं कि संसाधनों की कमी के कारण कोई भी प्रतिभा पीछे नहीं छूटे।'

अक्षय कुमार को किस बात का सताया खौफ, बोले- डरा हुआ हूं

बॉलीवुड की दो बिंदास अदाकाराएं– ट्विंकल खन्ना और काजोल अब पर्दे पर नहीं, बल्कि ओटीटी की दुनिया में एक साथ आ रही हैं। हालांकि इस बार न तो वो किसी फिल्म में अभिनय कर रही हैं और न ही किसी सीरीज में साथ नजर आएंगी, बल्कि दर्शकों को एक नए और अनोखे टॉक शो से दोनों मिलकर एंटरटेन करते हुए नजर आएंगी। बस इसी बात से खिलाड़ी कुमार को डर लगा रहा है। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं।

एक साथ आ रहीं काजोल और ट्विंकल

अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना और अजय देवगन की पत्नी काजोल दोनों ही एक समय बॉलीवुड की चर्चित हीरोइनों में रही हैं। हालांकि अब ये दोनों अभिनेत्रियां टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के जरिए होस्ट की भूमिका में दिखने के लिए तैयार हैं। प्राइम वीडियो ने दोनों के पोस्टर को रिलीज भी कर दिया है। अब इनके पोस्टर पर अक्षय कुमार का भी रिएक्शन आ गया है।

अक्षय कुमार का रिएक्शन

खिलाड़ी कुमार ने काजोल और ट्विंकल खन्ना के इस पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपने डर का जिक्र किया है। अब ये तो हर कोई जानता है कि काजोल और ट्विंकल खन्ना दोनों अपनी–अपनी बात बड़ी ही बेबाकी से रखती हैं, ऐसे में टॉक शो में भी काफी कुछ धमाकेदार होने की उम्मीद है। बस इसी बात को सोचकर अक्षय ने लिखा है– दोनों को साथ देखकर ही डर लग रहा है, शो में क्या होगा सोच नहीं सकता।

प्राइम वीडियो पर होगा स्ट्रीम

इस शो का निर्माण बनिजेय एशिया द्वारा किया जा रहा है, जो पहले भी कई मशहूर शो और रियलिटी फॉर्मेट्स ला चुका है। इसे जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। इस शो की एक और खासियत है इसकी गेस्ट लिस्ट, जिसमें बॉलीवुड के बड़े नाम शामिल होंगे। हर एपिसोड में कोई न कोई चर्चित चेहरा शो का हिस्सा बनेगा और दर्शकों को मिलेगा एक बेहद मनोरंजक और बिंदास बातचीत का अनुभव।

रणवीर सिंह की अगली फिल्म में दिखेंगी साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला

रणवीर सिंह के खाते में अभी कई फिल्में हैं। स्ह्न र एक मेगा प्रोजेक्ट बॉबी देओल के साथ भी है। इस फिल्म में एक साउथ की हसीना की एंट्री हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... श्रीलीला, रणवीर और बॉबी के साथ एक बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ चुकी हैं। खास बात ये है है कि तीनों ही एक्टर्स अपने किरदारों के लिए खुद को पूरी तरह से ढलने में जुटे हैं। इस फिल्म की डिमांड ही ऐसी है कि इसमें उनसे वो जोश और बदलाव देखने को मिलेगा, जो अब तक कभी नहीं देखा गया। हालांकि, फिल्म का टाइटल अभी तक रिवील नहीं किया गया है और ना ही यह बताया गया है कि इसका निर्देशन कौन कर रहा है। बता दें कि श्रीलीला जल्द ही साउथ फिल्मों से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह अपनी पहली हिंदी फिल्म कार्तिक आर्यन के साथ कर रही हैं जिसका टाइटल रिवील नहीं हुआ है लेकिन माना जा रहा है कि यह आशिकी 3 है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। इसके अलावा वह जूनियर पर भी काम कर रही हैं। वहीं रणवीर जल्द ही फिल्म डॉन 3 में भी नजर आएंगे।

फिल्म का टाइटल अभी तक रिवील नहीं किया गया है

यजुवेंद्र चहल के साथ डेटिंग रूमर्स के बीच महवश ने किया पोस्ट

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंस, आरजे और मॉडल महवश का नाम काफी वक्त से क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई मौकों पर साथ में स्पॉट किया गया है। हाल ही में लंदन में भी दोनों साथ–साथ घूमते दिखे। इसका संकेत इन दोनों के सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मिला। इनके कथित अफेयर की खबरों के बीच शादी तक के दावे किए जा रहे हैं, जिन पर महवश ने रिएक्ट किया है।

सोशल मीडिया पर रखा शादी का प्रस्ताव

महवश ने अपनी शादी के दावों वाली खबरों पर काफी मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आज मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने दिलकश फोटोज शेयर की हैं, जिनमें व्हाइट कलर के गाउन में प्रिंसेस लुक में दिख रही हैं। इसके साथ लिखा है, कुछ न्यूज चैनल ने दावा किया कि 31 जून को मेरी शादी है। ये फोटोज उसकी हैं। बस दूल्हा भाग गया। करेगा कोई मुझसे शादी? इसके साथ महवश ने हंसने वाले इमोजी बनाई हैं।

यूजर्स ने पूछे दिलचस्प सवाल

महवश के पोस्ट पर यूजर्स के दिलचस्प कमेंट्स आ रहे हैं। सिर्फ उनके फैंस ही नहीं, सेलेब्स भी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फलक नाज ने कमेंट किया है, गॉर्जियस। आरजे करिश्मा ने लिखा है, सुंदरी। एक यूजर ने लिखा, लव मैरिज और

अरेंज मैरिज? एक अन्य यूजर ने लिखा, 31 जून कभी आती है क्या? लव मैरिज करेंगी महवश एक यूजर ने महवश से जब पूछा कि वे लव मैरिज करेंगी या अरेंज? इस पर महवश ने जवाब दिया, लव मैरिज। एक जाना पहचाना नालायक, अंजान नालायक से बेहतर होता है।

धनश्री वर्मा से तलाक के बाद जुड़ा महवश से नाम

धनश्री वर्मा के साथ तलाक के बाद युजवेंद्र चहल का नाम महवश के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, डेटिंग की कथित खबरों पर अब तक चहल और महवश दोनों ने चुप्पी साध रखी है। हालांकि, अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दोनों अप्रत्यक्ष रूप से यह संकेत तो देते रहते हैं कि इनके बीच नजदीकियां हैं।

कम फिल्में करके भी खुश हैं विद्या?

इन दिनों विद्या बालन को उनके फैंस बड़े पर्दे पर कम और इंस्टाग्राम रील पर ज्यादा देख रहे हैं। रील बनाने के प्रोसेस को भी विद्या बालन एंज्वॉय कर रही हैं। हालिया एक इंटरव्यू में अपने करियर में लिए गए इस ब्रेक के बारे में विद्या ने कई सारी बातें साझा की हैं।

विद्या बालन ने खुद को आशावादी इंसान बताया

बातचीत में विद्या बालन ने अपने मौजूदा करियर फेज को लेकर बात की है। वह कहती हैं, 'मैं बहुत ही ज्यादा उम्मीद रखने वाली इंसान हूं, मैं काफी आशावादी हूं। मुझमें बहुत कॉन्फिडेंस है। मैंने अपनी पूरी एबिलिटी के साथ काम किया है। लोगों ने मुझे कहा कि खुद पर काम करना चाहिए, मुझे अपना वजन कम करना चाहिए। मैंने लोगों के सजेशन को सुना, इन बातों ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की। मुझे अब भी लीड रोल मिल रहे हैं, मैं किसी भी तरह की इनसिक्योरिटी से परेशान नहीं हूं।' अपने अटूट आत्मविश्वास के बल पर ही उन्होंने वर्षों तक एक ऐसे उद्योग में काम किया है जहाँ अक्सर दिखावे को लेकर जुनून सवार रहता है। और अब, वर्षों में पहली बार, विद्या ने कहा कि वह तनाव–मुक्त दौर का आनंद ले रही हैं। अपने जीवन में पहली बार, मैं तनाव का अनुभव नहीं कर रही हूँ। जाने–अनजाने, हम बहुत तनाव से गुज़रते हैं। मैं इस दौर का आनंद ले रही हूँ। मैं पटकथाएँ पढ़ रही हूँ, लोगों से मिल रही हूँ, और मैंने दो फ़िल्में तय कर ली हैं। विद्या ने कहा, दुर्भाग्य से, मैं अभी इस बारे में बात नहीं कर पा रही हूँ। पिछले साल विद्या बालन फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। इस साल वह रितेश देशमुख के साथ एक फिल्म 'राजा शिवाजी' कर रही हैं। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराजा पर आधारित है।

शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन, मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट

अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर जल्द ही एक नई वेब सीरीज शंकर– द रिवॉल्यूशनरी मैन में दिखेंगी। उन्होंने इस सीरीज को अपने जीवन का टर्निंग पॉइंट बताया है। एक इंटरव्यू में शिल्पा शिरोडकर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें न केवल व्यक्तिगत बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी बदल दिया। शिल्पा ने कहा, मैं हमेशा से आध्यात्मिक रही हूं। मुझे नई चीजें सीखना, सुनना और ज्ञान अर्जित करना पसंद है। जब यह सीरीज मेरे पास आई, तो मुझे लगा कि यह मेरे लिए जीवन बदलने वाला पल है। मैंने सोचा कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से मुझे पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों रूप से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

सीरीज में शिल्पा, महान संत और दार्शनिक आदि शंकराचार्य की मां आरंभा की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, आदि शंकराचार्य की मां का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। आदि शंकराचार्य की मां ने उनके जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह किरदार मेरे लिए बेहद मायने रखता है। इस किरदार को जीना मेरे लिए विशेष अनुभव भरा रहा। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट में काम करना उनके लिए रोजाना सीखने के अवसर जैसा रहा, इससे उन्हें काफी कुछ नया सीखने को मिला। उन्होंने बताया, राजर्षि भूपेंद्र मोदी जी जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व के साथ काम करना और स्क्रिप्ट पढ़ने से लेकर सेट पर बातचीत तक, हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। यह मेरे लिए विकास का शानदार मौका है।

शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन आदि शंकराचार्य के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित अपकमिंग सीरीज है। मोदी स्टूडियोज और राजर्षि भूपेंद्र मोदी ने इस सीरीज का निर्माण किया है। इस सीरीज में शिल्पा शिरोडकर के साथ अभिषेक निगम मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राजेश श्रृंगारपुरे, फरनाज शेट्टी, रति पांडे, और मनोज जोशी जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शिल्पा शिरोडकर 90 के दशक में गोपी किशन, आंखें, और खुदा गवाह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। शिल्पा बिग बॉस के 18वें सीजन का भी हिस्सा रहीं।

एक बाइक का लालच मुझे ग्लैमर की दुनिया में ले आया... पर मैं बिग बॉस कभी ना करूं

छोटे पर्दे पर रोडीज के 20 सीजन कर चुके रणविजय सिंघा एक समय आर्मी में जाना चाहते थे। उनकी पांच पुश्तों ने सेना में रहकर देश की सेवा की है, मगर फिर बाइक का जुनूनी शौक उन्हें ग्लैमर जगत में ले आया। इन दिनों वे चर्चा में हैं छोटे पर्दे के अपने नए रिएलिटी शो छोरियां चली गांव के कारण। उनसे खास बातचीत।

आपकी पांच पुश्तों ने आर्मी में रह कर देश की सेवा की है और आपने भी खुद सेना में जाने के लिए रिटन एग्जाम दे दिया था, मगर फिर आप ग्लैमर की गलियों में कैसे मुड़ गए?

मैं तो आर्मी के लिए रिटन एग्जाम भी क्लियर कर चुका था। मैं भोपाल में सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड की तैयारी कर रहा था। मेरे पिता, दादा, चाचा, नाना सभी फौज में थे। तो जब मैंने आर्मी का ये फाइनल एग्जाम क्लियर कर लिया और खुद को साबित कर दिया कि मैं सेना में जाने के योग्य हूं, तो तब मेरे पास वो चॉइस थी कि मैं अपने करियर को अपने हिसाब से आगे बढ़ाऊं। मुझे मोटरसाइकिल चलानी थी, बास्केटबॉल खेलना था और एडवेंचर स्पोर्ट्स का हिस्सा बनना था। उस वक्त मुझे लगा कि अपने ये सारे शौक मैं फौज में पूरे कर सकता हूं। फिर बाइक जीतने का लालच मुझे यहां लाया। रोडीज मेरे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, क्योंकि मुझे लगा कि जो मैं सेना से चाहता था, वो मुझे बाहर भी मिल रहा है। मैंने घर में इस बात को लेकर चर्चा की, काफी गहरा डिस्कशन हुआ और निष्कर्ष ये निकला कि मुझे ग्लैमर के क्षेत्र को एक साल देना होगा, उस बीच कुछ हो गया तो ठीक है वरना फौज तो है ही। फिर क्या था, मैं रोडीज का विनर बनने के बाद मेरी गाड़ी चल पड़ी।

एक जमाना था जब आप कंटेस्टेंट थे और फिर आप कई शोज के होस्ट और जज बने, तो उस पार से इस पार आने का आपका अनुभव कैसा रहा? के आप बिग बॉस जैसे रिएलिटी शोज का हिस्सा बनना चाहेंगे?

आप जब कंटेस्टेंट होते हैं, तो आप पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं होती। आपको खुद पर ध्यान देना होता है, मगर जज या होस्ट के रूप में पूरे शो की जिम्मेदारी आपकी होती है। मैं तो रोडीज में एक ही बार प्रतियोगी था और उसके बाद तो मेरा रोल बदल गया। हालांकि मुझे कई ऐसे शोज के ऑफर आए, जहां मुझे कंटेस्टेंट बनना था, मगर मैं उनका हिस्सा नहीं बना। । मुझे लगता है कि कंटेस्टेंट बनने से मेरी होस्ट की पोजीशन डाइल्यूट हो सकती है। मैं ऐसे शोज करना चाहता हूं, जिससे मेरी सेल्फ ग्रोथ हो। जैसे मैंने जंगल सफारी का एक शो किया था, जिसमें मैं 8 जंगलों में घूमने का मौका मिला था। मैंने उस शो से काफी कुछ सीखा था और अब तो वैसे भी मुझे अपने बच्चे पालने हैं।

काम और परिवार के बीच संतुलन कैसे रखते हैं?

मैं परिवार को बहुत महत्व देता हूं। मेरी प्राथमिकताएं साफ हैं। मुझे पता है कि मुझे खुशी कहां से मिल सकती है? वो तो परिवार से ही मिलेगी। मेरा काम मेरा पेशा है और अगर मैं किसी खदान में काम कर रहा होता, अब भी मैं अपने परिवार और एडवेंचर को अहमियत दे रहा होता। मैं अपने बच्चों की सही परवरिश करना चाहता हूं। उनके साथ वक्त बिताना चाहता हूं। मेरे बच्चों को मेरे प्रोफेशन के बारे में ज्यादा पता नहीं है। वे इतना जानते हैं कि डैड बाइक चलाने जाते हैं और टीवी पर दिखते हैं। आप हीरो हो या क्रिमिनल आपके बच्चे आपको पिता के रूप में ही देखेंगे। आपके बच्चे आपको बिना किसी एजेंडा के प्यार करते हैं, इसीलिए बच्चों का प्यार इतना क्रेजी होता है। वे आपको आपकी हैसियत से परे निस्वार्थ प्रेम करते हैं। मुझे तो अपना परिवार और बच्चे चाहिए।

आपसे जुड़ा थप्पड़ कांड रहा हो या रिया चक्रवर्ती वाला विवाद, आपकी बेबाक बयानबाजी का आपको नुकसान उठाना पड़ता है?

मुझे इस दुनिया में फर्क पड़ता है, अपने परिवार, माता–पिता और बच्चों से। बाकी मैं दूसरों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मुझे जो सही लगता है, मैं बोलता हूं। अपना स्टैंड रखता हूं। अब सच और गलत का तो कोई जजमेंट नहीं दे सकता, क्योंकि एक का सच दूसरे के लिए गलत हो सकता है। मगर मुझे क्या लगता है, ये बोलने का हक तो मुझे है और मैं वो बोलता हूं।

रोडीज़ के बीस सीजन करने के बाद आप इस शो को करने के लिए क्यों प्रेरित हुए?

मुझे इस शो का फॉर्मेट बहुत पसंद आया। असल में ये शो मराठी में हिट रहा है। शहर में आधुनिक सुख–सुविधाओं की आदी लड़कियों को असली गांव के बेसिक माहौल में ले जाया जाए। जहां पर इन लड़कियों को एक–दूसरे से प्रतिस्पर्धा के बजाय खुद सर्वाइव करना है। शहर में तो चाहे ऐसी हो या कैब आपके एक बटन या कॉल पर है, मगर गांव में तो आपको पानी तक के लिए पनघट जाना पड़ जाए। आज जब हम प्रकृति से जुड़े रहने की बात किस्से–किताबों में पढ़ते हैं, तो ये सारी चीजें हमारे शो में हैं। मेरे लिए इन छोरियों अर्थात लड़कियों को उस माहौल में डालना बड़ा दिलचस्प रहा।

पैरेंटहुड से आप कभी रिटायर नहीं होते। पैरेंटेहुड जीवन भर का काम है, इसमें कोई पेंशन नहीं होती। जब आपके बच्चे 40 वर्ष के हो जाते हैं और आगे उनके भी बच्चे हो जाते हैं तब भी आपके बच्चे आपकी मृत्यु तक आपके लिए 18 वर्ष के ही रहते हैं। उन्हें हमेशा आपकी स्वीकृति तथा हमदर्दी की जरूरत रहेगी।

बिना शर्त करें बच्चों से प्यार

पूरे घर में शांति का माहौल है। आपके बच्चे कालेज, जॉब्स या विवाह कर चुके हैं। आप आशा करते हैं कि आपके बच्चे खुश होंगे, वे अच्छा कर रहे होंगे और सही राह पर चल रहे होंगे। फिर भी आप बीते समय के माता-पिता नहीं होंगे, पैरेंटहुड से आप कभी रिटायर नहीं होते। पेरैटेहुड जीवन भर का काम है, इसमें कोई पैंशन नहीं होती। जब आपके बच्चे 40 वर्ष के हो जाते हैं और आगे उनके भी बच्चे हो जाते हैं तब भी आपके बच्चे आपकी मृत्यु तक आपके लिए 18 वर्ष के ही रहते हैं। उन्हें हमेशा आपकी स्वीकृति तथा हमदर्दी की जरूरत रहेगी।

बदलती भूमिकाएं

परिवर्तन जीवन का सार है। आप अपनी जॉब पर सर्वाधिक जूनियर से लेकर कंसल्टैंट तक अपनी भूमिका बदल चुके हैं। आपके जीवन साथी के साथ आपका रिश्ता विकसित, परिवर्तित होता है और आगे बढ़ता है इसलिए भी आपके बच्चों के साथ आपका रिश्ता तब उतार-चढ़ावों से गुजरता है जैसे-जैसे वे कानूनी तौर पर वयस्क होते जाते हैं। 'बिग बॉस' होने के कई वर्ष बाद बच्चों के साथ एक वयस्क रिश्ता रखना मुश्किल होता है।

पीछे की ओर कदम

आपके पास अपने बच्चे के पथ को आलोकित करने वाली मार्गदर्शक रोशनी बनने के लिए 21 से अधिक वर्ष थे। यदि उन्होंने आपके मूल्य-मान्यताओं को नहीं अपनाया है तो अभी से आपको उन्हें बताना होगा कि क्या करना है। आप उनके विकास के वर्षों में उनके रोल मॉडल रहे हैं। अब वक्त उनके पंख फैलाने का, उनकी जिंदगी में किताबें, अनुभव तथा अन्य लोगों को शामिल करने का है। वे क्या सीखते हैं, कैसे सीखते हैं, कहां से सीखते हैं और किसके साथ सीखते हैं, इसका चुनाव करने के लिए आपको उन्हें उनके पैरों पर खड़े होने देना चाहिए। आपने उन्हें जो सिखाया है उसे व्यवहार में लाने को कहें। यदि आप उनकी ई-मेल्स या फेसबुक अकाऊंट पर नजर रखते हैं, उनकी लेट नाइट पार्टियों के निमंत्रणों और दोस्तों को बहुत निर्दयता से नकार देते हैं, तो इसका अर्थ यह है कि आप उन्हें बता रहे हैं कि वे अपनी खुद की जिंदगी नहीं चला सकते।

बच्चों से अपेक्षा न करें

जब आप अपने बच्चों से सहायता की अपेक्षा करते हैं तो या तो आप अपने बच्चों से झूठ बोल रहे होते हैं या फिर आप उन्हें भावनात्मक तौर पर ब्लैकमेल कर रहे होते हैं। इस प्रकार वे दोषी महसूस करते हैं। यह एक ऐसी बात है जो आपको बच्चे के साथ नहीं करनी चाहिए। जैसे-जैसे वे बड़े होते जाते हैं वे बड़ी चीजों के लिए आपकी जरूरत महसूस करेंगे। आपको इस बात पर गर्व होना चाहिए कि संकट के समय आप अपने बच्चे के लिए पहले व्यक्ति हैं जिन्हें वह सहायता के लिए पुकारता है। बच्चों की सहायता करने वाला बनने से भावनात्मक संतोष मिलता है। इसके साथ ही प्यारा, स्वतंत्र तथा जिम्मेदार बच्चा बनाने की प्राप्ति की भावना भी आपके मन में जगती है।

निर्णय लेने में सहायता करें

यदि आपसे किसी बात पर आपका मत पूछा जाए चाहे यह जीवनसाथी के बारे में हो या कॉलेज के किसी कोर्स के बारे में, अपना मत अवश्य दें। उन्हें प्रवचन न दें और न ही उनका मजाक उड़ाएं। आपके बच्चे को इस बात का विश्वास होना चाहिए कि एक संवेदनशील उत्तर के लिए वह आप पर निर्भर कर सकता है।

उनके लिए हमेशा मौजूद रहें

जब आपके बच्चे छोटे थे तो जिस प्रकार आप उन्हें चूमते या दुलारते थे, उस प्यार का प्रदर्शन करना कभी भी बंद न करें। आप हमेशा उनके कंधों पर बांहें रख सकते हैं, उन्हें गले लगा सकते हैं और साधारण शब्दों में उन्हें आई लव यू कह सकते हैं। उनके साथ बिना शर्त प्यार करें। किसी भी प्रकार की उपलब्धि हासिल करने पर अपने बच्चों का स्वागत करें।

...ताकि मेकअप न लगे 'मेडअप'

मेकअप किसी भी महिला का मेकओवर कर उसे खूबसूरत बना सकता है। सही तरीके और कलात्मकता के साथ किया गया मेकअप आपकी लुक्स को और भी निखार देता है और दिन भर आपको प्रैजैंटेबल बनाए रखने में मदद भी करता है।

खूबसूरती देखने वाले की आंखों में होती है लेकिन खूबसूरत या प्रैजैंटेबल दिखना आपकी पर्सनैलिटी का प्लस प्वाइंट हो सकता है, बशर्ते कि आपने मेकअप सही तरीके से अप्लाई किया हो। मेकअप करने के लिए चेहरे को तैयार करना बेहद जरूरी है। चेहरे की क्लीजिंग, टोनिंग और माइश्चराइजिंग के बाद चेहरा मेकअप के लिए तैयार होता है।

याद रखें कि ज्यादा माइश्चराइजर लगाने से मेकअप कुछ देर में काला हो जाता है। प्रैक क्रीम चेहरे की कमियों को छुपा कर उसे सुंदर दिखाती है, उसके बाद फाऊंडेशन लगाएं। फाऊंडेशन आपकी स्किन टोन से मेल खाता हुआ या फिर एक टोन ऊपर होना चाहिए। फाऊंडेशन को चेहरे पर अच्छी तरह से ब्लैंड करना चाहिए। कंसीलर लगाने के बाद चेहरे की कोटिंग करें। इसके लिए शैडर का यूज करें। कोटिंग करने से नाक और चीक बोन्स उभर कर दिखती हैं और मेकअप कई गुना सुंदर हो जाता है। चेहरे के मेकअप के बाद आंखों का मेकअप करते समय हमेशा हाईलाइटर यूज करना चाहिए।

आंखों की देखभाल

अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे अधिक हैं लेकिन आप काजल भी लगाना चाहती हैं तो मायूस न हों। पहले किसी अच्छे कंसीलर का इस्तेमाल कर लें। अगर आपका रंग सांवला है तो लाल रंग के कंटैंट कंसीलर का इस्तेमाल करें। वहीं रंग गोरा है तो पीले कंटैंट वाले कंसीलर का प्रयोग करें। इससे आपके काले

घेरे छुप जाएंगे। अगर आपकी आंखों पर काजल फैल जाता है लेकिन काजल लगाना आपको पसंद है तो बाजार से पाऊडर ब्लैक कलर केक का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप कुछ भी कर लें अगर आपकी आंखों पर काजल फैलने की समस्या रहती है तो सिल्वर लाइनिंग का प्रयोग कर सकती हैं। इससे यह फैलेगा नहीं, साथ ही थकी हुई बेजान आंखों में यह नई ताजगी ले आएगा।

लिप्स की देखभाल

- लंबे समय तक लिपस्टिक की चमक बरकरार रखने के लिए लिपस्टिक लगाने के बाद टिश्यू पेपर से एक्सट्रा लिपस्टिक को निकाल दें। इससे लिपस्टिक की चमक पूरा दिन बनी रहेगी।
- डार्क कलर की लिपस्टिक लिप्स को स्माल लुक देती है। अगर आप अपने लिप्स को बड़े साइज का दिखाना चाहती हैं तो नैचुरल कलर यूज करें।
- अगर लिप्स बहुत मोटे हैं तो कंसीलर और फाऊंडेशन की मदद से उन्हें पतली शेप दें। लिप लाइनर से आऊटलाइन ड्रॉ करें और डार्क कलर की लिपस्टिक लगाएं।
- अगर लिप्स को हॉट लुक देना हो तो स्ट्राबेरी और चेरी शेड्स वाली लिपस्टिक भी लगा सकती हैं।

पार्टी मेकअप

पार्टी की जान बनना हो या भीड़ में अलग दिखना हो, इसके लिए मेकअप भी कुछ अलग व अनोखा होना चाहिए। पार्टी चाहे कैसी भी हो, उस में ग्लैमरस दिखने के लिए मेकअप कुछ ऐसा हो जो आप को महफिल की रौनक बना दे। पार्टी में जाने का शौक तो हम सभी को होता है लेकिन कई बार हम यह सोच कर कन्फ्यूज हो जाते हैं कि किस पार्टी में कैसा मेकअप करें।

जानें कुछ टिप्स

- मेकअप में बेस में शीयर फाऊंडेशन का इस्तेमाल करें। मेकअप ऐसा हो जो शाइनिंग लुक लिए हुए तो हो ही, साथ ही ज्यादा देर तक टिका भी रहे।
- मेकअप में कुछ लोग पेल शेड्स का यूज करने लगते हैं लेकिन ये शेड्स इंडियन स्किन टोन पर सूट नहीं करते। इसलिए लाइट कलर्स से एक शेड डार्क के ऑप्शन पर जाएं। पिंकिश मॉव कलर हर स्किन टोन पर सूट करता है। अगर आप इसे आईशैडो में यूज करती हैं, तो चीक्स पर रोजी ब्लशर लगाएं और लिप्स पर रोज पिंक शेड अप्लाई करें।
- आईलाइनर का इस्तेमाल करते हुए ध्यान रखें कि अब 1960 के दशक के फैशन का चलन दोबारा लौट आया है। इसलिए आईलाइनर आंखों से थोड़ा बाहर निकला हुआ होना चाहिए।
- यदि आप पार्टी के लिए मेकअप कर रही हैं तो ड्रैस से मैच करता आईशैडो अच्छा लगता है। आईशैडो में मॉव, पिंक, लाइट ब्ल्यू और ग्रीन लाइट शेड्स यूज करें। इसमें लुक पेंटेड नहीं, बल्कि नैचुरल लगती है। आईलाइनर, मस्कारा और काजल आंखों की खूबसूरती बढ़ाता है।
- आईशैडो की आऊटर साइड पर डार्क और इनर कॉर्नर पर लाइट शेड का यूज करें। इसके साथ कलर्ड आईलाइनर का यूज कर सकती हैं। नैचुरल कलर के आईशैडो को कलर्ड आईलाइनर जैसे वॉयलैट, डार्क ब्ल्यू जैसे शेड्स के साथ लगाएं। नैचुरल ग्लो के लिए चीक्स पर लाइट शेड्स के ब्रॉन्जर का यूज कर सकती हैं।
- अगर आपको सैंसुअस दिखना है, तो साड़ी से बेहतर और कोई ड्रैस नहीं है। इसके साथ आप खूबसूरत मैचिंग ज्यूलरी जरूर कैरी करें। मैट फिनिश्ड गोल्ड ज्यूलरी जैसा बैटर आप्शन और कोई नहीं है।
- होंठों को उभारने के लिए लिप लाइनर, लिपस्टिक और लिप ग्लॉस लगाएं। होंठों को शाइनी लुक देने के लिए उस पर कॉपर रस्ट लिप कलर लगाएं।
- बालों को स्ट्रेट करा के खुला छोड़ दें। यह अपने आप में एक खूबसूरत व मॉडर्न लुक देता है। हेयरस्टाइल में क्रिंपिंग, रोलर व ड्रायर सैटिंग भी करवा सकती हैं। हेयर कट में लेयर्स और रेजर फैशन में हैं।

आफिस मेकअप

आजकल दफ्तरों में भी बेहद अनौपचारिक वेशभूषा तथा वातावरण का चलन है लेकिन फिर भी दफ्तर का एक अनुशासन और प्रोटोकोल होता है। इसलिए यदि आप वर्किंग वूमन हैं तो मेकअप का सही तरीके से अप्लाई किया जाना और भी आवश्यक हो जाता है। दफ्तर में भी यदि आप भड़कीला मेकअप लगा कर चली जाएं तो आप बेहद फूहड़ दिखेंगी। वर्कप्लेस पर मेकअप आपकी पर्सनैलिटी को उभार सकता है यदि आपने इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया हो तो।

जानें कुछ टिप्स

- आपका मेकअप आपके कार्यस्थल के लिहाज से होना चाहिए। उदाहरण के लिए यदि आप कॉर्पोरेट सैक्टर में काम कर रही हैं तो फॉर्मल लुक अपनाएं और लाइफस्टाइल प्रोफैशन के लिए सैमी-फॉर्मल लुक को चुनें। हमेशा नैचुरल लुक को ही तवज्जो दें यानी ब्राइट मेकअप की जगह लाइट मेकअप को अपनाएं।
- आफिस जाने वाली महिलाओं के पास वक्त की कमी होती है, ऐसे में केवल दो मिनट में मेकअप कर आप खूबसूरत लग सकती हैं। चेहरे पर पैनकेक, आंखों में काजल व आईलाइनर और होंठों पर लिप लाइनर व लिपस्टिक लगाने में केवल दो मिनट का समय लगता है।
- दिन के समय आप एकदम हल्का मेकअप रखें और केवल आंखों को हाईलाइट करने पर ध्यान दें। आंखों पर नैचुरल शेड की आईशैडो की परत लगाएं। इससे आपके पूरे चेहरे को चमक मिलेगी। स्किन कॉम्प्लैक्शन से मैच करते हुए ब्लैक या ब्राऊन मस्कारा चुनें। मस्कारा का सिंगल कोट काफी होगा। ढेर सारे काजल और आईलाइनर से बचें क्योंकि इससे आपकी लुक बहुत हैवी हो जाएगी।
- होठों पर डार्क कलर की लिपस्टिक लगाने से परहेज करें। लिपबाम या क्लियर ग्लॉस लगाएं। अगर आप लिपस्टिक पसंद करती हैं तो नैचुरल शेड्स ही चुनें। सैमी-फॉर्मल प्रोफैशन या ऐसे प्रोफैशन के लिए जहां आपकी पब्लिक डीलिंग हो, आप थोड़े रंगों का प्रयोग कर सकती हैं।

ये भी जान लें

जब सोने जाएं, तो अपना सारा मेकअप उतार दें, वरना स्किन खराब होने का चांस ज्यादा होता है।

मुल्तानी मिट्टी के असाधारण फायदे

- त्वचा के रूखेपन को दूर करने के लिए साबुन की जगह मुल्तानी मिट्टी रगड़ कर स्नान करें। त्वचा कोमल व मुलायम हो जाएगी।
- गर्मी में मुल्तानी मिट्टी मल कर स्नान करने से शीतलता मिलती है।
- गर्मी में पैरों के तलवों में मुल्तानी मिट्टी का लेप करने से ठंडक मिलती है व तलवों की जलन शांत होती है।
- मुल्तानी मिट्टी में कुछ बूंदें सिरके की डाल कर आंखों के नीचे सावधानीपूर्वक लगाएं। काले घेरे धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे।
- तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी में खीरे का रस, दही व चुटकी भर हल्दी मिक्स करके चेहरे पर पैक की तरह लगाएं। सूखने पर धो दें। लाभ मिलेगा।
- मुल्तानी मिट्टी में संतरे का रस या टमाटर का गूदा मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद धो दें। चेहरा खिल उठेगा।
- मुल्तानी मिट्टी में खीरे का रस व आलू का गूदा मिला कर आंखों के नीचे रखें। 10-15 मिनट बाद धो दें। काले घेरों से निजात मिलेगी।

चिपोटले बीन बरीटोज

सामग्री - 1 टेबलस्पून कैनोला ऑयल, 1 तुरीं लहसुन अच्छी तरह पिसी हुई, 1/2 टेबलस्पून चिपोटल मिर्च पाऊडर, 1/4 टेबल स्पून नमक, 1/3 कप पानी, 1 कप आर्गैनिक ब्लैक बीन्स (रैडी टू ईट), 1 कप आर्गैनिक किडनी बीन्स (रैडी टू ईर्ट), 3 टेबलस्पून फ्रैश सालसा, 6 (10 इंच की) रिड्यूस फैट टोरटिल्स (रैडीमेड चपाती), 1 कप कटा मैक्सिकन पनीर मिश्रण, 1/2 कप बारीक कटा टमाटर, 1/2 कप ताजा छोटे लेटिस लीव, 6 टेबलस्पून कटा हुआ हरा प्याज, 6 टेबलस्पून लाइट सोर क्रीम

विधि - 1. एक नॉनस्टिक पैन में ऑयल डालकर गर्म करें और उसमें लहसुन डालें तथा एक मिनट तक पकाएं। अब इसमें नमक और चिली पाऊडर डाल कर 3 मिनट तक लगातार हिलाती रहें। अब इसमें 1/3 कप पानी तथा बीन्स डालकर उबालें। आंच कम कर 10 मिनट तक पकने दें। आंच से हटाकर सालसा डालें तथा फोर्क से बींस के मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं। 2. गर्म टोरटिल्ज (पैकिंग पर लिखे अनुसार) पर लगभग 1/3 कप बींस के मिश्रण को मध्य में डालें और फैलाएं। उस पर अढ़ाई चम्मच चीज, 1/4 कप टमाटर, 1/4 कप लैटिस लीव, 1 टेबलस्पून प्याज तथा एक टेबलस्पून सोर क्रीम डालकर रोल करें। बाकी के टोरटिल्ज को भी इसी तरह तैयार करें। इन्हें आप 6 लोगों को सर्व कर सकती हैं।

एरोमैटिक स्लो-रोस्टेड टोमैटोज

सामग्री - 1 टेबलस्पून चीनी, 1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल, 1/2 टेबलस्पून नमक, 1/2 टेबलस्पून सूखे तुलसी के पत्ते, 1/2 टेबलस्पून सूखे अजवायन के पत्ते, 1/4 टेबलस्पून ताजा पिसी काली मिर्च। 16 टमाटर मध्यम आकार के (बीच से लम्बाई में कटे हुए) तथा कुकिंग स्प्रे

विधि- 1. ओवन को 200 डिग्री पर प्री-हीट करें, 2. पहले सात इन्ग्रेडिएंट्स एक बड़े बाऊल में डालें। टमाटरों पर सारे मसाले कोट हो जाएं इसलिए उन्हें हल्के हाथ से पलटाएं। एक बेकिंग शीट पर टमाटरों को व्यवस्थित करें। कटी हुई साइड ऊपर रखें। अब कुकिंग स्प्रे करें और इसे आप ओवन में रख दें। रोस्ट होने पर इसे बाहर निकाल लें और सर्विंग डिश में सजा लें। इसे आप 8 लोगों में सर्व कर सकते हैं।